

वनके मांथे विधियों वां धि वनावत ॥ २ ॥ नाजन नरि नरि दे कुंड वारो तव ही
ताहि पठावत चत्र नुज प्रनु गिर धर फिरि पाछे धौरी धेन खिलावत ॥ ३ ॥ रा
ग सारंग ॥ वेलन को धौरी अकुलांनी ॥ डोंड मे लि आतुर सन मुख कै स्पाम
सुंदर की सुनी मूडवांनी ॥ १ ॥ वडे डे गो पथ कित जये वादे यह अक्लें देखी
न कहां नी ॥ नांचत गाय जै नौ तन छज वर सो वर सकु सलय हजांनी ॥ २ ॥ नंद
कुमार अंचल मारि मुख जै जै सहकहत कलांनी ॥ चत्र नुज प्रनु गिर धर
लाल की सदार हो ॥ ऐसी रज धांनी ॥ ३ ॥ राग सारंग ॥ खेली व हो खेली गांगवु
लांही धूमरि धौरी ॥ वछरा परि उपरै नां फेरत डोंड मे लि कै दौरी ॥ १ ॥ आपु
पाल कृक मारत हे गो सुत को नरि को री ॥ धें धें करत लकुटी करली नें मु
ख पर डारि पिछोरी ॥ २ ॥ आनंद मुदित गुपाल ग्वाल सवटे रिकरत शक मे
री ॥ चत्र नुज प्रनु गिर धर न सदा इह छज मुख जुग ॥ गराज करोरी ॥ ३ ॥ रा
ग सारंग ॥ गुर के गूंजा पूजा सुहारी गो धन प्रजे छज की नारी ॥ १ ॥ घर घर गो में प्र
ति मांधारी वाजत रुचिर परवा वज धारी ॥ २ ॥ गो दलीयें मंगल गुन गावत ॥

वालकृष्णकोंपापलगावत हारदस्वरोचनकेटीके। इहिविधिसुरपुरला
गतफीके। ४। अरुनपीतरंगगायसिंगारीखेलतगोपदेदेकिलकारी। ५। ह
रीयदासप्रभुकोंवरविहारी। सुखमानतरितुवररवदिवारी। धरागसारंग
गोधनप्रजिकैंधरआये। जननीजसोदाकरतआरतीमोतिनचौकपुराये
१। मंगलकलसविराजतछारेवंदरवारिवनाएलालदासगिरधरगिर
पूज्यो। नमगतनमनजाए। शरागसारंग। तारे। तारे। रीतृजजनलोचनहैं
कों। तारे। सुनिजसुमति। तवसतसप्ततं। अलिकुलदीपकउजियारो। १६। धे
नचरांवनजातिहरिजवहोतनवनअतिनारो। धोरखसौंजीवनिमूरिहम
रीहीननमतइतउतटारो। रसातल्यौसगिरराजधस्यौकरसातवरसको
वारो। गोविंदप्रभुचिरजीरांनितवसतगोपवंसरखवारो। शरागमलारव
दरांनअंवरबायो। आनुबनुनंदकोलालछबीलोमोहनतापरइंच
दिआयो। १७। मेरेरीमोहनबुद्धिउपाईनखकरिसैलउगये। राखेसरनस
कलगोपीजनकुंजनदासजसुगायो। शरागमदुर। गिरवरनीकोधस्यो

कन्हैया॥ देखे रहोदरे जिन नख तेनु जात न कसी नैया॥ १॥ जव ही गाढ परतव
जलोग न तव ही करत सहैया॥ जननी जसोदा कर लेचां पत अति अम होत न
न्हैया॥ २॥ देखत प्रगट धरे गोवर्द्धन गोप न धरत लवैया॥ पिता देखि व्याकुल गि
रिवर धरत व एक बुध्ज पैया॥ ३॥ आव्रज तात गहो गोवर्द्धन गोप न सहत
गहवैया॥ ४॥ तहां तहां सव दिन गिरि टेको कां न्हि ओत करईया॥ ५॥ सरद
स प्रनु अंतर जां मी नंद हि हर खव दैया॥ ५॥ राग न कहो मेरे वारे लाल गोव
र्द्धन कै सै नवाय करली नों॥ एक हि हाथ अकेले ही गढे सु देखो वलि दाऊन
कुनली नों॥ १॥ सुंदर करचां पत चंचल फंकत उर लावत अंचल प्रेम जल
नी नों॥ गोविंद प्रनु स प्रतल रिकाल रिकाई तैं ब्रज जन मन सुख दी नों॥ २॥ राग
दा॥ अपने अपने दोल कहत ब्रज वासीयां॥ सरद कहूं नि सिजां नि दीपमालि
का जु आई घोर खन मन आनंद फिरत उन मत्त अधिकाई टेक एनथा पेदी
जि एघर घर मंगल चार॥ सात वर सको सांवरो खेले नंद दु द्वार कहत ब्रज वा
सीयां॥ ५॥ वैठे नंद उपनंद दोलि वृख जां न बुलाए वार वार हाहा कहै कहो॥

वावायहवाता। घर घर नोजन होत हे सो कौन देवकी। जातिक हत वृजवासिया
 रस्यो मनुहारी कुसलजा नि एक मंत्र उपै है। रवटरस विंजन साजि जोग सुर
 पतिकों दै है। टे। कस्यो नंद चुचकारि कै जायदा मो दर सो यावर सद्यो सको छे
 सहै सो महामहो छे होय कहत वृजवासिया। शतवहसि बोले लाल मंत्र बोह
 स्यो फिरि कीनो। आदि पुरस निज जां निरय न सुपनो मोहि दी नैं टेका। सब देव
 न को देवता गिरि गोवर्धन राजा ताहि जोग किनि दी जिये सुरपतिकों कहां।
 काज कहत वृजवासिया। धाव दि है गोधन छंद ३५ दधिको कहलै खोयह
 पर चो वृजमां फर्न न अपनो करि रेखो टेका तुम देखत वलिखाय गोमोहि मं
 गे फल देय गोप कुसल जो चाह हो तो गिर गोवर्धन सेय कहत वृजवासिया।
 ५ गोधन कीयो विचार सवे मिलि सकट जु साजे वज्र विधिक रिप कवोन च
 लेत हां वाजत वाजे टेका एक वन ही वन तैं चले एक नदी सरजीर एक न पैंजे
 पात्र ही सो फूलै फिरत अहीर कहत वृजवासिया। हा एक ऊवट कै चले एक
 वन ही वन छाए गाँवें गुन गोविंद भे मजु मगे न समाए टेका सब

सांवरो देखिये सवनिमुंजारी कौतिक न ले देवता सो आ एहे लोक विसारी क
हत वृजवासियां ७ वृजचौरासी को सपरे गोपन को मेरा लांवे चौवन को सतहां
वृजवासवसेरा टेक गोपन को सागर न योगिर न यो मंगल चार रतन नै सको
पिका तहां को न्ह विलोवन हार कहत वृजवासियां ८ त वहरि बोले विप्र ज
ग्य आरंजन कीनों सुरपति पूजा मेदी राजराज गोवर्धन दीनों टेक देव दिवा
री सांम ही सव मिलि पूजन जां हि नंद प्रतीत जो चाहत होतौ तुम देषत वलि
जा उ कहत वृजवासियां ९ प्रथम ह्म न्हाय वज्र रिगंगा जल दास्यौ वजे
देवता जां नि कां न्ह को मतो स्यो टेक जैसे है गिरिराज नृत्य से अन के कोट म
गन नये पूजा करै सवन र नारी बड छोट कहत वृजवासियां १० वज्र वि
धिविंजन साजि कहां लोनों वषां नौ न यो जात को कोट और गिराज छिपां नौ
टेक वरा विराजे जात पर चंद हि पटंतर सोय जग्य पुरुष नो जन करै तहां सब
देवन सुष होय कहत वृजवासियां ११ सहस्र जुजा उर धारि करै जो जन अधि
काई नर वसिख लो अ नुहारि नौ हसरो क न्हाई टेक ललितारा धासों क

हेतरेऊदयसमायागहेअंगुरीयानंदकीटोटापूजापायकहतवृजवासियों
 ११ पीतडमालोवन्यांकंठमोतिनकीमाला। सुंदरसुनगशरीरजलमलेनै
 नविसाला। टेकास्यामकोंसोजागिरिनजोगिरिकोंसोजास्यांम। जैसैंपर
 वतअन्नकेदिगनैयावलिरांमकहतवृजवासियों। १३ जैसीकंचनपुरी
 दिव्यरतननसोंछाईबलिदीनीहीप्रातछांहचलिप्रवरआईदुंदरोलावृ
 रवजांनकोरहीविलोदनहारातिनिकीबलिइनदेवताहोलीनुजापसारि
 सवेसामयीअर्पिगोपगोपिनकरजोरे। अगिनितकीनैस्वादकहावरनों
 मतिथोरेटेका। इहिविधिपूजाकीजियेकह्योसवनसमुजाया। सरस्यांममो
 सोंयोंकह्योमेरीलीलाससवनायकहतवृजवासियों। १४ रागसोरठादे
 खोमाईबादरकीवरियाईकमलनैनगिरभारधस्यौकरइननुअधिकज
 रलाई। राजाकैगाववाजवलबसियेतासोंकहावडाईवाकुरसोंसेत्रकस
 रिजरिकरैइनवातनपतिजाई। सरदासअनुकौनइसरेजिदिवनकुद
 रकन्हई। अववाजुओरकरतहैपाठैंफिरिपछिताई। १५ रागसोरठावारी

मेरे कांहरूपारे अवही दिननुबारे कैसें अतिनास्यो गिर राख्यो धरि क
 रपरि को मलजुजा तुम्हारी यातें होवैं जयजीतरजारी देखि देखि करत हे
 ऊ दोधरधर ॥ स्याममहावलकीनों गिरिछिनक में उवायलीनों ॥ आयो
 गायबालसवसरन मेघके डरनी को करो हो उपाय मिलि करि हंस हा
 य ले हो बोलि बलि राम संग जैया हलधर ॥ २ नैं करूची चन पास्यो आवें
 जो म अंधियारे ॥ बरखत हे घनसात दिन एकजर चत्रजुज प्रजु गिरधारी
 राखिलीयो इंड पिस्पाय आय पस्यो चरननतर ॥ ३ राग मालव गौड जेजे
 लाल गोवर्द्धन धारी ॥ इंड मोन जंग कीनों ॥ वांम वाऊ राख्यो गिरिनायक नरु
 न को सुखदीनों ॥ ४ सात दिवस सुरपति पचिहास्यो गोसुत श्रीगनजीनों
 हलदास प्रजु गिरधर पिय के पाय पस्यो मदहीनों ॥ ५ राग श्री जयतिज
 यति श्रीहरिदास सर्वधर ले वारि दृष्टि निवारि घोख अरति दारि देवपति
 अजिमान जंग करणे ॥ जयति पटपीत चारुदामिनी रुचिर वरमृडल अं
 ग स्याम जलद्वर ले कर अधर वेणु धरे गांन करखरे सहज वृज जुवती

चितहरणो॥ २॥ जयति हंदा वि॥ नीनो मिडोलनी अखिल गोपवंदन अमलत
 सरणो॥ तरणितनया विहारनंदगोपकुमारतयकुभनदासतवसिचरणो॥ ३॥
 गकेदारो॥ नंदलालगोवर्द्धनधास्यो॥ हृजपतिप्रलयकरनको॥ सुरपतिपठये
 को॥ पिप्रलयमेधेधचास्यो॥ सातदौसमंसलधारावरसतएको॥ छिनुनवच
 पास्यो॥ गोपगायवालकआयवलराविगर्वदास्यो॥ २॥ छं॥ ३॥ सवअनिमान
 अमरपतिअपनो॥ बिगासजियमै॥ विचास्यो॥ कुंजनदासप्रभुसैलधरनके
 आयपस्यो॥ पायनिहास्यो॥ ३॥ रागअडाणो॥ सुरराजआयपायनपस्योरी॥ गि
 रिधरनिआपनो॥ कस्योरी॥ तनिगजहृजरजलो॥ तत्रायोवदनदेरवतमग
 ननयो॥ सुरनीउपहारलयो॥ कनकदंडज्यो॥ धरनी॥ गि॥ स्योरी॥ १॥ तवगोपालन
 एकपालपीतांवरपहरायो॥ कान्हअनैकरसिरधस्योरी॥ हरिनरायणस्यो॥

रागमाहूकरषाजा

योंछतनोंकीयो लोकतिऊंमांहप्रभुईवडाई॥ ६॥ ६॥ म॥

लीयो इंदवलमेटि गिरिकों वलिरववा ई सदाई यहदरनी गिरधरन गो
की नीरमें धीरधरि हैं कन्हा ई २॥ लीजिये सरन वृजनाथ वृजनवन का
हैं जिनि इहिं वार कहा विलमुला ई आई ये वजरि वृजला उले मारिये
कर जनक सहाई ३॥ मारियो कंस जै सैं जवन संघारियो सदा इहिं चलन
वली जु आई कलदास विनती करी सुनऊ गिरधर हरि सदाई रहिये न
होत सदाई ४॥

श्रीगोपीजनवल्लभायनमः॥ अथ नार्द्र हजि के पदाराग विलवल आजि
हजि जैया की कहियत नरि नरि कंचन घाल के। कर जतिल कतुम वहन
सुन जवल आरु श्रीगोपाल के। आरती करत देत नौ छावरि द्वारति मु
क्तामाल के। आस करन प्रभु मोहन नागर प्रेम पुंज जजवाल के। शराग विला
वल कातिग सुदि द्वितीया के दिन हरि हलधर सहित सुन जघर आ एतिल
कवरा शिवै वेदोक्त जैवन विविध जातिके जोग लगाए। श्रीरादे कर करत
आरती तव जुवती जनमंगल गाए। जजपति प्रभु परिकरि नौ छावरि देत स
वनि कौं अति हर रवी ए॥

प्रथमोत्तरनकोपद। राग विजास खेलतवनहि चले हजराई खेलत
नहि। करतलवें निलकुटिया कांधे कटि मेखलावनाई। १। चार चार प्रति
रवा बुलाएव छराठिल श्रेया नाई जोरन ए अवतुम कहा सो न त जाग ऊने
उहाई २। अपनी अपनी छाकले ऊतुम वज्रत जांति घृत सां नी परमाने
स्वामी की लीलाया विधिकि निऊं न जोनी। ३। राग देगं र। दुमचदिकां
हटेरत हूंगें यां हरि गें धाय मात सवन ते आगें जे टरव जां न दई। ४। घेरी न धि
त तुम ही विन माधो मिलत न संग नई विडरतं फिरत सकल वन महिये
क एक नई २। छांड ऊखेल वे हरि जात हैं वी ल्यो जो सिरवई सूरदास प्रभु
मेस मुजि कै मुरली सुनत नई ३। राग सारंग। देरत ऊंची टे रगुपाल। ४।
जात गैयां नैया हो सव मिलि घेर ऊगवाल। ले लेनां मधूं मरी धौरी मुरली म
पुर साल। चटिक दंव चरूं घां हेरत अंबुज नैन वि साल २। सुनत सव द सु
नी समुहां नी उलटी पिछोडी चाल। चत्र नुज प्रभु पीतां वर फे स्यो गोवर्ध
धर लाल ३। राग सारंग। प्रथम गो चार ए चले गुपाल जननी जो सोधा

करत आरती मोतिन शरीयाल ॥ मंगल शब्द होत ही औसर गावत मिलि
 वृजवा ल विविधि जांति पट नूरवन पहरें रोरी तिल कुदी योजाल ॥ २ ॥ सव सं
 माज ले चले वृंदावन आगैं लीनें गाय ॥ राई लीं ननु तारत जननी गोविंद वलि
 वलिवलि जाय ॥ ३ ॥ राग सारंग ॥ प्रथम गोचारन को दिन आज ॥ शत काल उ
 विज सोदा मैया की नोहे सव साज ॥ ४ ॥ विविध जांति वाजत वाजत हेर स्यो घोर व
 सव गाजि ॥ गावत गीत मनोहर वां नीत जिगुरजन की लाज ॥ ५ ॥ लरि का सक
 ल संग संकरवन वैनि वजाय रसाल ॥ आगैं धे मुदे चले मोहन धनुन मनन गो
 योगे पाल ॥ ६ ॥ राग सारंग ॥ गाय चरंवनु को विसनु राधा मुख लाया राख्य
 नैन नि कोट सनु ॥ ७ ॥ कव रूधर कव रूधर वन रवेलन को जसुना ॥ परमानंद स्व
 मी को जावे तेरो मुख हसनु ॥ ८ ॥ राग सारंग ॥ मैया हो नचरै हों गाय सबे ग्वा
 ल धिरावत मो पै मेरे हर कत पाया ॥ ९ ॥ कव रूधर न जात नी ही कहत नि वैरि
 चराय मोहि न पस्याय तो वृजि वलि दाऊ ॥ अपनी सोह दिवाय ॥ १० ॥ हों जान
 त मेरे कवर कनैया लीये जूदैल गाया ॥ परमानंद सकी जीवनि शालन प

रिअधिकरिसाय। ३ राग सारंग। मैया मैं कैसी गाय चराई। १। देवि वलि न
 ददा सं कैसी मैं देरि बुलाई। २। विडरि चली सघन वन मंहि पांहेरी देव हरं नी
 ज्वालन केलरिका पचि हारे देस व मेरी दांई। ३। जलो जलो करि महर हस
 त हे फूली अंगन माई परमानंद प्रनु बीर वचन सुनि जसु मति देत वधाई
 ३ राग सारंग। गोविंद चलत देरि वियत नी के मध्य गुपाल मंडली मोहन कां
 धन धरि लीने छी के। १। वछरा वेद घेरि आगें दे जन जन अंग वजाए मान
 कमल सरोवर तजि कै मधुप उनी दे आए। २। हंदा वन प्रवेस अघ मर्दन वा
 ल लीला जावे। ३। प्रेम समुद्र लोक वै पांवन जन परमानंद गावे। ३ राग सारंग
 गोविंद चले चरां वन गैयां। १। दीनों हेरु रिआजिन लोक सो हे ज सो दा मैया।
 २। उवटिन्ह बाघ वसन नूर वन सजि विप्र न देत वधैया करि सिंगार तिल
 क आरती द्वारति फिर फिर लेत वलैया। ३। चनु जदा सछा कछी कै सजि स
 खान सहित लीने वलि नैया। ४। गिरधर गवन देरि अंकन रिमुख चूं व्योने
 दरेया। ५। ६। गोचर एक पद पंशरण॥

॥ श्रीराम ॥

श्रीगोपीजनघट्टनायनमः॥ अथ प्रबोधनीके पदलिप्यते राग विलासला
आज प्रबोधनी सुन दिन नीको॥ अमल पद्म एकादसी आया वैजित शरकुं
जर चेसरवी च ऊं ओर दीपक सुहाया॥ घर घर गोपी वोक प्ररत सब वंघर
वाराधार वंधाय सिंघासन गादी त किया धारे करे नथापन गो कुल राया॥
हरे नरे सव तेर मेवा धरिसां मयी सव नोग लगाया च्यारि जां मजा गरन जा
गिनि सिजागे देव गो वर्धन राया॥ मंगल आरती करि ब्रज मंगल प्रेम मु
गन आनंदन समाया रसिक प्रभु मंगल निधि मंगल रूप राधा सुरवदाम
धारा सारंग॥ आज प्रबोधनी परम मोद करि चलि प्यारी प्रिय पैले जां ऊं
वज्र तई घर सकुं ज पुं जर चि च ऊं ओर दीपक सुहां ऊं॥ चित्र विचित्र न
मि अति वीती करि नथापन हरि हे जगं ऊं ताल जां जि संघ मृदंग धुनि व
जे धरै वंधन धार वंधां ऊं॥ च्यार जां मजा गरन जा गिनि सि च्या स्यो नोग
अधर अमृत पां ऊं रसिक प्रभु के रहस्य सिंधु मै नैनं मीन ऊं को रिन्ह वां ऊं
शरा ग कां न्हरो जागे जग जीवन जग नायक कीयो प्रबोध देव गन जव

हीउवेजगतसुखदायक १ जाप्रनुप्रनुताड़ीजारीसिवबंसादिकपायक
 कमलादासीपायपलोटनिपुननिगमसेगायक २ जहांजहांजीरपरेंज
 कूनकोंतहांतहांहोतसहायक परमानंदप्रनुजक्तवच्छलहरिजिनकेम
 नवचकायक ३ अथवलदेवकेपदरासार्गवलदाऊकीवर
 संगविआजिहूलतलालऔरवजरायवैठीगोदलीयेंदोजटोटेनजसु
 मतिऔररोहणीमाय ४ वंदनवारचौकमोतिनकेनंदनेंवाजेहुलसवजा
 ए पहलैंनएसुलछएवलतवैअपनीपीठपरलालत्पाए २ आगैकैअ
 नंदवैठिकरिजांतिजांतिकेवेदपढाए एसीदेऊअसीसईनहीएदोजसु
 तहमडुएनपाए सोनेंरूपेवजतवसनलेविप्रनकोंगोदानदिवाए लेले
 नामबुवाटोटेनकोगायगायकेंसवनमल्हाए ४ तिलककरतलत्तए
 सवशरीऔरआरतीविधिधिसंजारीइनकोंसोहिलोइनकेवीरकोंइनें
 सुखमानतवजनारी ५ पहलैंहीपहूआएजानसवफिरिकरिवालगोप
 पहिराए अरुपहिराईसववजसुंदरिजैसेचीरजाहिमिनजाए ६ आदर

लेरांनी कहती सवनसों औसेई मेरे दिन दिन आए श्रीबीठल गिरधर नलाल
ए प्ररीवाह के सदा मुहाए ॥ अष्टवस्त्रा नर एकै पद ॥ रागराग कल हरिजस
गावती चली सुंदरी ॥ श्रीजमुना के तीर ॥ लोचन लौनें वां ह जोटी करि श्रवण ॥
निजल कत वीर ॥ धेणी सुथिर चारु कांधे पर कटित टांवर लाल ॥ हाथ ॥
नरुल लीये डलियां नरि और मनि मुक्ता ॥ माल ॥ २ ॥ जल प्रवेस करि मंज
न की नों प्रथम हे मंत के मास ॥ एह वर होऊ मेरे व्रत गन्यो ॥ इह आस ॥ ३ ॥ तव
ही चीर हरे हरि नागर चढे कदम की डार ॥ परमानंद प्रजु ॥ वर देवे कौ ठछ म
की यो मुरारि ॥ ४ ॥ रागराग कजी हो मोहन हों हारी तुम जीते ॥ नागर नट ॥
टदेऊ हमारे कांपत हेत न सीते ॥ ५ ॥ रसिक गोपाल लाल अवलिन पर एती
कहा ॥ अनीते ॥ परमानंद प्रजु हम सव जां नत तुम गाल कजावतरीते ॥ ६ ॥
इति वं ॥ हर एकै पद संप्ररण ॥ अथ मन सिद्धा लिख्यते ॥ प्रेम न श्री हरि वंश
अजि जो चाहत विश्राम ॥ जिहिर ससवटु जि सुंदरी निछाड़ि दीयो सुख धाम ॥
निगमनी रमिलि एक नयो ॥ अजन हृदय समसेत हरि वंस हंस न्यारो कीयो प्रगट
जगत कै हेत ॥ १ ॥ एक सोच मन मै रहे ॥ प्रसन्न आवत जिय लाज ॥

रि कीयो नए कै काझारे मन चंचलता तजै विषै दरै दिन जन रसमां हि श्री राधा
वदन्न जनों मविन तेरो कोऊ नां हि ४ मन गजतजि कै विषै मन चल हि जन की
ओर छाडि कुमति अवसुमति गहि भजिलै नवल किसोर ५ अवलग मन की
नों सोई जोई कह्यो तैं मोहि अवत मेरो कह्यो करि जुगल चरन छवि जोहि ६ हा
हामन वछाडि कै जो अटकै इकठोर वृंदावन धनकुंज में जहां रसिक सिरमौर
७ रे मन अलिखु बहि जिनि विषै सुमन सुति मंद जुगल चरन अरि विंद को
करहि पांन मकरंद ८ मन पंखी अवतर हि जिन जगत मोह के जाल तव तो कूं
कै है कति नव दि है ९ रविसाल १० विषै चुगो जिन चुगहि मन चुगत परै डष
फंद फिरि पीछें पछिताइ गो क्यौ न न जै रजि चंद ११ रे मन कव रूजाय जिनि
भूलि विषै वन रंग मन मथ डगमार तजहो लीयें वज्र तव संग १२ अवलग मन
छाडत नही सव वातन को लो ज तवल गहिय उष जैन ही जुगल प्रेम की गो न
१३ सव पापन को छुट्टै लो ज तैं मन हि घटाय निस प्रेही संतोष गहिर है न जन
चितु लाय १४ मन तौ चंचल सव नितैं कीजे कौन उपाय साधन कै हरि न ज
न है कै सत संग सहाय १५ कांम कांम ना वासना मन तैं सव करि हरि श्री रा
धा वदन्न लाल ज निरसिक न जीवनि मूरि १६ रसवल छुटै न जो विषै सुष
नहि पावै कोय तन छाडै मन गहिर है रंनों जहां उख होय १७ रसवल छुटै

जो विषै सवहिल है सुषमूल जै सैं आतप को तपो पावै सरिता कूल ॥ १७ ॥ विषै करत
 वयवीति गई त्रिपति नयो तज्जनां हि नैनं अछित है दीप करि पारत रूप तम मां हि
 ॥ १८ ॥ जघपित न जीरण न यो छुटी न मन कीरीति विषरि पस्यौ सिमटै नही इंडि निली
 नों जीति ॥ १९ ॥ परनिंदा कै करत ही आवत न हिक छुहा थि मूरिष परवत पाप को
 लै चलो अपने हाथ ॥ २० ॥ नरुन निंदा अतिवुरी भूलि करोजि नि कोया कीएसु
 कत सवै निके छिन मै उरै घोया ॥ २१ ॥ मत्सर को धन स्यौर है और सुहिय अनिमो
 न विन पावक जरि बोकै महामूढ अग्या न ॥ २२ ॥ अवसुनि न जन कीरीति कछु
 होय महा इट धीर को जग्याहन पाइ है जहां नीरगं नीर ॥ २३ ॥ जाको जै सौ गुन कहे
 जाव है मन मै धरि विस्वासा कर्म धर्म अर लोक कुल तोरी सब की आस ॥ २४ ॥ नरु
 आहि वज्र नांति के तिन मै चऊ तक ने द विनि विवेक मिलि वोतहां मन पावै
 अति रेवदा ॥ २५ ॥ सवगं मिलि वो एक सो यह ग्यां नी कीरीति न जनी सो ईजां निये
 करै समुजिक रिशीति ॥ २६ ॥ खांन पांन तहां की जिये रसिक मंडली मां हि जिनि
 कै और उपासना तहां उचित कवनं हि ॥ २७ ॥ रसिक रंगे जे जुगल रसति नि की जं
 ठिने पाय जहां तहां के पावने न जन ते ज उडि जाया ॥ २८ ॥ इष्ट मिलै अरु मन मिलै
 मिलै न जन रसरीति मिलिये जहां नि संक के की जे तिन सौं प्रीति ॥ २९ ॥ गल
 पे मर समगन जे ते ई अपने जांनि सव विधि अंतर सो ति कैंति

निधुग्यहरसपरस्यो नां हि जिन तू जिन परसै ताहि ता सौं नां तौ नां हि कछु
यहरसरुचै न ताहि ॥ ३१ ॥ संग सोही जाकै मिलै जू लै यह बौ हार तिहि छिन आ
वै हीय मै अजुत जुगल विहार ॥ ३२ ॥ जिन कै देवै पुलकत नरो मां चित कौ जाय
सुनत वचन तिन के मधुर नैन नरै जल आय ॥ ३३ ॥ जिन को सहज सुजाव पस्यो
जुगल रंग की बात नि सि दिन बीतै न जन मै और न कछु सुहात ॥ ३४ ॥ ऐसे न
रुन कै मिलै हीयो नैन सिरात मन दै नीकै समझि कै सुनि एतिन की बात
॥ ३५ ॥ जिन कै जुगल विहार की बात चले दिन रै नि तिन ही को संग की जिये
छाडि और सव गै न ॥ ३६ ॥ वज्र त मिले सो संग नही न्यारी न्यासी जांति जुगल
प्रेम मै रस पगे जे ते ही अपनी पांति ॥ ३७ ॥ वज्र त जांति के मत जहां तिन नु हिस
मज्यौ संग न वृकिसोरता माधुरी विनां न अपनी रंग ॥ ३८ ॥ देव्यो प्रेम विला
स वृंदावन धन कुंज मै जिन कै इहै उपास तिन को संग जु की जिये ॥ ३९ ॥ न
वृकिसोर सुकवार तन रंगे प्रेम के रंग जिन के हिय मै वसत एतिन सो क
रि ध्रुव संग ॥ ४० ॥ कठिन है रसिक उपासना रहत न मन श्क ठोर राई कै स

भवतही होत और की और ४१ जजन न होत सत संग बिन जजन विलंब
 हि प्रेम छिन लं जजन न छा डियो धरिये प्रवय हने म ४२ महामधुर रस प्रेम ले
 जिन कै लाग्यो रंग ४३ सेर सिक अनन्य जे की जेति न को संग ४४ और नाना
 न कै नही जुगल विहार उपास सुनि कृत मन क्रम वचन को स्मर है तिन को
 दास ४५ धर्म प्रेमो चाहि ज्यों सूरार नमो हि ४६ पंड पंड हो ४७ ज्ञात तन फिरि कै
 चित बैनां हि ४८ कव रूतौ थोरो जजन कव रूतौ होत विसाल मन को धीरज
 छुटै नही जुमव विहार उपास ४९ कही आचार अपरस कहा कहा संज
 मवत नेम कहा जजन विधिसौ वंध्यो जौ नहि परस्यो प्रेम ५० मजन कसे
 निमति लै परी सहर सदार जै सैं रोकी रुकत नहि प्रवल नदी की धार ५१
 जकृत प्रेमो चाहिये मन धीरज छुटि जाय सुषयायें फूलै अधिक दुख पा
 यें विललास ५२ रहै धीर रस जजन में यात नहि कछु और
 जो बज गिस्व हि छुटै केर ५३ सूर सोई रन नू मिकों
 जजनी प्रेमो चाहिये नर नहि आनै आन पर महाम
 परसत नही कछु और जे सेर सिक अनन्य जेति है

गहैन
 चाल =

हान होय सत संग तैं दे को तिल कैं अस तेल मोल तोल सब फि शियो पायो ना
 म फुलेल ५३ और धर्म साधन जन फी के दिन अ नुराग जै सैं वा गो वन त नही
 जो न होय सिर पाग ५४ ये म विनां जो कलु क दै सो सद ही लागै फी क विविधि नी
 जांति विंजन करै लौं न विनां सब फी क प पान दल कि सोरी कुद रि की सहज ही
 ऐसी वां नि ता को संग न छा डि ही नैं क सर न ग हि अं नि प द पी त म रु कै प न य
 है श्री ति कै व सि है जां हि को दि धर्म जा करै को ज ति न त न चित व त नां हि ५५ ए
 क अं ए म न दाय त न अं विन की सी श्री ति जि हि पैं न्यारी रह त है दे प त एक ही री
 ति प न वां हां जो री फिर त दो उर सि क ला डिली लाल दे धै ऐसी जांति छ वि वि त व
 त नैं न दि सा ल ५६ औ गु न करै स मु द्र स म गि न त न अ प नों जां नि रा ई के स म न
 जन करै मां न त मे र स मां न द अ से प्र मु त्रै लो क म नि जि न न न जे वित ला व प
 सु पं छी ता को स दै मां न त अ प नों रा इ द र तिय सु त नां ती नां त नी ति न ही त न चि
 त दी न श्री रा धा व द न लाल जी नैं क न अं नैं ही य द र प त्यो वि धै के स्वा द मै
 ऐ सो र लो लु ना य य हर स मै व म वी ति ग र्ग हो काल नैं आय द र अ नु त नु ग
 ल वि हा र को जि न को र है वि वा र उ नि फ्र व ति न को च र न र न लै लै सिर परि धारि द
 म न सि द्दा के क हे दो हां सा वि द वा रि जु ग ल च र न अ र वि ड प द प ल प ल प्र ति हि सं न

हि इति म न सि द्दा सं श्लो

साई

॥ श्रीगोपीजनघटनयनमः ॥ अथ श्रीगुसांईजीदेवतावकेपदलिखते
रागजैसैसदा श्रीवीठलनाथजीकेचरणसरणें पतितपावनजनअथ
हरणें ॥ श्रीवद्वजननंदनजगतदयानिधिजक्तचलकरुणाकरणें ॥ अ
गनितगुनगायजसजाकोदीनउखितपोरवतजरणें ॥ प्रगटरविनाना
तिमरनासनसोनासिंधुकहांलोंवरणें ॥ मुकुंददासप्रभुनिसदिनविहरत
सिकलालगिरवरधरणें ॥ ३ ॥ रागजैसैजयजय श्रीवद्वजननंदन श्रीवी
ठलनाथसकलजगवंद ॥ सुमरतनाममोचतनवफंदकित्त्वकीजीवि
गोकुलचंद ॥ मुनिजनसुगावैपुतिछंदप्रेमजक्तुरसआनंदकंद ॥ ३ ॥ क
सिंधुवचनमकरंद ॥ अतिनदरमुखमुसकनिमंद ॥ ४ ॥ कलिसागर
नौपदअरिबिंद ॥ प्रभुगिरवरधरदासमुकुंद ॥ रागजैसैजैजै श्रीवद्व
नंदनसुरनरमुनिजाकीपदरजवंदना ॥ आयावादकीयोजुनिकंदन
मलीर्यकाटतनवफंदन ॥ प्रगटपुरुषोत्तमचरवज्रचंदनरुसदा
॥ ५ ॥ रागजैसै ॥



॥ श्रीवृद्धन भुजसंततिनिगतगोकांमनकमवचनछिनुएकनविस
 रंकांमनकमवचनछिनुएकनविसरंकां॥ ५ ॥ पुरुषोत्तमश्रवतारमुक्ता
 फलफलितजगतबंदनश्रीविवलेशडलरांकांयरमियदकमलनिरस्ति
 सौंदर्यनिधिप्रमपुलकितकलहकोटिनसांकां॥ २ ॥ श्रीगिरिधरनदेवपति
 मानमर्दनकुरनघोरवरच्छकसुरवदलीलासुनांकां॥ श्रीगोविंदग्यालसं
 गगायनेचैतवनरसिकरचनांनिरखिनेनसिरांकां॥ ३ ॥ श्रीबालकहस्त
 सदासहजवालकदमाकमललोचनसां॥ हारखितरुधिवदांकांनक्त
 माउगमुददकरनगुरासिहजमंगलश्रीगोकुलनाथसिलडांकां॥ ४ ॥
 श्रीरघुनाथधर्मधुरिधारसोनासिंधुरूपलहरीनडरवदरिवदांकां॥ प
 तितउधारनमहाराजश्रीजिदुनाथविसदश्रंभुजदाथसिरसिपरसां

त्रिकरटांकां॥ चक्रभुजदामपस्योघारेणप्रत्यकरंमकलकुलचर
 णं॥ मत्तनोरउठियांकां॥ ६ ॥ रागजैरंतिताल

श्रीविठलनाथसकलजवंदन॥१॥निगमपुकारेनलहेंपार॥मोठाकुर
अकाजीकेघर॥२॥लीलाललितगोवर्धननाथ॥५॥रागजैहूं॥चचरी
श्रीविठलनाथैकेचरनसरन॥श्री॥बह्मननंदनंकलिककलिवंड
नेपरमपुरसंत्रेतापहरन॥१॥सकलऽवदारुणंभवसिंधुतारणंभवसिं
धुतारणंभवसिंधुतारणं॥जनहेतलीलादेहधरनंकम्हडदामप्रभुभव
मुखयोसांगरंरुतलेऽद्वनकंपगटकरन॥२॥रागजैहूं॥तालचचरीषातम
मेंश्रीमुखदेखनकूंसेवकजनठाढेहेघारजेजेजैश्रीबह्मननंदनदर
मनदीजेपरमउदार॥१॥सुंदरिण्यांसमुन्नगतासीवामेधगंभीरगिराम
मुधार॥नेननिःखिहोतयरममुखश्रवनमुनावतवचनमुधार॥२॥नयन
मंगलतनश्रवनमंगलजसपुरुषोत्तमलीलाश्रवतार॥मगवांनदामना
यवलिहारीअगनितमहमाचरननअपार॥३॥रागजैहूं॥चचरी॥विमद
जसश्रीबह्मनमुतकोशानउचतअनदिनगुनगांकं॥कलिमलहरन
चरणचितधरिशखंउपाजियरममुखविमरांकं॥४॥अक्रनवरअरुमक

कोरमजानेमानेमनजिनमोतिनरुंरुंबांजं। छीतस्वामीश्रीविवलगि
धारीकोसुमरनत्रश्मदासिधिनवनिधियांकां। शारागजैस्तं। चर्चरी॥
ममेश्रीवद्वज्रमुतकोठवतदीरमनांलजिनांम। श्रानंदकारीमंग
कारीश्रमुनहरनजनपुरनकांम। एयहलोकपरलोककेवं
दिनसकेतुम्हारेगुनग्रामानंददासप्रभुरसिकसिरोमनिराजकरोगो
कुलमुषधांम। शारागजैस्तं। चर्चरी॥ न्यारीन्यारीकृपान्यारीन्यारी
। एककीएकनजातिमेवक॥ न्यारेन्यारेरसफिरतसवननमदप्रग
टप्रतायश्रीविवलदेवका। कृपादिष्टिसोअनेकप्रकारनिश्चरनवंद
मुधावरवेवस्तु। जनकन्हडश्रीवद्वज्रनंदनगोकुलकीजीवनिड
देवका। शारागजैस्तं। विजासा। मेरेवलश्रीगोवर्धनधारीको-
नदीरलेखं। सबविधिसरवलीहो। सबविधिजनवनवरंगसरवदेखं। ए
वद्वज्रनजमुगांजंमकलत्रायदानलेखं। कृष्णदासप्रभुराधावरमि
भूतलजनमविसेखं। न्याारागलिजासा॥ ॥ बोहरिकृष्ण

न प्रगटे ॥ श्रीविवलनाथदमारे ॥ द्वापुरवमुधानारहस्योदरिकलजु
गर्जवधारे ॥ तववमुदेवगृहप्रगटहोयकेकंसादिकरिपुमारे ॥ अब
श्रीवद्वनगृहप्रगटहोयकेमायावादनिवारे ॥ एसोकविकोहेजगम
होयावरनेगुनजुनुम्हारे ॥ मानिकचंदप्रभुकोमिवखोजतगावतवेद
पुकारे ॥ ३ ॥ रागजैतुं चर्चरी ॥ जैश्रीवद्वनराजकुमार ॥ परपारवंडकप
टखंडनकरिसकलवेदधुनिधार ॥ १ ॥ परमपुनानतपोनिधियावनत
नमोजाजितमार ॥ निजमुखकथितकललीलामृतमकजीवनिस्तार
॥ निजमतिमुदटमुक्ततकृतहरिपदनवविधिनजनप्रकार ॥ इरितदु
श्प्रवेतप्रेतगतिहतितपतित्तुधार ॥ ३ ॥ नहीमतिनाथकहांलोवर
श्रीगिनतगुनविस्तार ॥ छीतस्वामीगिरिधरनश्रीविवलप्रगटकृष्ण
श्रवतार ॥ ४ ॥ रागजैतुं चर्चरी ॥ श्रीगोकुलजुगजुगराजकरो ॥ यह
मुखनजनप्रतापतेकवरुंछिनुस्तनतनटरो ॥ १ ॥ पांवनरुपदिरवाय
ज्ञानपतिपतितनुयापहरो ॥ विस्वददिरदीनोप्रेतनगतिक्योनजगत

उधरो॥२॥ श्री॥ वदन्नकुलमरदाइं दीवसजसमकरंदमरो॥ नंददास
प्रमुखठगुनसंयातश्रीविठलेसवरो॥३॥ रागनैरूं॥ चर्चरी॥ जयतिज
यतिश्रीवदन्नमुवन॥ उधरनत्रीयमुवनफेरिनंदकेमवनकीकेलि
ठांनी॥ ५॥ गिरिधरधरनसदासेवतवरणाधारव्यासोवरणनरतया
नी॥६॥ वेदयथव्याससेहनसमदामसेज्ञानकुंकपिलसेकर्मजोगी॥
साधतक्षणा निपुनमनरुद्वजराजप्रगटमुखरासिमनुइंजोगी॥७॥
सिंधुसमगंतीरमिलनरंगनीरशीतिकोंनलखीरुजनुयासी॥ ८॥ ध्यां
नकोमनकसेनक्तिकोफनिगसंयाहंतेंवसकीयेबसरासी॥९॥ म
नहूंइंजीनुजितिकलसोंकरिश्रीतिनिगमकीवलिनातिअसिवि
धेकी॥ १०॥ इतिअनिमानतेंवडेसनमानकेसीलअरुदांनगोविंदटे
की॥११॥ सदानिर्मलबुद्धिअष्टसिधिनवनिधिदासेवनजहांन
दासी॥ १२॥ रामरायगिरिधरनजांनिआयोसरनदीनकेडरवहरनघोरब
वासी॥१३॥ रागनैरूं॥ तालचर्चरीजयतिराधिकारमणजुगवर

श्रीवद्वन्नाथीममुत्तविठलेसे॥ दामजनलोकिकोलोकिसे सर्वथा॥
चविंतोदयतिरुदयदेसे॥ १॥ थापयतिमांनसंसततकातलासमं
हजमकुमारुविररूपवेसे॥ नाललगतितिलकमुद्रादिमोनासरस
ताकावधमिरवकुलकेसे॥ २॥ महजहीमादियुतवदनपंकजसरस
वनरचनायरायतमुदेसे॥ रहतमाधनचरनरेनुधनदोषयनदामह
दामकृतनिजवलिसे॥ ३॥ रागजैतं॥ चररी॥ परममनोहरश्रीगोकु
गांव॥ प्रगटेपुरुषोत्तमश्रीविठलयतितयावनविरदवदेनांव॥ १॥ नं
नंदनश्री॥ वद्वन्मनंदन॥ सुतिनागवतमुखरात्रिरामचौदलोक
अधिकअधिकअविनितविहारदृजवैकुण्ठधाम॥ २॥ आनंदकोटि
मलजसगावतदातामदासकलमुखकांममनोहरदामधनुश्री
सोईमनक्रमवचनचरनविश्राम॥ ३॥ रागजैतं॥ चररी॥ विसदमुजस
वद्वन्ममुतकोशातनुवतअनुदिननितगांऊं॥ कलिमिखहरनच
णचितधरिरारदंनुयजेपरममुखडखविसरांऊं॥ १॥ नक्तववरसम

निकोरमजानोंमोनेमनजिनसंतितहोंकुंधांऊं॥छीतस्वामीश्रीविवल
गिरिधरकोमुमरतमहाश्रष्टिमिधियांऊं॥२॥रागनैरूं॥तालचर्चीकौंन
आवेगोकुलजनममता॥छिजअवतारनरभूरजपतयध्यानधुम्रतम
दनमत्ता॥५॥जयकोटितोहोयपरिश्रनरुषियत्रीअनश्रीहरिजमता
मुक्तप्रसादयामवानेंसिवब्रह्माइंद्रपछीहोयनमता॥२॥रविससिके
टिष्कासहंदावनसरदनिमागोपीमगरमता॥त्रिभुवनमहादृजलो
कवंदनीश्रीवद्वनदासवरनदासहोयनमत्ता॥३॥रागनैरूं॥
श्रीवद्वननंदनदीनबंधुआनंदकंद॥मायावादनिवारनकारनप्रग
टेनिजछिजवरश्रीहंदावनचंद॥५॥जनांनंदनिकुंजनिवासीरसवि
लासीयरमोनेंदा॥विष्णुदासप्रभुअगिनितमहमांयारनयावतनेतनेत
शु॥७॥तेछंद॥२॥रागनैरूं॥चर्ची॥श्रीविवलजूकेवरनकवलमलय
रसदारहोमनमेरो॥सीसलमुनासकलमुखदायकनवसागरको
वेरो॥२॥रसतारदतरूंनिसवासरप्रभुयांवनजसतेरो॥सगुनदासइ

नों मांगत दे नृत नृत को वेरो ॥ राग विलावल ॥ गोवर्धन गिरियरवा
लमत चहंदिमधेन धरती धावत जेन वसु रली मुखरमत ॥ मोरमुक
वनमाल मरगजी ककु ककु ममिरख मन नवनुपहार लयिवं हन
त्रीय निरख जगंवल हरत मां ॥ १ ॥ छीत स्वां मी वसकी योवा हत हें मां
भवास वगथत जठे मिसरत नत फिरि आवत श्री विठल जीय वसत
॥ राग जैरदा ॥ ८० ॥ श्री विठल नाथ नैन नन रिदेखें ॥ १ ॥ नन ए मनोरथ
वक ब्रह्मती जु जीय अयेखें ॥ २ ॥ श्रीवद्वन नमुत मरन विनां या छेंते
हेन ग ए अयेखें ॥ दास चतुर्ज प्रभु सव मुख निधि अवरही ये क्रपा
ये सेखें ॥ ३ ॥ राग जैरदा ॥ ८० ॥ नजियद्वदन नमुवन मुजां न गुन प्रताप
न रुनां ह्वि निधि निधिन हं नय मां को आंन ॥ १ ॥ तिरुं पुर अष्ट दिमाज
मगो गावत वेद पुरां न माया वादखंडन हूं के मरी यह तो प्रगट प्रमां
॥ २ ॥ श्री गिरिधर दिज रूप दिखावत कलि जाय विनु वल जां नि वि
दास प्रभु अनदिखावत विश्रस्वामी मत मां नि ॥ ३ ॥ राग जैरदा ॥ ८० ॥

जयति श्रीवृद्धनन्दनं महालक्ष्मीगर्भरत्नविष्णुकुलनां नन्दोत्तकर
ता ॥ मुनगमावनप्रममकुमारश्चैतायहरननखमनिचंद्रकेलि
रहन्ती ॥ १ ॥ जयति श्रीगोपीनाथप्रभुजविस्वउभाकररुक्म
तीन्द्रादिनर्तः दामगोपालप्रभुस्वरूपप्रभुगणजही श्रीविवलना
गिरिजधर्मा ॥ २ ॥ रागमारे ग ॥ मदादृजहीमंकरतविहारतवके
गोपनेरवप्रवकेधिजवरप्रवतार ॥ तवगोकुलमेनंदमुवनप्रव
वदननराजकुमार ॥ आयनवरविदिरवावतप्ररेष्टमतिमिवामार
१ ॥ जुगलरूपगिरिधरनश्रीविवललीलाएकप्रभुसारचित्रप्रभु
मुखमेलनिवासिक्तनकृपाउदार ॥ ३ ॥ रागमारे ग ॥ श्रीवृद्धन
गृहप्रगटनश्रीविवलनाथहमारे ॥ श्रीवृद्धनकुलदीपकसिरो
मनिकलिकोवतितवधारे ॥ ४ ॥ नंदनंदनप्रानंदकंदजीवनधनप्रा
नहमारे ॥ मनकंमवचनकायिकहतहोवोहतप्रधमकुलतारे ॥
गवारतिथिनामीधनिमुनदिनवृजमं

रमाधोको प्रभु सरवमुहहमारे ॥ ३ ॥ राग सारंग जयतीस्वनीणा
 नाथयद्यावती प्राणपती विप्रकुलछत्र आनंदकारी दीपवह्नन
 वसंजगत हितकर नकुंकोटि उडराज समतायहारी ॥ १ ॥ जयति नक्त
 जननक्त यष्टि पतितयां वनकरन कामजनूकामनां शरनसारी ॥ २ ॥ न
 क्तकाजनन मुक्तदायक प्रभु सर्वसामर्थ्यगुनगननिनारी ॥ २ ॥ जय
 ति अखिल तीर्थफलनाम सुमरनमानवा मधुज निन्नगोकुलविहा
 री ॥ नंददास निनाथ पतिगिरिधर प्रगल्भ वतारगिरिराजधारी ॥ ३ ॥
 राग सारंग ॥ गांयनमोरतिगोकुलमोरतिगोवर्धनमो प्रीतिनिवाही
 गोपालचरनसेवारतिगोयमस्वामि वभ्रमृतप्रघाई ॥ १ ॥ गोवांनं जुवे
 दकी कह्यत श्रीजागवतमवे अगवाही ॥ वीतस्वामी गिरिधर
 श्रीवितल गोवर्धन की खुशरेन सह राही ॥ २ ॥ राग सारंग ॥ एसा
 प्रीत कहं नही देखी ॥ जमुमति मुत श्रीवह्नन मुत जेसी से सम हस
 मुखजात न लेखी ॥ १ ॥ वितवत रहत सदा गोकुलतन मज किजं सि

ऊरोरवनिपेरवी॥ कहीयत कथा जलदवा न कसी कुमदनी चंद
 रविसेरवी॥ २॥ शनको कायो मवेजीय नावत करत सिंगा सविचित्र
 रवी गोविंदो वर्धन मांगत विष्णु रक्षजि नियल अर्धन मेरवी॥ ३॥ रा
 रंग॥ ॥ श्री विष्णु संगल रूप निधान के दिप्र मृतसम हसि
 बोलनि सब ही को होत कल्याण॥ १॥ करुण सिधु कृपाल कृपा वि
 दैत अने पददान॥ सरन आ एकी लज वहुं जुग वाजे प्रगट निमांन
 तु सरे वरन कमल मकरंद हि॥ मनु मधु कर लय टां व विमुदा स धां
 मगावत रुचत न ही कछु आन॥ २॥ राम सारंग॥ ॥ श्री विष्णु वको
 दन फिरि आ ए॥ वेश रूप वेश फिरि की डा कर आय मन भा ए॥ २॥ वे फि
 वास करत श्री गोकुल वेश रित प्रगटा ए॥ वेश सिंगा ओग छिनु छिनु के
 वेश लीला गा ए॥ २॥ जे जमु मतिके आनद कानो सो फिरि वज मे पा ए
 श्री विवल गिरिधर यद अंजु ज गोविंद नर मे ला ए॥ ३॥ ॥ श्री वि
 वंदे श्री विवले सवरना नख सिख विरये

२४
 वक्ति
 अधारी
 तिरि
 गोवं
 मी निरि
 तार
 मी सिस
 कि

मदविकचकरणं १ ध्वजवज्राकुसवायवंदनानाउरेखाकुलसजीवीभ
रनं यत्केरोममंगलमीहद्विष्टिधानंभववास्थितरन २ जवहीसक
लकांमनांहरकनिधिजावयएतगतासरनेंतेकुरवंतवचसोममचे
तमिगोविंदप्रभुगिरिवरधरन ३ राग श्री राग ह्मरे श्रीवद्वननंद
ननायक यहनौचएतलोइको यहकलुहसरोनाहिनेमनववका
यक १ जाकीक्रपातेकालडरनांहीभवसिंधुनयोमुखदायक रा
मदासजनचरनकमलकोमदासरननौतनजमुगाई २ राग श्री राग
जाकेसिरछत्रगुसांई श्रीवद्वनगुनरहस्पविचारतवित्तवतदक्षनवा
इ १ देतसंवोधनअतिमडवांईअवित्तवददुर्मकानांईअंसीअ
पनांविशदनिवाहतरमयोरवतकेतांई २ कालअकालरहितपुरु
मोत्रमकलिफंदाउत्तरतिरेनजांई मगुनदासकहेघरकोलोडानुज
हृजयंकजदां ३ राग श्री राग जोयें श्रीविचलरूपनधरतंतोकेसे
याघोरकलिजुगकेमहाएतितनिसरते १ मेवाश्रीतिरीतिहृजजनकी

श्रीमुखते विस्तरते। श्रीविठलनाम अमृत
लते। शकीरत विसदमुनीजिन अवन निविस्त्र विस्त्रेपर हरते। गोविंद व
लिदरसन निनयायो सोउमगि उमगिरसनरते॥३॥ राग श्रीराग॥
वतनाथ अनाथ केतारना। श्रीवद्वन गृहप्रगट रूपयह धस्यो नक्त हि
तकारना। शहीन बंधु कृपा सिंधु सहज ही जगत नक्त विस्तारना।
चतुर्भुज प्रभु केनित मत चलत लाल गिरिधरना॥२॥ राग श्रीराग॥
प्रगट के श्रीविठलनाम कदयो कालि सिंधु नून वनार
॥ धर्महीन दीन देखि किज रूप धरायो॥ पारवंडर वंडक पटत जिन जन
नेद दिखायो॥२॥ नरन करम सरम सकल विकल ते व छिडायो
तत्रै लोक रजस जन गोपाले गायो॥३॥ राग श्रीराग॥। प्रभुता प्रग
श्रीविठलनाथ की॥ प्रांत ज्ञान सब ध्यान वाम मति इहि वि
अकाथ की॥। नक्त नाव प्रगटोयह मारग कलिजुग
सरन जात ही करत कृतारथ करग हि सहज अना

दामन्नामपरिधरनद्यायात्रं वृजहाथकी। कृपांविसेखविराजितनि
मदिनजोरी श्रीगिरिधरमाथकी॥३॥ राग श्रीराग॥ नक्तप्रगटकरिवे
हूंकेवलश्रीविलम्बवतारमजनविभुरवञ्जानमतकैवह्योजात
संसार॥१॥ करिकृपानिजुनांभवतायोभवनचतुर्दशसारलोकवेद
मर्यादाराधीधरनवरनव्योहार॥२॥ कारनवायधरतलीलावपुञ्जगजु
गप्रतिप्रधिकार। अवञ्चनुरुधश्री। बह्वननंदनप्रवलोकनिनित
विहार॥३॥ राग श्रीराग॥ नारायणगायो ब्रह्मागायो नारदगायो व्या
सगायो। सारदगायो। नक्तछथमनिर्वंदनगायो देवलोकनृवलोक
रमातलस्थिरवरवरप्रमोदयसगायो॥१॥ श्रीदामासेत्रनुवरगायो। श्री
हंदावनकेमधुयनिगायो। शेषगायो महेसगायो। श्रीराधाज्जकीमह
वरीगायो। श्रीबह्वननरत्नलहताएतेंगेरिधरजसुबृहस्पदासगायो॥२॥
॥ राग श्रीराग॥ श्रीबह्वननराजकुमार। अवकेकृपाकीजेवलिजोऊं
भरेतोनांहीअनतकाहंशनकरकमलविनुवांऊं॥१॥ होअप्रसूचीअरु

तत्र यराधीसनमुखहोतलजांऊं। तमकयालकरुणामयहोअनुअ
 धमनधारननांऊं। १॥ कलूखजटितमनमलीनलोहज्योम्पेतक्षतेना
 विकांऊं। माधोहोयतिततवयांवनयदपारसयरसांऊं। ३॥ रागश्री
 राग॥ गुनगांऊंरीवालगोयालकेमोहनलालकेगुनगांऊं। मधुरा
 मधुरीमूरतिदेखतआनंदसदनमदनमोहननेननिसेननियांऊं। १५॥
 श्रीवद्वननंदनजगतवंदनसीतलवंदनतायहरनमोहमहाप्रनुदष्ट
 करिचरनचितलांऊं। ब्रीतस्वामीमनवचकरियरसांधर्मएइमेरेश्रीव
 द्ननलाडिलोलडांऊं। १॥ रागश्रीराग॥ ॥ परमकयालश्रीवद्वननं
 दनकरतकयानि। जूहाथदेमाथेजेतनसरनआयअनुसरिहेंगहि
 सोपतिश्रीगोवर्धननाथे।

रावहेनाथे। कहेकलदासकाजसवसरिहेजोजोनेश्रीविवलना
 २॥ रागश्रीराग॥ चतुरकीचतुराईफवीजुअवे। सनमुखदगश्रीव
 द्नननंदनविहसिकहोतुआयोरेकवे। परहीनसाधसाधनकीअव

कबुफलयायोचतुराधिसवे याते श्रेयिकहावाहं प्रमुत्रपनेमां ऊरुं
गन्ते जवे ॥ २ ॥ राग श्री राग ॥ गां ऊं श्री विघ्न ननंदन के गुन गां ऊं ॥
ला ऊं सदा मन्यं धूमरो जनपां ऊं प्रेम प्रसाद प्रतक्षन ॥ १ ॥ नां ऊं सी सल
डां ऊं लालहि आकसरन यदीजु यरो जन ॥ वीत स्वामी गिरि धरन श्री ॥
विवल ऊपर वारो कोट मनोज ॥ २ ॥ राग श्री राग ॥ जयति सुरवद्वन
राज कुमार मेरे मन वसे ॥ आजान नु ज डंड करि वंड माया वा दंडी वादी
मुख अमु ध अमु र कृप निन से ॥ १ ॥ सकल विद्या सर श्रु ति नाग वत न
चार दिग विजे धनु धस्यो अमु र देर वत न - से ॥ गोविंद जन आदिक लि
गहमत जीव जे सि र अने कर कमल मूडल मुम कनिह से ॥ १ ॥ राग श्री
राग ॥ श्री विघ्न नला डिले हो तु न्हारे चरन कमल सरन ॥ नां मले
तपाय हरत ब्रह्मादिक श्रुति करत सुनी य न्नै लोक मुद सयति तपां
वन करन ॥ १ ॥ सुरनर मुनि नाग देन करत हे दिन रेन से व विमल वचन
वदत वेद प्रगटे हे आरति हरन गिरि राज धरन वलिहारी श्री विवल गि

क

श्री

दत्त

ना

ति

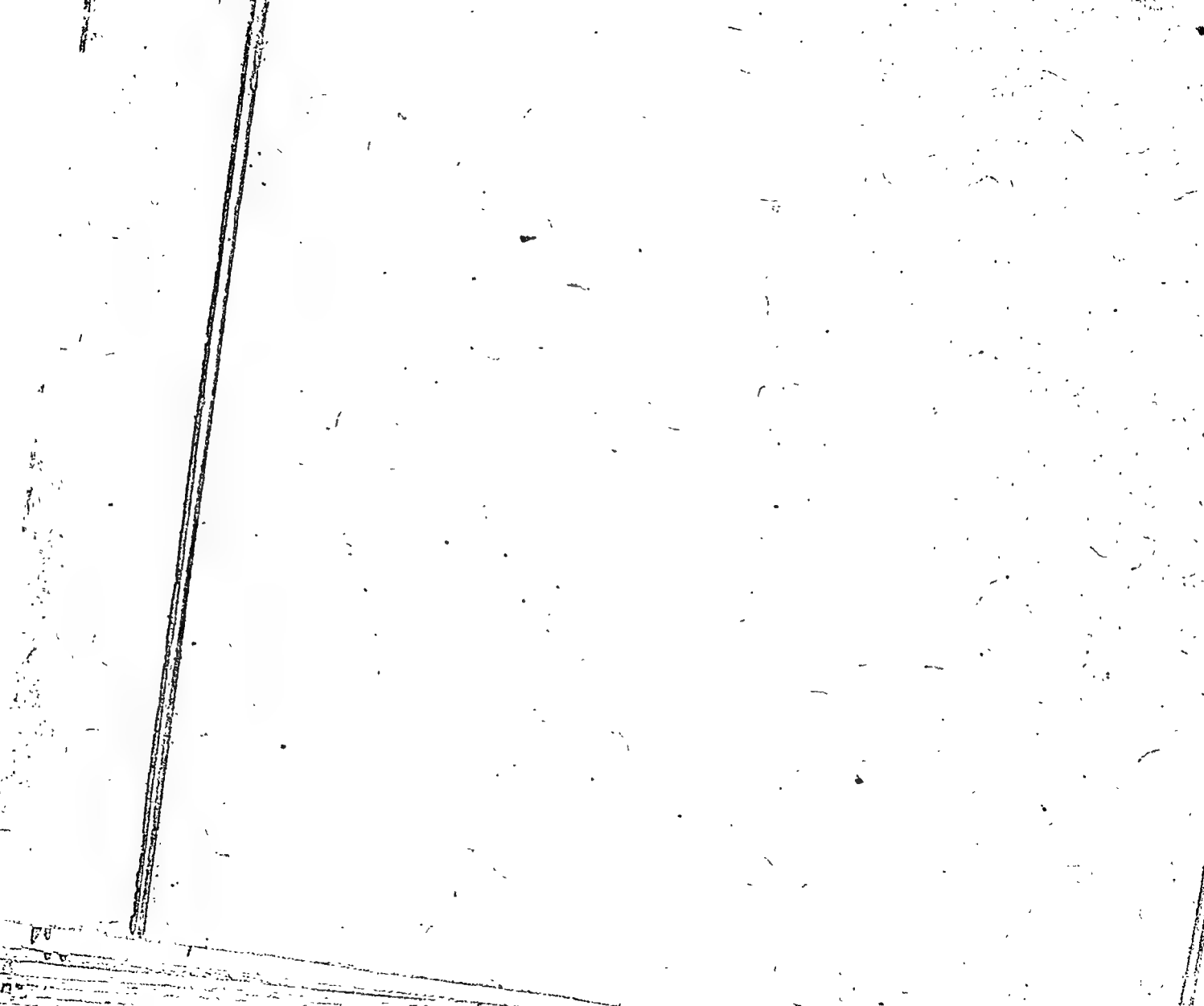
स्थिरमिहकलजगतहेतुसिंधुचिन्मगदरुपा॥ श्रीरामा ॥ ॥ ॥
मूकेदरसनदेवतहोत्सकलसुरबभभभानंद॥ भगवत्परातम
कारनसकलकलाहंदावतसंदा॥ परममनसधन्याऐललपा
रसिसिरोमनिआनंदकंद॥ कृष्णसमनिनाप्यनयनयपद
स्वानतमिजजनहंदाशारागश्रीरामा ॥ ॥ श्रीनिवल्लभुमश्रीचोर
ऊनेमधर्मवृत्तहीनजेकलिकेयतितयमारिगोला॥ पापुतिह
मसबूडतकोऊनभजनगिरिधारी॥ भगुनेवल्लभुमरातिल
स्वसकलहितकारी॥ ॥ अपमारागपारवेडविदा॥ श्रीगिरिमर
दिखाए॥ दनीसंमंत्रवकहेलीलाभरनपनवापनमोद्वारागो॥ ॥ ॥
गा॥ ॥ सुनिधिश्रीगिरिधरनादिभरनमोद्वारा॥ श्रीगोकुलपुनि
तिनावे॥ ॥ निर्नकरिमिरआरिवित्रममफागपुपतिहृदिममम
सहंदाहजिननिजमुदिनविननेकनइयिगोनिमिमिशमम

श्रीराम॥ प्रकारेंवादेयोजमराजडंडफांसीप्रभुधरोमडारेंभवनरहूं
कहाकाज॥१॥ श्रीविवलवदननजूकेनंदननविधानक्तप्रकाशपावन
पतितकीयेकलिजुगकेतासौनपरेंजमकांस॥२॥ घरघरजननश्रीविवे
नागवतहजिसअहर्निसबैसैकोऊगांवें॥ श्रीकृष्णनांमगुनवेदकरना
विधिसोगुरुहोयसिरवांवें॥३॥ जहोजहांहस्तजातममपेरकतहांतहांते
फिरिआंवें॥ प्रगटीप्रतापप्रगटितहिजवरकोकितहनजाखनपांवें॥
मत्स्यस्वरूपप्रगटितवमुधायरश्रीविवलनांमकहाए॥ नांमसहाश्करि
अधमउधारेअघडःखहरियलाए॥४॥ मुनिववनजांनिनिजजीयमेमन
कमववनमुखकीजे॥ जेहस्विरननतेविमुखरहतहेजाहिडंडतुमदी
जे॥६॥ जितनेयहकुलप्रगटरूपहेसोनाकोंकहिजांने॥ कामराज
निवासीआंननेदजेआंने॥७॥ रागमालवगौड॥ श्रीविवलवदनसरनमे
रेंनिजजनयोखनकलिकेरे॥ रूपनामगुनपरममुपांवनप्रगटनएउ
धरनतेरे॥ जनमजनमजाकेकरतसाधनचितवतनांदिनेंफेरे॥ श्रीव

अनमृतगोविन्दसप्रभुजसगावतवेदविमलतेरे २







श्रीराधावल्लभाय नमः। अथ वसंतके पद लिख्यते। राग वसंता राधे देवि
नकी वातरितु वसंत अनंत मुकलित कुसुम असु फलपात वै निधुनि नंद
लाल दोली सुनि अवै कौं अलसाता करत कत वै विलंब जा मिनि वृथा अ
सरजाता लाल मर्कत मनि छवी लो तुम जु कंच न गाता वनी श्री हित हरि
वंश जोरी नै गुन गन माता। राग वसंता श्री राधे वन विनोद वसंता अनि
ल विविधिसुगंध हाटक धचित सुधाल संता विवधै एक च प्रसन्न पद्व
नूत को किल कीर निरखि दंपति मुदित निरत नवनवर हि अधीर मत्त अ
लिचल गुंज मधुर वै पुल किषग मृग दंश गां न जुवती कदंब किं किनि मुषर
नूपुर मंद मलय सार सुगंध चंदन चर चि जुग वर अंग जै श्री दास वन मा
ली कपिस पटु कृत पं असन मयरंग। राग वसंत देवो दंदा वन कुसुमित
वसंता नंदित कीर को किल लसंत जाय जुही मल्ली रसाल अमित मुदित
अति अंग माल कल रूल के की न व म राला वन विहरत दोऊ रसिक ल
ला एल लिता दिक सव सरवी संग जहां तहां वाटे अग नित अनंग। श्रीतिः

मसुषसहतं गङ्गा हसतपरसपरजरतरंग ॥ २ ॥ डारतचंदनवज्जरंगप्रवीर
साषप्ररगजारंगहैचीरपेलमचौअतिनईहैनीरउमगिचल्योअनंद
नीर ॥ ३ ॥ कुंजसदनचलेकरतकेलिवज्जविधिवाटीरतिरंगवेलिजैश्रीर
मोदरहितसुखसिंधुकेलिनितविलसोमुखसिंधुजुजकंवमेलि ॥ ४ ॥
रागवसंत ॥ आईब्रजकीवसंतमननईउमंग ॥ पेलैहृजिकीवालनवलाल
संग ॥ सुंदरवरमनमोहनसुजांन ॥ धरैअधरसुरलीकरैमधुरगांनसुनि
मुनिमनतैटस्यौग्यांनध्यांनसुरगगनमगनछकेरसीलीतांन ॥ ५ ॥ वन
पीतअरुनडुमकुसुमपात ॥ फुलीलतामधुपजुतअतिसुहात ॥ पिकमो
रकोकिलाकुरकुहातवहैविविधिपवनसृजकहीनजात ॥ ६ ॥ आईनवत
रुनीसजिसजिसिंगार ॥ वरकुसुमगैंदउरकुसुमहार ॥ उमावतगुलाल
गावैरंगीलीगारिचलिदेविपरस्परअतिउदारे ॥ ७ ॥ चजंदोरअलीसंग
करतगांनमध्यमोहनप्यारीसंगसुजांनलविरूपलालहितहियसि
रांनडारततनमनधनकोटिप्रांन ॥ ८ ॥ रागवसंत ॥ राजैहंदावनश्रीनव

निकुंज तहां मधुपकरतं अनुराग गुंज गौरस्यो मच्छ विनवलरासि रि
 वसंत जयो हिय जलास त्वंदन वेदन मयि सुवास छिरकत हसि हसि कं
 रिविलास रा जैनवलनवल सवी जूथ संग कर एक नवी ना डफ मृदंग
 लीयें एक गुलाल सुरंग रंग ज ए सुर गित वसन सुदेस अंगार निरंतर
 किसोर जोर छ विनिरषि छ केच ऊं ओर मोरा वंसी रवन सुनिश्रवन
 घोर जहां खग कुरंग वांधे प्रेम डोरे ३ कुं मकुं म कलकत तन सुदेस
 विरहे कुवित रुचिर केसा हित ध्रुव निरखि अनूप वेस कछु कहन
 कत छ विछटा लेसा धारा ग वलं तारा जै हंदा वन मधुरितु लास
 रंगी लो प्रेम संपति जलास रंगी ले अमरत रुसूल पात रंगी ले विहंग
 वोलै रंगी ली जात रंगी लो पवन रंग रंग पराग छा यो जहां तहां रंगी लो राग
 रंगी ले वसन नूरवल अनंता वने रंगी ले जूथ दोऊ कुवरे कंत रंगी ले तांनव
 जै रंगी ले जाइ रंगी ली निरति रंगी ले चाइ रंगी ली नारि देत रंगी ली गारि
 रंगी ले चलै रंग रंग धारि रंगी लो उडै रंग रंग अवीर रंगी ले चपल चख जाव

वसंतः
२
जीर ३ रंगीली नरनिजमगनि अनंग विलसै वसंतरंगीली तरंग रसिव
सिरसरसि एह अनुदिन वाढी यह रंगीलो नेह ४ राग वल्लभ देविसधी
अनुवर्त्योरी वृंदा विपुन वसंत आनंदित वृजिलोग जोग सुख सदा स्या
राज राधार वन वसंत नचायो पंचमधुनि सुनिकांन धरनि गिरत सुर
रकं न्या विथ कित गगन विमान रंगीले वसन नूपन अनंत वने रंगी
छिंदो ऊकुं वरि कंत रंगीली तान वा जै रंगीले जाई रंगीली पुलकत को
लकुंजन नुपासि गुंजत मधुकर पुंज वाजत मऊ वर वै नफां फिड फताल
वजसंज केसरि जरि जरिलै पिचकारी छिरकत स्यां महि धाई छिरकि
वरि वृका जरि चो बाल ईकंठ लपटाय मुकलित विविध विटप कुल व
षतपावत पवन परागत नमन धन नौ छा वरि की नौं निरखि व्यास वड
ग ७ राग वल्लभ कुंज विहारी प्यारी कै संग वसंत रवेलत वृंदा वन मै गौ
मसो जाह रक्सागर मोद विनोद समात नतन मै न मै तन सुषकी सारी
मकुम रंगी जीर हीन देविय ततन मै उरज उघारे से अनियारे चूंजि

नागरकेलोचना। धाड़धरिआंकोंजरिजांमिनिहियलसतज्योदांमिनिघनमे
व्यासस्यामिनीकीछविछीटेंप्रतिविंवितमोहनआंननमैं। गारागवसंतप्र
थमसमाजआजिहंदावनविहरतलालविहारी। पंचमीनवलवसंतव
नउमगिचलीट्टजनारी। कंचनधारलीयेजुवतीजनमधिवरवजां
फलदलजवनवनुनमंजरीकनककलससुअकारीगावतगीतवजाव
तवाजेमैंनसैंनउनहारी। दरसपरसमनमोदवढावतराजतवरछवि
री। चोवाचंदनअगरकुमकुमांजरिलीनीपिकारी। छिरकतफिरतछवी
लीगातनिरंगअरूपअपारी। विपुलविलासहासरसचरणतउतधीतमंड
तप्यारी। हितहरिवंशनिरषियकसोजाअपियांटरतनदारी। गारागवसंत
नवलवसंतनवलहंदावननवललालषेलैहोरी। नवसतसाजिनएरंगप
हरेनऊतमकेसरिघोरी। नवनवसायिजवादि कुमकुमां। अवीरनरेजरि
जोरी। नईनईसरवीनईछविपावतनवलनवलवनीजोरी। नईसहनाईन
एउफवाजतनईमुरलीधुनिघोरी। नवलसरवीमिलिचांचरियावै

तः

3

राधिकागोरी कालिंदीतटनवतनशो नानवलचकोरचकोरी हितहसि
 सवेमरसक्रीडतनवलकिसोरकिसोरी ॥ रा व त आईआईबिसंत
 तु अनंतकंतनृतमोरै बोलतकलकोकिलाकुरुकुरुसरसदोरै फनीव
 जाइराईकुंजकुसुमजोरै मधुआगैमधुपाकैमधुपफिरतदोरै चलिये
 जहांतहांकुंजमहलचोरै गोविंदप्रभुनं धेनतइकजोरै ॥ रा
 त वसंतवंधावोवनौरुजिकीवार्जरी वो रा रिराध
 इजगाचंशबलि तमुसीले रध
 अंवमोरजौलीले कसं जि
 नईनईकेलिकरैमो लकं
 बंदनउडतगुलाल
 ररि तालमृदंगजां
 रनागरकीउतरसि
 जपंचमीसुनदिनश्री

रतपरसपरकरिंनानारंगगावतरागहिंडोलप्रियापियच्चाइरस्योसुखस
अंगः हितवह्नजलविनिरविनिरखिवलिलकितकोटिअनंगइति
रागवसंतसंपूर्णअष्टचांदिनीकेपदलिप्यते। रागकांनरोः राजतमानौ
एकानिसिप्पारी जगमगातगौरतनकीडतितैसीयेमंजुलउज्जलसारी। जूव
नभूषितउडगनसोजाअंगअंगराजतसुंदरतारी। चारुवदनससिसंहरन
ससिकैलिरहीनिर्मलउजियारी। प्रीतमनैनचकोरसोपीवतहसनिमुधा
रसकीवरधारी। दामोदरहितआनंदसागरवाढो। आंतालनजरसहचारी
परागकांनरो। निकसिकुंजतैंगटेसरदउजियारीरीनीकीलागै। फूलन
केआनूषनअंगअंगसौंधैनीनेवागे। अतिअनुरागजरेपियप्यारीगाव
तकेदारोरागेजनजगवांनआजुवनदूतकछुरजनीदोऊजागे। इति
नीकेपदसंपूर्ण। अष्टचंदनरचनकेपदलिप्यते। रागसारंगचंदनवि

निरागनिसरससमाजै ॥ राग गौंड मरहरिके अंग को चंदन लपटा नों री
तेरे तन देखियत है जैसे पीत चोली मरगजे आनरन वदन छिपावत छिपे
न छिपाये कस चोली कज्ज अंजन कज्ज अल कर ही छुटि सुरतरंग की पोटा
चोली श्री हरी दास के स्वांमी स्यां मां कुंज विहारी मिलत विहार निहार नर
ह्यो कंव विच आली ॥ २ ॥ कन्यों सषी चारु चंदन को वागो सुजग मनोहर अंग ॥ रूप
सुधा सागर में मां नों छविके उवत तरंग अति गंजीर वटत छिन छिन प्रति ड
तितन संग मप्यारी संग दां मो दर हित सह चरि जन मन मीन फिरत नरे रंग ॥ ३ ॥
राग सारंग चंदन वंदन की तन सोजा मन अनिसन छित्र प्रगटे घन विमल
वसन विच आना करि सिंगार सह चरितै आरु सुरवदेखन केलो ना श्री वि
हारी दास स्वांमिनी मुख निरखत काम विवसचित चोना ॥ ४ ॥ राग ईत नाला
चंदन छित्र विचित्र विस अंग अंग कीये वाटारी मन मोह नों जव तैं दृष्टि पस्यो
रीत वतैं कछु न सुहात नू मोहि कां मधां म आछे सोहन लाल पाध सिरटे
टीरा जत सषीय निति रिछी करि करि जोहन हित वल्लभ कटि पीत पिछो
बेला ग्योरी मन मोहन ॥ ५ ॥ इति चंदन रचन के पद ॥

अथ जलविहारके पद लिख्यते ताग पूर वी॥ मन मोह करि मान सरोवर ते
लत श्रीधर मरि तु रजनी सजनी संग विहरै ताप पग पे लत। बुडकी लै जल ही ज
ल आये हरि सहचर को वपु धरि थाह लेत ही कुंवरि राधिका धाई धरी आं के
जरि परिरंजन चुंबन पहचान्यो नागरि जां न्यो नागरा इह विधि जल चै थल
विहरत छल चल घास प्रनु सुख सागर राग मार वो पूर वी॥ जल विहार स
मयो मन जायो। बसन नीजि लागे अंग अंग सौं छिरकत जल छीट निजर
लायो॥ बुडकी लेत चलत मीन न ज्यों परसति अंग अनंग जगायो जल क
डा करि कमल नैन हित वसन पहरि उपवन सरसायो॥ राग विजासा क
होय हका की वेटी कहो धों कहाया को नाऊ। तुम सवर होरी रूंग तरदै ज
चले कि निजा ऊढोटा बाउ बावरो गाऊ। सव सषी मिलि छिरका जुबेल
न लागी तो लौ तुमर होरी जौ लौ रूहाऊ श्री हिरि दास के स्वामी स्यामा
ऊं ज विहारी लै बुडकी गरे लागे वै। कि परी कहां जाऊ अराग मलार॥
विहरत जमुनां जल जुगराज। श्री हंदा विपिन विनोद सहित नंद जुव

लीनव्रजसमाज छिरकतछैलपरस्परसाजैसधीसंपतिरतिराजनव
लनागरीदासश्रीनागरसेलतजलैमिलिआजधारागपंचमासेजसरे
वराजतहैजलमादिकहृदयेचैतुराईअंगनिआजातरंगुठैतहांमीन
कदाबिनकीचपलाईप्यारीसधीनरिअंजुलिनैनपीयैतैंगिराजपमां
अवपाईप्रेमगयंदनैडेरैतौरिकैकंचनकंजचरुंदिसमाईपाइतिजल
विहारकैपदसंपूर्णअच्छेदावनकीहुति॥ पद रागआतवरीहालरोऊ
लराईमातावलिवलिजांकुघोरखसुखदाताअतिलोयतकरचरन
सथैजैतैब्रह्मादिकमनसासुजैजमुमतिअपनौंपुनिरविचारैवारबा
रमुखकमलनिहारैअखिलजुवनपतिगसउगामीनंदसुवनपरमां
नंदलामीरागआखिरी॥ हंदावनसांचोधनजैयाकनककुंदकोटि
कलगितजियेनजिएकुंदरकनैयाजहांश्रीराधाचरनरैनिकी
कमलालैदबलैयातिहिसंगगोपीनांचतगावतमोहनवैनवजैया
कांमधैनकोहीरसिंधुतजिनजजनंदकीगैयाअनुतलीलाअनुत

[illegible]

हंदावन

६

रिजकनकोचैरोपारागगौडीमाईवाजैवंसीवटवेंसदावसंतरहत
नपुलिनपवित्रसुजगजमुनांतयजदितकीटमकराकृतकुंडलमु
क्षवरमानोंलदादसनकुंदकलीछविलाजतछाजतकनकसमां
पटमुनिमनध्यानधरतनहिपावैतकरतविनोदसंगवालिकनय
अनन्यजननरसकारिनीहितहरिवंशप्रगटलीलानटाधारागव
गिरधरलालसरनितेरीआयेसरनितेरीआयोमहासुषपाये
धनिधनिमातपितासुतबंधधनिजननीजिनिगोयेंधिलायेध
चरनचलततीरथकोंधनिजिगुरुहरिनामसुनायोधनिधा
नवतसंतनकोंधनिरसनाजिनिगोविंदगायोमालातिलकम
बांनोंकागकर्मतुजिहंसकहायोजोनरविमुखनयेगोविंदसे
अनेकमहाउषपायोअनिटकेषुदीयोहैअनैपदजमउरण
दासकहायो॥७॥

श्रीराधावल्लभाय नमः ॥ शारागदेवगंधारा ॥ फूलतवेनवलकिसोर एदो ऊपर
नीजनितरंगसुषुप्तचतुर्गुणगुणविजोर ॥ अतिअनुरागजरेमिलिगावत
सुरमंदिरकलौलघोरा ॥ बीचिबीचधीतमचितचोरतप्रियानैनकीकोरा ॥ अ
लाअतिसुकवारिडरतमनवरहिडोरऊकोरा ॥ पुलकिपुलकिप्रीतमउ
रलागतिदेनवउरजअकोरा ॥ अरजीविमलमालकंकनसोंकुंडलसोंकच
डोर ॥ देपथजुतकोवनेविवेचितअनंदवडौनथोर ॥ निरषिनिरषिफूलल
लित्तादिकविविमुखचंदचकोरा ॥ धादैअसीसहरिवंसप्रसंसितकरिअंचल
डोर ॥ धारागमलावा ॥ हिडोरैवैफूलनआर्धनईरितुसांवनतीजसुहाई ॥
ऊंजकुंजतैनिकसिहरीनूमिअसनवरनमानोंचंदवधूश्रीस्यांमांजू
षिकैलाई ॥ अपनेअपनेमेरमिलीअनुरागमलारहिगावततांननिरु
चिउपजाई ॥ श्रीविहारीदासस्वामिनीस्यांमकैसंगवडौरंगअंगअंगरी
फिरिजाई ॥ शारागसोरठमलारा ॥ हिडोरनांमाईफूलतगोकुलचंद ॥ दैव
कंचनकेमनोहररतनजटितसुरंगाटेकाजाकीचारडो

रनिरविलजतअनंग पटुलीपिरोजालाललटकतऊमिकावहोरंग। मरवे
तौमांनिकचुंनीलागीविचिविचिहीरासुरंग। एकलपडुमजहांछांहसीतल
त्रिविधिमंदसमीर। लतालटकतनारकुसुमनिपरसिजमुनांतीर हंसमो
रचकोरचात्रिककोकिलाअलिकीर। नवनेहनवलकिसोरराधेनवसां
गिरधरपीय। २। ललिताविसाषादेतकोयाफूलीअंगनमातजहांलाडिली
सुकवारिउरपतस्यांमफुरलपटात। गौरस्यांमअंगमिलिदोऊनयेएकैमं।
तेनीलपीतडकूलराधेदामिनडरिडरिजात। ३। नवकुंजकुंजकुलायकुल
वतसहचरीचजंअोर। मनोकमोदनिकमलफूलेनिरविजुगलकिशो
र। बुजिवधुत्रिनतोरिडारतदेतषांनअकोर। कलदासकौंछेजवासदीजै
नागरनवलकिसोर। ४। राधासौतदनलारा। आलीरीकूलतनंदकुवार।
हरननैंतीमंदगवनीसजैसकलसिंगार। सुरंगधंनकदंवकेजहांमलयम
रवसुदार। ५। जाकीचारडांडीउहउहीपचिरचिहैसुतधार। कनकपडलीज
टितकीलैगदीसरससुदार। चजअोरतरुनीअरुनवसननिकिकनीज

॥ रंग नरे नतंग नर नि नर नि नर जे हार जल त चष फहरा त अंच
 नल सतलं वेवार ॥ मृग मद अग र क प्र कु म कु म वा स के उद गार मुर व नरै
 पां न नि स्यां म स्यां मां दो ऊ पर म उ द रा गी त गा वैं सु क विके र सरी ति की ट का ॥
 ॥ ग्राम मुर घट गां स सा धै ताल ताल अपा रा री जिरी जे जल हि नी जे ज म्यो
 मलार ॥ पी क मोर कू क ह को किल नि की सुर नि प री ह व तार मे घ व र सै
 नरे जल फु ही वारं वार पा ला ज त जिल प टा त लाल हि त ज्यो लोक वि चार
 बु वि फ वी म द सू द न व लि हारी को टिक मार चि र जी वो प र व त प्रां न प ति
 नि प्रां न अ धार ॥ ६ ॥ रा ग म ला रा ॥ फूल त दो ऊ सुं द र रंग हि डो रै ॥ स्यां म व
 न त न र सि क सि रो म नि कु द र वि र न त न गो रै नी लां व र पी तां व र अंच ल
 घ न च प ला कै नो रैं ॥ श्री हरी दा स के स्वां मी स्यां मां कुं ज वि हारी की मू ड मु स क
 नि थो रै थो रैं ॥ रा ग जै जै वं ती ॥ मा ई री फूल त न व ल लाल फु ला व त वृ ज वा
 ल का लिं दी के ती र मा ई र च्यो है हि डो र नां ॥ १ ॥ तै से ई वो ले री मोर की डा क रै च
 हूं वो र तै सो ई म धु र धु नि ला ग्यो घ न धो र नां ॥ २ ॥ तै से ही फु ले री फूल मे ट त म

नकीसल॥ अलीनकीगुंजमांनौमदकीमरोरतां॥ अनंददासवल्लिहारीजे
रीअदनुतजारीदेखिवोहीकीजेजैसैंचंदकोंचकोरनां॥ ३॥ रागभैरवमलार॥
गोकुलरायकीपौररीचोहैहिउरनां॥ कंचनषंभवनायेचितकेचोरनां॥
चितचोरनांविषिषंभवांनिकरतनउंजीसोहनीचौकीकनककीतिहिवन
ककीवनीमनकीमोहनी॥ आईसकलव्रजवधूजूलनसकैलैएकवना
कीचलिनंदवनोंहिउरौपौरिगोकुलरायकी॥ गावतिचटौहिउरौतारी है
सहीसोहैकोहैसरदससिमुषरहेलसिचपलनैनांसोहनेचपलकौनेंकछु
लजौनांमैंनमनकोमोहने॥ ३॥ सीतलमधुरिधुनिगांनसुनिउधरेसधनधुरि
आंवहीचलिनंदअतिआनंदवाडौचदिहिउरैगांवही॥ ४॥ आएतहांन
दलालापहरेरुलमालाचदिगयेहिउरैकहारीकहैंतिहिकाला॥ तिहिक
लहजवौलमदनगुपालदुतिपरतिनगनीसिंगारसुंदरतरुकेटिगटिगम
नऊछविवेलीवनी॥ ६॥ कहतनवनैंदेषतवनैंनएज्जनमनकेजाएवलि
नंददासविलासनिधिनंदलालतवतहांआए॥ ६॥ रागभैरव॥ चलीहैवड्डी २

जूलैजलकैचंदागोरके। विसतसिरनतैरूलैदियेजकजोरके। थजकजोरक
पटसुगंधलपटै। उगतककुधनघोरसोफरकैतौ। अंचलऔरचंचलदंमिनी
केछोरके। वारत्तिजसोमतिनूषननिअवलोकिउतिसोजानलीवलि नंदश्र
गोविंदचंदकीजूलैजुवैवडडीचली। शारंगधनाश्री॥ नवलहिडोराहोजूल
तजुगलकिसोरवरजांमिनरसभरेमनमोहनहसतलमतचितवोरास्यो
तमाललालरसलंपटगोनकरतकतघोरा। पुलकिपुलकितनअंसवा
सिनिरषतमुषनहीधोरा। नीलांवरपीतांवरअंचलचंचलवलतऊ
कोरजे। श्रीदामोदरहितप्रीतमकांछविसदावसोमनमोरा। शारंगधना
श्रीमार्दरीहोवलिवलियारमकनिषी। सरअहिडोरैकुलावतलाल। नवल
लीप्रतिअग्निराम। मोहनसारीसुहीवाम। करकतठरसुकतामनिदांम
जलकपदिकयीवांछविधांमतर। गृहिवैनीसुविमुकरमुहांति। नानारंगक
समनिकीयांति। सोनितयाछोआछीनांति। रुयलतामनोफुलीडिनांति
गमैरश्रीमंता। रवादेसवारिमनोहरकंता। सीमफूलकल

देस। सुषराजतला। नतराकेस। ३। पंजनमेजेनजूननेन। विसदविमाल
 पदरमन्नेने। धितवनवरयतमुधा। मुनार्। निरपतलालनयलुनअधार्
 श्रुतिकुंडलगंडलजलके। जलतफूलजरेअलके। पीयदियनुपज
 नईललके। देषतलैदगनलगेयलके। ५। जैश्रीदामोदरहितनरिर
 रंग। अंगअंगछविकीनवततरंग। वसहनिरंतरऐमनमोर। रसिक
 वरवरनुगलकिमोर। ~~दाराअथनासरी~~। देविदेवनमोनाराधेज
 धियेवनमोना। जहांतहांअफुलितवनजूही। मानोफूलनेअलक
 ही। पीतअरुनवनफूलेफूल। मानोसोनितअंगदुकूल। पवनगव
 अतिबंधलयात। पीतहरितअरुगगवुवात। हालतलतालताये
 ॥ त। दिलिमिलिकहेततिहारीवात। फुलीडरियांमफयडुलावे। ७
 कंठासोतुमहिदलावे। लतामाननीमफयमनावे। दोलतडोलतये
 वटावे। श्रीदा। वियननुमिहमहरी। चंदवकडोलतरंगनरी। मानोच
 कांमकेबीज। तुमजलोसुषसांवनतीज। वरिषाशितुअतिकुंजनि

हर्षजहांतहांकोकिलधुनिबार्शिमोरपरम्परवोलेबोलदिषनके
ऐनमलोलासाधाप्रतियोंकहेतगुयालावसीयैआनुकूंजदजवा
मरदासमदनमोहनस्यामाकरोकेलिमेरेमनअनिराम॥५॥६॥रा
नासरी॥ ॥कूलहिक्कंवरेगोयरायनकी॥मधिराधेसुंदरमुकुवा
थमहिरितुयावसआरंज॥श्रीवृषभानमगाएषंन॥कादिनवनसौरत
मोलाखिपविरुविरुव्याहेहिडोला॥शवरनवरनदंबविमुरंगाफवी
नेसौनेमेअंगा॥राजतमनिअनरनरवनी॥जूहीगूहीकवरीकवनी॥
एकतैएकसुंदरिमुकुंवारि॥मनहंरवीविविकुमकूमगारि॥जग
तनवजोवनजोति॥निरषिनेनवकचौधीहोति॥३॥णावतिमुघरस
मुरगीत॥दुलरावतमनमोहनमीता॥प्रेमविवसनईमकतनगाया॥
मग्योआनदउरनसमाया॥धादुरिदेष्टगोकूलकूलराया॥सोनानि
तमननअघाया॥मुदितगदाधरनंदकिशोरा॥लोवननयेनरेकेवे
या॥१०॥ारागमलारा॥ ॥सुनगहिडोरनामाईरहसिरव्योसुषरासि

सधनघनवनकुमित्रायोरहेजितकितव्याय। वनीसरसकदंबधडीधिम।
सरसरलार्दीजूहीजातीमाधवीषकुलितवहंदिमन्त्रार्दीपवरंगडोरीहेम
मोंतनिनिरविहीयोसिरार्दीतायरेविराजतलाडलीपीयमुरिमुर्दितकुल
र्दी॥१॥ पिकमोरकोकिलमधरखोलेकरेदादुरमोर। घटनिमेवगयांतिक
लंके। दांमिनिचहंत्त्रोर। हरषिकूकिऊकिगीतगावैसषीतांनमरोर॥
तालवीनमृदंगतयजेमिलवलेवितवोर। जूगलवंदविलोकिरुलेकूंम
दनैनवकोर॥२॥ बविरामिरसिकविविन्नविविपहरेकमुंनीमुनीऊरु
ल। अंगअंगभूषनविविधिराजेहीयअनंदरुल॥३॥ रमिकिऊमिकिऊला
यऊलेधेमवलीमूल। वितैमृडमुसकांनिमोवतरातदंयतिभूल॥ जेश्री
रूपलालनिहारिहितवितनयोहैअनरुल॥४॥ रागगौंडमलार। तुराधि
लेरीकोटातरलनरे॥ ईतनवकूंजद्वारकदंबयरसिजातजतजमुनालो
गये॥ आवतजातलयटातलतनिसंअरुर्नयरडुमअनिबूए। कल्पान
केप्रभुमिरधरमुषसारऊलतनयेनये॥ १॥ रागगौंडमलार। २॥ मकिऊम

किंमैलनमैकमकिमेहश्रायोहोनहीसुरक्तवातनितौ।जव
पद्मवसकलितफूलफलनवलनवलडुंमतिनतरेकूलतनयो
हेववावयातनितौ।मंदमंदकूलतथंननलागेअंवरओदेजल
तनतेंछीतस्वामीगिरधारीईतौ॥नजेवागोसारीनवरनकीनीर
रीनटरनक्योंहंछुटीहेछवीलीछटानिजगातनतौ॥१३॥रायमला
रागौडास्वामिनीमेराकूलतरंगीलेहिडोरै।संगरंगनीनांस्यां
वतोंअंसनुजनिवरजोरै।अतिअनुतरमकनिरसवाक्योछवि
धिरुपहिलोरै।हितवदननतिहिओसरिसद्वरिवलिननतोरै

०

दीर्घा

५

०
१
२
३
४
५
६
७
८
९
१०
११
१२
१३
१४
१५
१६
१७
१८
१९
२०
२१
२२
२३
२४
२५
२६
२७
२८
२९
३०
३१
३२
३३
३४
३५
३६
३७
३८
३९
४०
४१
४२
४३
४४
४५
४६
४७
४८
४९
५०
५१
५२
५३
५४
५५
५६
५७
५८
५९
६०
६१
६२
६३
६४
६५
६६
६७
६८
६९
७०
७१
७२
७३
७४
७५
७६
७७
७८
७९
८०
८१
८२
८३
८४
८५
८६
८७
८८
८९
९०
९१
९२
९३
९४
९५
९६
९७
९८
९९
१००

अथ पवित्रा के पदा ॥ राग सारंग ॥ पवित्रा पहरै गिरधर लाल तीनों लोक प
वित्र जये हैं सुंदर नैन विसाल कहा कहौ अंग अंग की सो जा उर राजत वन
माल ॥ कृष्णदास स्वां मी गो कुल में विहरत बाल गुपाल ॥ राग सारंग ॥ वरव
नै पवित्रा पाट के उर उदार जो हवा पमदन सर कुंम कुंम तिल कलिलाट
के ॥ निरखत नवल कि सो रजोरत न मिलत न पलक कपाट के ॥ कृष्णदास
मन तरन मनोहर सुष समूह सषी गट के ॥ राग विलावल ॥ पवित्रा पहरत
गिरधर लाल तीनों लोक पवित्र जये हैं श्री वीठल नैन विसाल ॥ कहा क
हौ अंग अंग की सो जा उर राजत वन माल ॥ चत्रुज प्रभु सुरव सेल निवा
सी नरक न को प्रतिपाल ॥ राग विलावल ॥ पवित्रा पहरत राज कुमार ती
नों लोक पवित्र कीये हैं श्री वीठल गिरधर धारा ॥ अति पै विचित्र पिया
वहु विलसत ॥ निरखि मगन जयो मार परमानंद पवित्र कीये हैं गो कु
ल के नर नारा ॥ राग विलावल ॥ पवित्रा पहरत गिरधर लाल वां मजाग
दृख जो न नंदनी वो

मां नैं ऊँ कमल अलिमाल कुंजनदास प्रभु त्रिभुवन मोहन नंदन दनञ्ज
 वाल २ रा सा ग प वित्रा पहरेश्री गिरिवरधारि श्री उख जान सुता संगरा
 जत अंग अंग छविन्यारी १ हाटक पञ्चपाट पचरंग को मणिमालादिग
 सो है निरखित नैन नैन गति था की जो जो है सो मो है २ सो जा सो ई सकल सु
 ख सागर मांगी गोद पसारि परमानंद परति नहि पलके अपनो तन मन वा
 रि ३ रा सा ग प वित्रा पहरत श्री विठलनाथ श्री गिरधर आदि ग्वाल
 सब वैठे सो जित हे सब साध १ अपने जनकी नैं पवित्र ले दिये पवित्रा हाथ
 गोविंद प्रभु करुणामय वरखत धरत कमल मय ही थ २ रा सा ग प वि
 त्रा श्री विठल पहरावत ब्रजनरेश गिरधर नचंद को निरखि निरखि सुष
 पावत १ कुं कुं मतिल कलिलाट दीये ब्रज जन मंगल जस गावत वार्जताल
 परबा ब्रज वीना सुरसुनि चऊ दिस ते सब धावत २ हरखि हरषि अवलोकि
 वदन छवि नीरांजन उत्तारत गोविंद प्रभु गोवर्धन वासी चरन कमल उर ला
 वत ३ रा सा ग

२४

। द्विजराषीवांधतश्चानि
तवेदमंत्रैगलधुनिहरवि
शावृजिजनजीवनशाने
नोविंदप्रभुगिरधरपदं
लौनेमंगलमार्शिसावन
जसुमतिवैवीवलिराम

असुजवरकन्हाशरष्यापावत्तगरगलजसुमतिवैवीवलिराम
दोदातेशपरिवारसहितहृजराशयोविंदप्रभुगिरधरमुषनिरषतनैन्निके
फलमार्शिशरागसारंगकरोमिलिरच्चावालगुपालआजिआंदाएआं
वणसुनदिनजीवनिधाननंदलालअभितसाजिधस्यौमेवावऊकरल
येकंचनथारानंदसदनआईबजसुंदरिजहांवलमोहनवाला। श्रीमु
खनिरखिजईआनंदितदियोतिलककरनालारखीकनकवांधिआ
हरिवलकेमिटैजगतकेसाल। शरागसारंग। वहनसुनशराखीवांधत

वलिऔरश्रीगोपालके कनकधारनरिअछितकुमकुमतिलककरतने
दलालके शरतीकरतदेतनवछावरिवारतमुक्तामालके कनकधारन
रि। आसकरनप्रभुमोहननागरधेमधुंजवजवालके १ राग सारंगारछा
वांधतजसोधामैया सकलसिंगारविचित्रविराजतसंगसोहतवलनैया १
कनकरुधिरसिंघासनवैठेतहांमिलेगोपनके छैया तालमृदंगसंख
धुनिवाजतसुनतवजवधूधैया २ करलेधारलिङ्गवदवा वदकुंकुमति
लकवनैया देअछितकरराखीवांधतउरआनंदवदैया ३ नाजनरि
पकवांनमिठाईमेवावज्रतमगैया अतिसुगंधवासितवीरालेदेतआनि
नंदनैया ४ ईडरिपीडरीवारतश्रीमुखपरजननीलेतवलैया लेआर
खिः तीउतारतश्रीमुखगोविंदवलिवलिजैया ५ इतिरागीकेपदसंपूर्णः

॥ अथ जेल के पद ॥ राग देवगंधारा ॥ मन मोहन अद्भुत डोलवनी ॥ तु गण लो
ऊहर खजुलां ऊहंदावन चंदधानी ॥ पर्म विचित्र रवि विख कमी हिसाना
लमणि चंद्रजुन दास लाल गिरध की लु विका पै जात गणी ॥ राग देवगं
रा मोहन फूलत वडो ॥ आनंद ॥ एक ओर चरख जान नंदनी ॥ एक ओर चरख
पल्लिता विसाषा फूलवर्तवादी करग हिकंचन डो शि निरपि निरपि प्रीतम
पिय प्यारी विदस कहत वोली ॥ उत गुलाल कुमकुम के सर पर सत चार
कपोल ॥ छिरकत तरुनि मदन गुपाले ॥ आनंद ॥ ऊदे कपोल ॥ कदा कदा
सवा डो परस पर विभुवन वरन्यो न जाई ॥ कुंजन दास लाल गिरध रंज
निक परवलि जाई ॥ राग देवगंधारा ॥ फूलत डोल नंद कि सो राजी मध्य
वरख जान नंदनी ॥ पहरे पीत पटोली ॥ गवाजत ताल परदा वज्र अलवज ग्या
ल रिमुरली घोर लउत गुलाल ॥ अवीर अरगला ॥ कुंमकुम न न चरख ओर
राहंदावन फुली न चवेलि कुंजीत को किल मोर ॥ फूलत प्याम फुल वल्लो
पी आनंद वडो न थोर ॥ अति अनुराग नगी सव दुंदुभर ॥ अलवज ग्या

र। कमलनैनं मुखपरसचंद्रमां जुवजननैनं च कोरध। सुरविमानविनसव
कौतिगच्छलेवरखेकुसुमनिजोर। स्तरदासप्रभुआनंदसागरगिरवरधर
सिरमोर। प। रागदेवगंधार। मदनगुपालजलतडोल। वांमजागराधिकाविराज
तपहिरेनीलनिचोल। प। गौरीरागअलापतगावतकहतजांवतेवोल। नंदलाल
कोनलोमनावतजासोप्रीतछतोल। र। नीकोनेखवन्धेनंदनंदनआजु
लईहममोल। वलिहारीयावांनिकउपरजगतदेऊसवओल। ३। हिलिमि।
लिरंगडहंदिशिवाढौ। आनंदरुदयकलोल। परमानंददासतिहिओसरउ
उतहोलिकाडोल। ४। रागदेवगंधार। आजमाईजलतहैनंदलाल। संगराज
तवरखमांननंदनीजोरीपरमरसाल। र। श्रीगोवर्द्धनसुजगसिखरपररच्यो
जुडोलविमाल। कदलीकरनिकेतकीकुंजोवज्जलमालतीजाल। र। नुतननु
तनप्रवाहरहेलसिमाधुरीसोउरजाय। कमलप्रसूनपरागपुंजजरवहंसमी त
रसुहाय। ३। मधुपकीरकोकिलकूजितरसमकरंदलुजाय। सुनिसुनिश्री
वनपुलकपियण्णारीहरतकंवलयम। ४। निर्जरकरतसुवासितअंग

गरंगराजतजलकलोल उन्नयकुलकलहंसमंडली कूजितकरतकलोलापा
जुवतीजनसंमूहमिलिगावतप्रमुदितलोचनलोलावाजततालमृदंगहो
गविहसतचारुकपोला। द्रव्योवाचंदनछिरकतनांमिनि। अवलोकितरसना
या। श्रीवीठलनाथ। आरतीउतारतदास। निरखिवलिजाया। गारागजैतश्री।
सोनासकलसिरोमनिहोदंपतिजुलेडोला। मोहनरायजुलेहि। कनकरवंन
मरकतमनिहो। हीराखचितअमोला। चौकीपंननां। पांतिपिरो। जारचीरतन
कीपांति। मुक्तामालसुहांवनीहो। कहावरनोंवज्जनांति। शजूलहिडलहनिरा
धिका। लहनंदकुमार। रतिरसकेलि। विराजहीवाढौरंगअपार। ताल
खावजआवजजांजैजमकसहनाईचीनावेनरवावकिंनरीमधुमुरली
कीजाया। सरवामंडलीसोनितागावेफागधमारि। इतंसुंदरीगावतमीठी
गारि। पाऊकजोरेपिचकाचलेकहावरनोंयहवांनि। चोवाचंदनछिर
कहीगोपीगोपसुजांन। दालबिकर्दममहिमंडिताउउतगुलालअवीरा
करतविनोदकुतहलाराजतअतिसैजीरा। खेलवदनवदनविप्रति

७ प्रतिष्ठिनुनवश्चनुराग कमलखंडके आएमधुपगनराजततिपरांग
 सिथलवसनकटिमेखलारही अलकलटछटि एकएकपरधावहीगई
 तिनलरट्टि ए चिरजीवो सुंदरवरप्यारो सकले धोखे सिरताजनंदजसे
 कोसुकतफलप्रगटजयो है आज ए सुरकुसुमनिवरखाकरतलील
 देखतआय आसकरनअनुमोहनकोजसरदोसकलजगछाय ॥ ११ ॥
 गदेवगंधार ॥ ऊलतजुगलकवनिकिसोर सपीसवैचऊंआरकुलावत
 रगदिकंचनडोल ऊंचीधुनि सुनिचक्रतहोतमनजवमिलिगावतराग
 डोल ॥ १२ ॥ एकवयसिंधनवतरुनिजगलोला नांतिनांति
 चुकिकसेतनवरनचरनपहरेंतनिचोल ॥ १३ ॥ नवनपवनडुंमवलिप्रफुल
 तअंबमोरपिकनिकरतकलोल तीहीं सुरगावतबजवनिताकुमकदे
 लेतमोल ॥ १४ ॥ सकलसुगंधसवारिअरगजाआइअपनेअपनेडोल एव
 ताकपिचकारीछिरकत एकजरेजरकनककचोल ॥ १५ ॥ कवजस्यांमपि
 उतरिडोलते कौतिकदेतदेतछकछोर सवपियडरपिजरिस्वातकंपित

विरमिविरमिवोलतमृडवोला॥ गिरततरोनांगहौस्यांमकरअवनदेनमि
 सञ्जुवतकपोलतवपियईषदमुसिकमंदहसिवकृचितैकरिजौहसलोत
 दाजेरीजंजिडुंनिपरवावजाअरुडफवाजतआवजदोलाआएघारस
 मूहसरवाजुरिहोहोहोरीवोलतवोला॥ गरतनजटितआनूरवनदीनेंओ
 रदीयेमुक्ताहारअमोलासरदासमदनमोहनप्यारेफगुवादेराख्योमन
 ओला॥ गारागसारंग॥ डोलजलतविहारीविहारनिषुष्यवृष्टिहोहोति
 सुरपुरओरगंधर्वओरपुरतिनकीनारिवारतिलरमोति॥ घोराकरत
 परस्परसवमिलिनहिदेबिजुवतिऐसीजोतिहरीदासकेत्वांमीस्यांमांकुंजवि
 हारीसदाचुरीखुजियोति॥ शरागकर्लणाहरिजूकोडोलदेरवव्रजवासीरू
 लो॥ गोपीकुलावैगोदं॥ फूलो॥ नंदनंदनगोकुलमैंसोहैमुरहै॥ मनोहरमन
 मथमोहो॥ शकमलनैनंकोलाउलडावेप्रमुदितगीतमनोहरगावो॥ शरसि
 कसिरोमनिआनंदसागरसामदासअनुमोहननागराधारागकल्याण

निमाला ॥ सकलसिंगरअनूपविराजतकूजतवेनुरसाला ॥ माधोदासनि ॥
रविगोपीजनप्रमुदितश्रीगोपाला ॥ २ ॥ रागनट ॥ षेलतफागकूलवैठेजूल
नडोल ॥ उहउहेनागरीनागरनैनकमल ॥ १ ॥ वज्रतदिननकेजयेसमितसुष
सखीनिसंगलियेराधाकृष्णरसरासजमल ॥ गावतरागरागिनीसोंमिलि
तानतरंगकंठकोकिलारूतेअमल ॥ २ ॥ कल्पानकेप्रभुगिरधारीजुकोजे
दादेतहियेउरपतिगिरतकुसुमासरंगोरेगा ॥ छुटेछविसेधेमल ॥ ३ ॥ अ
फागहोलीकेपदरागविलवल ॥ आनंदरायषेलेफागुहोहोहोरीआईगि
रधरलालकैकाजग्रहतैन्योतबुलाईज ॥ ४ ॥ कोयाकोंआदरदेतेहैकोयाकूंवे
ठनदेहकासोंहेराचीआनिकोनकेसंगरवेले ॥ ५ ॥ जसोमतिआदरदेलेहै
लनदेवैवनीदेहै ॥ गिरधरसोंराचीआनंदवलदाऊकेसंगरवेलेहो ॥ ६ ॥ गुं
डोरोपनचलेबजचैदआरगिरधारी ॥ वाजेसंगवजावतअरुपरवावजया
री ॥ ७ ॥ बजराणीआरसबगोपकुमारी ॥ गावतीसुछंदनदेतभांवतीगारी ॥ ८ ॥
नदीजमुनांकैतीरजायरोपीयहोरी ॥ कुवरधरीसेवनायसबनृत्तापाछेंजो

री॥ ६॥ विषनवेरपदायवैवीसवसवाधीहेकीनीसजाकरिपायलगाईऔरप
रिकर्मदीनी॥ ७॥ खेलतहेनंदलालकमलहाथिनीलीनेंसवसुंदरीलीनी
हेबुलाईरहसउनकेकरदीदीने॥ ८॥ केसरिजीनीसोधेजीनीपहरेजुंमकसा
री॥ गिरधरपीयासंगखेलतद्यौरवसकलव्रजनारी॥ ९॥ अवीरगुलालउड
वतव्रजरांणीकोलालासुंदरमुखजलकतपहिरेमोतिउरमाला॥ १०॥ होरी
घरिघरआयेनंदरायजीव्रजवासीरागगौरीनीपैंगवालसवनामेंऔरुला
लनमुखरासी॥ ११॥ रांणीजूदेखसिहातकरतनौछावरिनारी॥ धनिजतुमक
रब्रामानतिवारतिनौछावरिसारी॥ १२॥ चंद्रावलीऔरराधाजूनीजिरही
रसहीये॥ १३॥ कोपलनांहीछांडतडोलतलाहिलीये॥ १४॥ सगरेव्रजआनंद
व्रजतअहोरी॥ मानोंदोऊकुवरसंगखेलतरातिद्यौरसनजाने॥ १५॥ यहसुंद
डालौंहारखेंनितानिततुमआवो॥ सकलघोरवकेरायनंदगिरधारीक
हावे॥ १६॥ चितचिरुजीवोव्रजराजदेखदोदनमुखपायो॥ श्रीवीठलगिरध
रकोहसिपागुलायो॥ १७॥ रागविलवला॥ ५॥

तगोपिनसंगा ॥ तालमुरजवज्रवाजश्रोरश्रनेकुमुखवचंगा ॥ १ ॥ डोलतेडोल
कबविरवेनमृदंगनपंगा ॥ मुरजमुखडंदजीश्रोरजालरतरसरंगा ॥ २ ॥ विवि
धपरवावजश्रावजजांफिनवडफजोरे ॥ विचविविगोमुषसुनियतवीचमुर
लीकीघोरे ॥ ३ ॥ ग्वालवालपरसपरराजेमैनमंजरीहाथ ॥ दूकाकनकपिच
कारियांअरिअरिछिरकतगाथा ॥ ४ ॥ चलौसखीदेखनकौजैएविहरतसिंध
घार ॥ सुनीमनैमनहरखसवैजुवैतीलागीसिंगार ॥ ५ ॥ नीलवरनसारीलं
हगालाल ॥ कंचुकीलालकुचनपरिगुंडरहैमानोंअनंग ॥ ६ ॥ सोहेस
ससरसकरिवेणीसरससंवारी ॥ मानोंकनकरवंचलगजूमतपनन्यारी ॥
७ ॥ सीसफूलरच्योतिलकभृकुटीविचवंदनरोष्योमानोंसरासनस्यावीके
वांनमंथमानेंकोण्यो ॥ ८ ॥ वदंनृमांगमध्यअतिराजतकंजनसुदारे ॥ मानोंसे
ससीसपरदाडिमअधीतडारे ॥ ९ ॥ नैनंकुरंगश्रवन्नजुगचारुचक्रविच
राजे ॥ १० ॥ नखसिखलेंजेनीवनीग
ईसवैसिंधजोवार ॥ हमारोफगुवादेऊमोहननंदकुवार ॥ ११ ॥ काहेमोहन

रायभाजोकाहिओलेलेजंकुमुदचंदज्योविकसितनैकुदिरवारीदेह्ता॥१२॥फ
 गुवाकूकेमिसकूवोहरिदरसनकीआसादेखनकोजियउपरकुंतरसेलोच
 मरतपियासा॥१३॥सुनमनहरवजसोमतिओनकुआदरदीनो।कुंमकुंमज
 लसोंघोरिसवनमुखमंजनकीनो॥१४॥वरनवरनपटदीनेंगोदनरिजरिजु
 मिवांई।इहिविधिनंदघरनवजकीतरुनीपहराई॥१५॥गानकरतमनहरत
 मुदितमनदेतअसीसा।तुम्हारेकुंवरजसोदाजीजीवोकोटिवरीसा॥१६॥रागवि

रसवन के बोरे जू प्रगट है मंद अरग जा र्घे रि कै न रि न रि ग डु आ सि र दोरे
जू ६ ॥ इ हि वि धि सा ज स बै ली ये च ली रा य जू की पौरी जू श्री रा धा को लैन को
ह सि क्की व ज नारी जू ७ ॥ सों धो सुरंग गु लाल सों व जू सा र वी ज वा दि मि ला ई
जू दो रि अ चां न क ला म ही ह सि म ह रि व द न ल प टा ई जू ८ ॥ छि र कौ पा स वै मि
लि जां नि कै न व छ ल व ल सों उ वि दौ री जू जां नी कुं व रि व र व जां न की त व
म ह रि ल ई न रि कौ री जू ९ ॥ चूं व त चा ह त प्रे म सों पुं नि पुं नि कं व ल गा ई जू जे
क छु आं नं द जी ये को सु ख क ह त क द्यो न हि जा ई जू १० ॥ त व म न में ना ना जां
ति सौं व जू नू र व न व स न मं गा ए जू त व ह म इ न रू नां ही ले कों हों गि र ध र क
हा ड रा ए जू ११ ॥ क छू क जूं चे च मु चा हि कै म ह रि व द न मु सि क्पा नी जू १२
स व जु व ती धा ई कैं आ ई च दी च त्र सा री जू आ दे व द न ड रा ये कैं जा य ग हे गि रि
री जू १३ ॥ इ ह धे रि ली ये च ऊं अ र तैं अ व कैं छु टो कै सैं फ ला ने जू तु म कों जु व ति
न के व स प रे तु म हो अ धि क स यां ने जू १४ ॥ को उ क वा तैं प्रे म ने द की क हि कां
न न में उ वि दौ री जू त व ए क अ चा न क आ य कैं लाल ली ये न रि कौ री जू १५

कारुणहिगंधीवेंनीरुचिमोतिनमोगसंवारीजूतनसुखकीसोंधेसुनीसीति
 सारीसरसतिवारीजू॥१६॥कारुनैनीकीजांतिसुरंगवित्रकपोलनिकीनेंज
 कारुनमरवटमांडिकेंमुखरोरीविदादीनेंज॥१७॥कारुनानाजांतिसौंछ
 तिअतिअंजननैनवनाएजूब्योंहीचंपककोरंगसेओरकांननलोटरअ
 एजू॥१८॥चंपकलताचलीधायकैतवचिवुककंवगेनोंदीनोदेजु।मोहीउ
 जसु।रीउजरूपमोहनीकोकीयोजू॥१९॥नानवरनअवीरलेमनमोहन
 वदनलगायेजू।प्रनचंदमानोंधनमेंनवईधनमेंछायेजू॥२०॥सनमुखसु
 खहीनिहारिकेंसुखनिरखतनांअघायेजू।गारीदेतसुहांवनीअतिरस
 सोंलपटांनीजू॥२१॥केसरिदोरीसीसतैंवहिचलेषारपनारेजू।सोंधोसुरंगगु
 लालसोंसवजरेघरकेघारेजू॥२२॥तवआगेंदेसर्वमोहनीहसतिहसतिस
 वआईजू॥२३॥घटसोंमुखदांपिकेंपंगनिमहरिजूकेलाईजू॥२४॥इहकंन्या
 कारुगोपकीतीनेंआयसमर्पणकीनोजू॥२५॥
 हरवितसुनआनंदसुंतुमवांढोवजतवधाईविधितै

कांन्हा नव दुलै आई ज २५ ॥ वेश हि विधु को नाम सु मन म हरि गो द वै ग
 री ज ॥ हर खित मन आनंद सत्कछ विछो लप सारी ज २६ ॥ छटपट उता
 रिकैं तव चुंबति मुख मुसिकानी ज ॥ हसी परस्पर सुंदरी तव देत म हरि ल
 जांनी ज २७ ॥ तव हो होरी बोले ही नांचत दे करतारी ज ॥ प्रमुदित करे कुहल
 नांचत गावत गारी ज ॥ २८ ॥ आबुज होरी खेलतैं सव सुख तैं सुख न्यारी ज ॥
 अह संमाज नित माधुरी कैं हट रो नहि दारे ज २९ ॥ गगन विलवल नंद गंग म
 को पांडे बुजवर पांने आयो ॥ अति उदार बख जान मान सन मान करायो ॥
 पांडेजू के पाइन को हसि हसि सी सनवायो ॥ पाय धुवाय न्हावाय प्रथम जो
 जन करवायो ॥ १ ॥ धाय आई बुज नारी जिन नय हि सोधो पायो ॥ बख जान
 नवन नई रफा गु कोषेल मचायो ॥ ३ ॥ सी सी सिर तैं कुलैल सकल अंग न
 फल कायो ॥ हन मान की प्रतिमा मान ते लसी सतैं छिटकायो ॥ ४ ॥ काजर भु
 खे मुख मांडो वदन पै वंदि वनायो ॥ गजगं मिन गोंछन कों पिकीच कल
 सहि अवन तैं मानूच पराच पकायो ॥ ५ ॥ गजगं मिन गोंछन हूँ तूक मई आ

लएयो। देह धरे मानें फाग खेलन ब्रज मै आयो। धकारू गूलरी माला का
रू नैं जुगा पहरायो। मानों गज पंढान विच जे गजगाह बनायो। ७। का हू चंद
न वंदन का रू नैं चौवाले चरचायो। रितु वसंत जो तु सु दुम फूले फूल बुछायो। ८।
रंगुर सौ च ऊ दीप न रंगरातौ होय आयो। गुंजन को गहनों मानों प्रोहित पहरा
यो। ९। मानें तैं मोहनी न छाछ को मांटे रायो। मानों का चेहरे स्यां मै गीर वर
हीन हवायो। १०। चोर चोर ते नई ला गते जल दरि रायो। महा देव की जय न च
र वर नो दिक आयो। ११। लगत दंत सों दंत डिग डिगा अंग लगायो। मानें सु
धर संगीत ताल कंठ ताल बजायो। १२। श्री राधार धा क हि आ पु नो बोल सु
नायो। श्री मान की कुवरि चरण रू तेरी आयो। १३। सुनि कै वचन जुगरो हो
राधार दे जरि आयो। वावाजू को दगल लोले प्रोहित पहरायो। १४। कीरति
जुपाइला गिला गिता तो पे हर्यो। ताल्यों खेलत होरी ब्रज पति डलै हो आये।
१५। सां बे स्वांग न साजि सवै समूह जो सोहायो। तव्याप्या व्यापु को शत सत सु

यो १३ घंमत्त आयो इंदरणं मंजुने मे मंजुन चायो १७ उजकी वीथ निवीथ
 कीच में लोट लुटायो १४ चारे वदन को स्वांग चतुर चतुरायो नैन निलायो
 १५ पंचानन पांचों मुखों संगीत वाजे वजायो हरि कों कहवाय वावरो सो
 नारदन चत वे चायो २० देखि नंद को लाल मुनि जत धरि गाल वजायो म
 देव पटतार देते पेह पट प्रभु मन जायो २१ हो हो हो हो होरी हरि हां सो ने हे सा
 माया निपुन कै नारद लहरायो २२ कों म कों मिनी जयो सब निको वित्त च
 रायो गव जौरो डर खजान राय सो जाय करायो २३ ललिता गों विजोरी ल
 लित कल लाल को विहार सचायो नवल आंव को मा हो र ले मोरी मो हो र
 नायो २४ पीत पिछोरी तां निछ वीलो मंड पछायो होरी की आग्यारी क
 रि कैंडल हो पर नायो २५ फागुन की गारिन की साषी चार पदायो हो
 री को पकवां नजरि जोरी खायो २६ फूल फूल की फाग फवोर सजि
 यह गायो जन हरिया घन उपां म वासवर साने पायो २७ रास वि
 लास फगु आके सि सच लोवलिलाल कुरंग नैन रग मगे की जे जे

हृदय सरहोरी को गोरी सुख ले सुख को न दीजे ॥ १ ॥ करत सैन को सोच सकु
च जिय इन सकुचन कहि धोका हालीजे ॥ घर को छाडि घर धाय अधर मधु
निधर क के को पान पीजे ॥ २ ॥ राग विलसत श्री लछिमन कुंल ॥ इये मन मोहना
ग श्री वल्लभ सुवन सुजान ॥ लाल मन मोहना हो ॥ गुण निधि श्री गोपीनाथ
जुमन निरगुण तेज निधान ॥ लाल श्री पुरुषोत्तम आनंद मैं मन श्री विठ
ल ब्रज के लाल लाल मन को टिक मन विधवारणे मन ॥ मुखिसो ना सुख
रूप लाल मन मोहना ॥ ३ ॥ श्री गिरधर गुन आगरे मन मोहना ॥ परन परमा
नंद लाल मन मोहना ॥ राजसिरोमणि लाडिलो मन मोहना ॥ करुणामय
विंद लाल मन मोहना ॥ ४ ॥ श्री बाल कृष्ण मुख चंद्रमांग मन मोहना ॥ पंक
जनै न बिसाल लाल मन मोहना ॥ श्री हज वल्लभ गोकुल नाथ जुमन मो
हना ॥ प्रियानंद नित्य प्रिय रूप रम दयाल लाल मन मोहना ॥ ५ ॥ श्री पति
श्री युनाथ जुमन मोहना ॥ जगजीवन अनिराम लाल मन मोहना ॥ रू
परासज नाथ जुमन मोहना ॥ कमला परन कामलाल मन मोहना ॥

५ नवकिसोरघनस्योमलालमनमोहनां अंगो अंगसुखदाईलालम
नमोहनां ब्रह्मसवैसुखेजांनियेमनमोहनां जाहिविमलजसुगाइला
लमनमोहनां ६ श्रीवृंदाविपुनसुहांवनोंमनमोहनां वजलीलासुख
सारलालमनमोहनां मानिकचंदप्रभुसर्वदागमनमोहनां श्रीगोकुल
करोविहारलालमनमोहनां हो ७ रा रां कली होहोरीखेलैनंदको
करअंजुजरमकरंदको तनसुखपाघवनीकसूंजीसिरमोरधरेमुकरं
दको १ एकअोरप्रगयो तरुनीमधिअंकुरवाकुरपरमानंदको एकअो
रवजजनचकोरमधिउदैजयोमानोंचंदको २ लेलेसुरंगगुलालदेऊक
रखेलजयोमानोंफंदको तिहीअोसरप्यारीमुखपरसिमानगयोअरु
वादको ३ जांतिजांतिकेवाजेवाजतसुनिछूटिगयोमदहंदको चोवाचं
दनअगरकुमकुमांमृगमदसुनगसौरंजसुगंधको ४ इहिविधिनिरखि
मेघवरषायोसुरसवमिलिचंदको तिहिअोसरमुरलीवनवाजीऊलसो
मनआंनंदको वाऊरपरमानंदको ५ रा रां श्री यागोकुलकेचौह

टेरंगराची ग्वाली मोहनखेलेफागुनेनसलोंनेरी रंगराची ग्वाली न
आनंदनयोरंगराची ग्वालिस्पामवलिकेअनुरागनेनसलोंने॥१७॥
वाजेगहगहेरंगराची ग्वालिनगरकुलाहलहोयनेनसलोंने॥१८॥
सद्योखकोरंगजीनेहोजुवनरदोनहिकोयनेनसलोंने॥१९॥
हनीरंगजीनेहोतालमृदंगउपंगनेनसलोंने॥२०॥
नेहो॥आवजवरमुखवंगनेनसलोंने॥२१॥
जीनेहो॥अबुवलजूनंदकुमारनेनसलोंने॥२२॥
हो॥अबुजलौचनचारुनेनसलोंने॥२३॥
दितगोपीचंदनेनसलोंने॥२४॥
लीयेगोकुलनाथनेनसलोंने॥२५॥
जोराधाकोसाथनेनसलोंनेहो॥२६॥
नरतपरसपरआनिनेनसलोंनेहो॥२७॥
कुमकुमानोंतनरससांनिनेनसलोंने॥२८॥

ली २
नें हो। तत्का वंदन धरि नैन सलों ने। चटि विमान सव देवतारंग जी नें हो। देही
साग ईश्वर नैन सलों ने। खेल मध्या अतिरंगर स्यौरंग जी नें हो। चितवत
व्रजवधू आइ नैन सलों ने। राधारसिक श्री स्वामिनी रंग जी नें हो। आस करन
वलि जाय नैन सलों ने रंग ॥ १९ ॥ राग धन श्री। खेलत फाग संग मिलि दोऊ अं
आनंद जरे पिया प्यारी हो। नरु किसोर वेनंदन दन इत ब्रव जांन डलारी हो
रनवरित राजलता पुमरूले। वरन वरन छवि न्यारी हो। खेलत ॥ तै से ई सु
नग गवर सांचर अवन ही दे जोट इक सारी हो। कमल नैन पर चकामेलत
हसि सकुचित सुकुवारी हो। खेलत ॥ नरी अरग जाकन कपि चकारी ध्या
ई सकल वृजनारी हो। जरति जांवते मदन गोपाल ही वाटो रंगर सजारी
हो। खेलत ॥ वज्र मिलत दस पांच सखिन गोविंद जरे अंगवारी हो।
चोवा साखि जवादि कुमकुमां दीयो है सी सतें दोरी हो। खेलत ॥ प्रेम
मगन मोहन मुख निरखत सव दस वै सारी हो। चउचुज अनुसुरनर सु
निमो हे गुननिधान गिरधारी हो। खेलत ॥ राग धन श्री। माई मेरो म

नमो ह्योस्यांमरो। अवधरहमो पैरस्यो नजाय। चपलतिरछी नोहसोसर्व
 सुहीमेरो लीयो हेचुराश। मेरोमगहों गोरसले निकसी छंदावनहे छुंका
 रआई अचांनक औचका। मटकी वज्र मेरी देई मार। २। मेरोमगलई नहो
 नुमटकी तिकमोला कनकरखुजी कै व्याज मै परसेरी मै मेरो पांन के पोला। ३।
 मनमेगकंचुकी पटनवी गही गहि अंचरामो हियों कदो कहो। वो तुमका
 की नारि। कै ई विरियां यामधगई दानहमारो मारि हो। ४। मनमेगहसि वीरी सु
 ख मै देरी ग्रीवा वहो मेरे में लीगरवाही। मिसही मिसमो हिले चलो ग्रहवरहे
 अंधियारो मांही। ५। मनमेगजाय और मिसि दानको। वतियां नहो मै परखे
 पाई करतवसी ठी मिलनकी। सनमुखहो मेरे नैन चलाय। ६। मेरोमग और
 कहारतिवरनिये

रमी देखि सरखी मेरो तनको साज मेरो मनमो ह्योस्यांमरो। ७। रागध
 । प्यारे कमल नैन मनमोहना।

में कै होय प्रतीति १॥ प्यारे गिरघटियां उठि जोरही मारगरी मेरो शोक तआ
 यव हो रिअचां न कसी सतें मेरी मटकी देत दुराय ॥ प्यारे असी तु मही न व
 रजिये लटकि रहत गरवां ह ॥ प्यारे मीत मेति मईया सुनों स्यो जी परत वन मो
 ह ॥ ३॥ प्यारे सैह सत में मन मुस्त हो कहि कहि मीठे बोल ॥ प्यारे सेंत मीत क्यों प
 र्ये यह गोर सविन मोल ॥ ४॥ प्यारे चत्र जु प्रचु चित परखियो चित वनि
 नैन वि सार रति जोरी मिसिदांन के गिर गोवर्द्धन लाल ॥ ५॥ राग धन श्री धे
 लत मदन गुपाल फागु सुहां वनों ब्रज जुवति न को चित चोर अंगल जां वनें
 ॥ सुवल सुवाङ्ग श्री दां मां सरवा संगरे राजे ही वङ्ग आ व्रज मुरज मुरली ड
 फवा जे ही ॥ २॥ करिनी के पिच काई फैंट अवर की वङ्ग जां वरि सों जरी का
 वरि के सरिनी रकी ॥ ३॥ सजि कै साज समाज चले बरव जांन कै सुनि मन सा
 ग ई लिसुन त धुनि कांन कै ॥ ४॥ उत तैं जुरी जुंड नि आई ब्रज वासिनी तिन
 में कुं वरि कि सोरी नित्य विलासिनी ॥ ५॥ संगरंगीला साज लीये न वना गरी
 वरन वरन लीये राजत फूलन की छरी ॥ ६॥ जुरी आई दोऊ दोल पोरि ब्रज रा

[illegible]

लरीजाजतहेकरकंवतारीहो। जववसंतदिनप्रगटजयोनांचतगवालस
बगवालनीहो। खेलतः। वज्रतनसवएकतजयेघोषरायदरवाराहो।
तवनीनवलकुवारीहो। खेलतः। जुवतीजूथचंशवलीआपनेंजूश्री
राधाहो। ऊमकहेंचेतवगावैहीवाढोहैरंगअमाधाको। धवलमोहनए
कतनएसुलतकएकोदाहो। दोऊदिसखेलमचावहीवढोहैमनसि
जमोदाहो। पचमकिचलीचंशवलीसुवलतोकरधार्हीहो। उतहीकों
पियप्यारीराधिकावलीरामंऊलकौंपरिधार्ही। कमलनिमारमचाईयो
मधुमंगलपकरएकठोरीहो। बांधिगुदीपरदोलाहो। ७। वहोतहसेवलि
मोहनां। हसेहैंसंकलवृजवासीहो। छोराएछटैनांहीपरिगईगांविफांसा
ईहो। ८। हसतिहसतिसवआईयोगावतगारीसोईयोहो। सैनांवैनीकरै
सवैमिलिमोहनपकरेपौईहो। एवलजुकीआंखिआंजियोमुरली
पियाकीछिनाईहो। मनजायोफगुवालीयोपाछीजाइवदीनीहो। ९।
इहिविधिहोरीखेलही। वज्रवासिनसवसुषपाईहो। सवजकूनमनआं

हो

नंदनवागोवदस्त्याजसंगीरहा। रत्नरागवदनप्रोहाहाहाराजिताहगु
पालपीसंखासमूहे। इतजुवतीनूथमधराधागोरी। एवाजततालमृदंगव
गदरसतपरसतचऊंवेरी। जाऊकहंहरिपौरेआइवैपायेऊंघेरीसांकरी
खेरी। शकेसरिवऊतमगाइऊडाईअवीरवऊतलीनोंजरिकेरी। ललि
ताऊविचलायेदुऊनकीदृष्टिवचाइगांठिगहिजोरी। शत्रुंचलखीचोऊं
निसकुचीदंपतिहसिहसिजौंहमरोरी। चतुरसवसरवीमिलिहसीहाथदे
पाइहैजांनिदोऊनिकीचोरी। धाफगुवादीयोजुवनेमैनप्रफुंटेगहेंयोंगह
कहतकिसोरी। खेलफागअनुरागसीधऊरआयेजीतनंदजूकीओरी। ५।
रागधनश्री। श्रीराधाकुंदरिरसिकनीसोंहरिहोरीखेलोजूजमुनांतीरस
धनकुंजनमेंमिलिजुवतीदलपेलोजूसरसगुलालअवीरअरगजाकि
तकिआंखिनमेंमेलोजूपतवउजकेलरिकांघरघरतैंटेरिटेरिकेंवोले
जुआयेहैंअपनेंघोकनिजुरिमांनोंगजमदमोकलेखोलेजु। शजैसैमन
जायेवागैलैसंवहिनकोंपहरायेजु। तैंसैंहीआपनेंकाजैसावसों

तमगायेज ॥ ३ ॥ पहलैंसवैकनकपिचकारी परममुदितमनदीनीज तापा ॥
छैंहेरतनजटीतवलेदाऊरुंदीनीज ॥ ४ ॥ केसरकेसररससौंकनककल
सजरिलीनेज ॥ फैंटनिअवीरगुलालसुरंगनरायेनरेरंगजीनेज ॥ ५ ॥ चावामे
दजवादिसारवलेगोरामृगमदघसिधोरीज चलेलिवायअरगजाकुमुकुं
मचंदनरोरीज ॥ ६ ॥ नरेगजकआवजमहुवरिउफजांफितालमुखइचंगा
ज ॥ वैनिरवावकिन्नरीजालरिवाजतसरसमृदंगाज ॥ ७ ॥ अवनसुनतबखनां
ननंदनीअतिआतुरजठिदोरीज सखीसकलघेरेचऊदिसतेंनिरखिस्यां
ममनजाईज ॥ ८ ॥ अंचलविविदुरायपिचकारीजरिलाईज तकितकिमुंद
रमुखऊपरिछिरकीऔरछिरकाईज ॥ ९ ॥ सवसमाजलेजाइजुरेखरवा
जानगोपकीपौरीज तवराधासोकदेतमुदंतनउजहंतहंतदेठठिदोरीज ॥ १० ॥
बलिसमेतसबसरवासंगलेमगेतरुणीगनऊपरिधायेज होहो कहिपला
सकुसुमरंगजरिजरिकलसनवायेज ॥ ११ ॥ करिविचारमनमैंललितादि
मधुमंगलकीटिगआईज तेरेपायलागतहोंक्योंरुंनंदलालपकराईज ॥

१५३ तव मधुमंगल कस्यो सखिन सौ सुनिकरुं एक विधिकी जेजू ह म सव
 क ओर हो कै पकराई पाम को दी जो १५३ लै लै सुरंग गुलाल अरु अं
 वर ती ही ओ सर की नों जू दे ख त आ सी जु हो त दिव समां नं को ऊ निसि सि
 ही नों जू १५४ एक दार त द स वी स क दौरी ले ग ई स्यां म अवे नर त अं क दारी
 ३- जू। मुरव मां मै त क है त अ व न ली व नी इहां जोरी जू १५५ पीतां वर मुरली क
 र तै लै ल लित सरवा ले ना जी जू ति हि ओ सर प करे छ ल व ल सों करी ग ह आ
 सि खियां अं जा ई जु ग हरि जू १५६ क हो क हा फ गु वा दे हो तु म सु नों गो कु ल
 के रा ई जू वि नु दी ये कों बु दै नि पै हो स्यां म सर वा व लिन ई जू १५७ र त न ज टि
 त न र व न रं ग रं ग के अं वर व ज त म गा ए जू फ गु वा दे न क स्यो मुरव तै तं व मु
 र ली अं नि ग हा ई जू १५८ अ नुरा गो पा गेर स सों फि रि नं द वार पै अ ई जू वा
 रि अर ती वि वि धि जां ति सों मा त ज सो धा कर त व धा ई जू १५९ खे ल तं फा
 अ नुरा ग व द्यौ ब्र ज जन संग ल गा ई जू सुं द र व द न क म ल ऊ प रि र धु वी र वा
 र नें जा ई जू ह रि हो री खे ले जू रं ग रा ग ध ना श्री खे लो स वै मि

गुसवमिलिऊ मकगावोसंग सरवाखेलनचले ब्रखनांन गोपकीपौरी
 वैन सुनतसवगोपिकागोइहैकुदरयेंदौरी सवै मोहनराधिकाकार
 नेंगहिलीनौनौसरहारहारदेतदरसननयोसवगवालनकीनो जुहार
 २ सवै राधाललितासोंकस्योनैकुहारहाथतैलेऊ चंइजगासोंयो कस्ये
 नैकईनहीवैनदेऊ ३ सवै वहातजांतिवीरादियोहोकीनो वऊतसन
 मांन राधामुखनिरखेहरिगोपीकरतकमलमधुपांनध सवै मोहन
 करपिचकारियांहोसववसगवालनिमांनीहार
 ५ सवै फगुवाकोपटअैंचतैमुरलीआईहाथफगुवाकोपटअैंचतैहो
 मुनांहीवनैसुनिसुनिगोकुलकेनाथ ६ सवै मधुमंगलजदटेरियोहोली
 नैसुवलबुलाय मुरलीतुमलीयोतुमकोंदेऊगीप्यारीराधाकुंसिरनायो
 ७ सवै दोलमुरजडफवाजहीहो औरमुरलीकीघोर किलकितऊतह
 लकरेमांनोअंनंदनिर्ततमोर ८ सवै राधामोहनविहरेहीहो सुंदरसुधा
 रसरूप ९ पहापट्टिसुरपतिकरेधनिधनिगोकुलकेनूपर्ण सवै होरी

खेलतरंगुरसोहोचलेजमुनांजलन्हानसिंधपौरिगढेहरीदेगोपीवारव
 रवारदेहिदांनहो॥१॥सवैगनरनारीआनंदनयोहोतनमनमोदवदाय
 गोकुलनाथप्रतापतैस्यामदासवल्लिजाया॥सवैगरागधनाश्री॥फागुषे
 लैराधागोरी॥नंदलालउखनांनंदनीनलीवनीहैजोरी॥चारुअवीरगु
 लाललालतनविचविचराजतरोरी॥जाकेकंदंवहाररहसिजरेकेसरिकु
 मुंमकुमधोरी॥रातनसुखचारुछोटीछिरकततनउठगमीगातनवरोरीहो
 प्रंचलपटनरसोजितकुचपरिउपमांश्रीफलकोरीहो॥स्यांममुनगके
 मअंगपरिराजतनवलकिसोरीहो॥नूपुरनतकितकटिमेखलानिरखि
 मदनमतिहोरीहो॥धारीजिरीजिवतनवललालकोमृडअंगमुसकिमो
 है॥प्रेमगांठिपरीपरसरांमकेहेछुटनोहिक्योंछोरीहो॥पारागविज्ञावल
 धनाश्री॥रंगिलेरीछवीलेनैनारसजरेनांचतमुदितअनेरेखंजरीटम
 मत्तदोऊकैसैंरहरतनधेरे॥स्यांमरंगरातेरंगरंजितमांनऊदि
 चितेरेकुंजनदासपुनगोवर्द्धनधरस्यांममुनगतनहेरे

रसिकफागुरखेलेनवलनागरीसों। रससरसवररितराजकीरितुआईसवन
 मदनअरविंदऔरकुंदवरसेविसर्दचंदपियनंदसुतसुखदाई१। मधुपटोल
 मुडलोलसंगसंगडोले। पिकनवोलनिरमोलश्रुतिचारगाईरचितराससो
 विलासजमुनांपुलिनमेंसुधतवजदीविपुतहरिफलजाई२। कनकअज
 गवरनीसुकरनीविराजेगिरधरनजूर्राजेगजराईजुवतीहसिगावैमिलि
 लेछीतस्वामिकुणिवेणिपदरेणवडजागपाई३। राजधलाश्री। अरीचलिवे
 गिछवीलीहरिसौखेलनजाईनिकसेहैंमोहनसांवरोवलिफागुरखेलन।
 वजमांही॥ १॥ धुमड्योहैअवीरगुलालगगनमेंमांनोंमाईफुलीहैसांजअरी
 चलि॥ वाजततालमृदंगमुरजडफकहीनपरतकछवातरंगरंगजीनें॥
 लवालसवमांनोंमाईमदनवरात॥ २॥ अरीचलि॥ आईहैजततैजुरिसुंदरिस
 वकरिकरिआपुनोंवाट। खेलतनांहीकोऊकांहकुंदरसौंचाहततिहारी
 वाट॥ ३॥ अरीचलि॥ विनराजादलकौनकाजवलिउठियेछाडियेऐंड॥
 उमगयोहैनिधज्यौंनवलनंदक्योंरोकतरावरीमेंउरीचल॥ ४॥ उवीहैवि

हसि खरखजान कुवारी वरकटी पिचकारी लेत सहत न सकत कोऊ महा सु
जट ज्यों मुन तस मर संकेता पा अरीचलिः आ ई है रूप अंगा धारी वे छ वि
रनी न जाई न चल कि सोर अमल चामां नों मिलि है व ऊ आ ई द अरीचलि
खेल म चोख जि वीथ नि मां ही अंवर वर ख त प्रेम अं नंदा द म कत गुल
ल जरे मां नों जोर के चं जो आ रंग नि पिचकारी न जरे जरि छिर कत हरि
न तपो कुटिल किरीट छये प्रेम रंग जरि जरि जरि तपिया को जाये अरी
चलि गोड रि मु रि जर नी व चावनी छ वि सों वाछो है रंग अपार भैं न मूनी
वोलत जेल त पग न पुर जुन कारा अरीचलिः सित सन का दिक नार
सार द जै जै नंद दासा अप ने गा कुर की जीयो व लैया ले ॥ अरीचलि
गि छ वीली राग धना श्री हरि चले फाग पेल न को सव उज के लरिका
गली एं जर खन चसन सवारि दर्श ए ॥ तिनि मैं सो जित वलि ओर स्यां मां
इन के मैं सो जा के धां मां सव समाज लै प ऊचे मोहन चले कोटिकां म
जिरां मदल ले जाय जुरे सव उज जन मोर श्री व

वोलिलई ५ सखी एक जव सैन दई तव प्यारी जिय जां निगई ६ सखी एक
वां हगही उज की ऊरो धे जां किरही ७ जव इत ते चित ए नंद लाल सीसन
वायरही बजवाला ८ न रिजरि थार पनाये पांन लागी लाल अति आं
नंद सो रवान ९ खेलन की सख सौं ज करौ जन जन को तुम जाय करो १०
तव वो आचंदन कल सजरे अवीर गुलाल देरदरे ११ मोहन कर पिच
कारी लई उत वैसन की मार जई १२ विविधि नांति वाजे जव वाजे वि
च विच खेल मृग जे जीते १३ मुख सो धिरवात खवावत पांन करत औ
र मधुर रस पांन १४ खेलत आवत गुरजन मां ऊ यों विराजित मोहन
मानूं फूली सां ऊ १५ जव उर लाय करी अति केलि खिनु खिनु वटी प्रे
म रस वेलि १६ जो जायो सो फगु वीलीयो जो मन मां न्यो सोई कीयो १७
होरी खेलत हीरंग रस्यौ देखन कौं गो कुल उमद्यौ १८ इही सुरव देख
त सुरनर मन लले नूतल वर खत आं नंद फूले १९ देत असी सचली वृ
जवाला चिर जीयो गो कुल प्रतिपाला २० जव हरिलोचन ले चलेन हाई

श्रीरघुवरद्वारनेजाशशराग धनश्री॥ नंदकुवरखेलतराधासंग॥ ज
मुनांपुलिनसरसरंगहोरी॥ सवघनस्यांममनोहरराजीतस्यांमसुज
गदांमिनीगोरी॥ १॥ केसरिकेरंगकलसजरेवजसकलसाजहलधर
कीजोरी॥ हाथनलीयेकनकपिचकारी॥ छिरकतनांचतवजंकीनव
लकिसोरी॥ २॥ चासअवीरजडावतनांचतकटिसोभीतगुलालकीजो
री॥ मगननईकीउतवजिसुंदरिप्रेमसमुद्रतरंगकजोरी॥ ३॥ वाजत
चंगमृदंगअधोदिपेंहजांफिजालरिसुंदरघोरी॥ तालरवावमुरलिव
वीनामधुरसद्वजधत्तधुनियोरी॥ ४॥ अतिअनुरगवद्योतिहिऔस
रकुलहिलज्यामयादितोरी॥ मदनगुपाललालसंगविहरतदेहिदस
भूलिनईवोरी॥ ५॥ एकगहैहठफैंदाफगुआकोंदेतगारिमोहनकोंजा
री॥ एकजुआंजिकैंजाजतकिसोरी॥ एकविलोकिहसीमुखमारी॥ ६॥
कनलेइछिडायमुरलीकीदेतवेगारिमोहनकोंजोरी॥ एकफुलेलअ
रगजाचोवाकुमकुमारसगागरिसिरदोरी॥ ७॥ विविधिजांतिफूल्याहं

ली
७

धनाश्री

दावन कूजितरवटपद और पिकोरी निरखित नेहजरि अंखियां चोव
योचाहत मुखचंद चकोरी ॥ ७ ॥ यके देव किं नर मुनि गन सब मन मध्य मन
निजुगयो लेजोरी परमानंददास आसुख के ॥ ईजु विसि रधुन तउ अंको
री ॥ ८ ॥ मानं मोहन की पारिगो गूजरी सब वज्र के दो कतर है ॥ इरि देखे नंद
ऊधार गोर ॥ १ ॥ जूवें ही कोऊ कहै उठि वे आ एमानों वे मदन मुरारि रहिन
सके इत उत तै ॥ इरि देखत वदन उधारि गोर ॥ २ ॥ धरत पगन लली ये किरे
नरेदरे अति जाइ कीच करोति जरंग्यो कछू है जुगति वहराय गोर ॥ ३ ॥
तन मुख की सारी लसै वाको कंचन सो तन मुख पीये मानों दामिनी की
देह सो रही जे न्हल पदाये ॥ ४ ॥ गुर नितं वनि पातरो मधि पातीरो उरज
जार अधिकाय लेहे गो लंक मलन लाल को लचक लचको जाय ॥ ५ ॥
कुटिल अलक नैनं वडेयो प्यो सो मुख ई ॥ असु ए अधर मुसिकात
सो दीये जाल सिंह को विंड ॥ ६ ॥ बार बार पट पलट ई नौतन नौतन रंग
तव हीत वनिस की सी फिरे हरि देखावती अंग ॥ ७ ॥ लागी लगनि नंदल

लसोंकरैनिवंहिनकाज। चडौचाकचित्तचतुरकोंवाकोंप्रेमहीआये
राजा। लाललखेलालीचदेसस्यतापसीपियारायेयहसंजोगनिवि
हेनीकछूअरजिवीचहीमुजाया। ज्योंज्योंनरनारीसदैमिलिमिलि
रतचवाव। सिरोमनिप्रनुदऊमुनेंवछोचैगुनोंचावार। रागटोड़
होहोहोरी। खेलेनंदकोनंदकोनवरंगीलाल। अवीरजरेजरिजोरी।
चकारीनैनंरंगरंगविबोरीतैसीयेरंगीलीबुजवाला। खेलतगमुरत
रतधरेरागरंगगावततांनतोरंगारंगरामिलिवैवजावतदेनावैनिरसाह

राग का

दरसवमुखरासा। खेलतग
नकेजोरा। खेलत

री। खेलतग। रुलनकीगैंदुकनौलासीकनकलकुटियाहोथ। धा
ईबुजखोरिराधिकाकोटिकनुवतिनसाथ। खेलतग

ये हो हो वो लत ग्वाल न सव संग कां न परी सुनिय तु नां ही वज्र वाज तने रि
मृदंग धर खेलतः ॥ पहलैं सुधि पाई नां ही अवधे रे हैं सां करी खौरि अवह
ल धर उलटो काहे तु मधा वी ग्वाल न जोर प खेलतः ॥ नरत घर तजा जैरा
जित गैंड कनौ ला सी मार वसन रसन छुटत न संजार तत टत मुक्ताहार धर खे
लतः ॥ उडत अवीर गुलाल कुमकुमांजुरि आई सव वांम परी है गुलाल नैन
कर मंडित गहि पाये सखा स्यांम ॥ ७ ॥ खेलतः ॥ मोहन पिपा अकेले करि पाये
चक्र दिस ते छेरि आई धेरि वो लो जू अव आ म छुडा वो वलि ले वलि ही दे टेरि
॥ ८ ॥ खेलतः ॥ आजि हमारे वसि परे हो न ले हो तो जाइ छुडाइ कै वलि छूटो आ
पुने हो कै राज सोती मैं आ वो ला ॥ ९ ॥ खेलतः ॥ एक अवन मैं कहे कछु जाजत
एक नरत अंकु चार एक निहारत रूप माधुरी हरि रहे आपो ही हार ॥ १० ॥ खे
लतः ॥ एक वना वैं दैत है वीरी कर पल्लव छुवत कपोल वध्न न जुवती व
उजाग निहे हरि वसि कीये विन मोल ॥ ११ ॥ खेलतः ॥ एक उवी वति वदन वि
बुक गहे हमत न स्यांम निहारि एक हसैं नैन सैन मिलवित वैन न देत है गा

रि॥२२॥खेलतगेतवैतुमवसनहरेऊतेहमकीनेंअनेकउपायाअवैहमहयो
करीतुमछाडैगीतुनगाया॥३॥खेलतगेआंखिदिरवावतहोकहातुमक
गीकहारिसायाहमकरेहीआपुनोंमनजायोछाडैंगीतुमहिनचाया॥४॥खे
तगेएकगहिलीनोंफैंटएकपीतंवरलीयोछिडायारांधाजूहसतहरिजईग
गदीसैननदेतवताया॥५॥खेलतगेछंडतगुलालअसनमयअंवरछविछ
ईमोंनोंसांफराधाजूकेवेप्रगमकरेनांहीमुखचंइनीलांवरमांफा॥६॥खेल
गेहसिजूआपुनेंकस्मसोंघंघटपटकीयोहरिहसतप्रकासहोतचऊदिस
तैंमुधाकिरनिनर२२॥७॥खेलतगेहसिकहतसहतसवहिनीकेआजूष
नन्नहमेरेदेजानासाकोमुक्ताहोंदेहूंपीतांवरमेरेदेजाएणंकहोकहाफगुव
देहोतुमबोलीसांचेबोलाकैवेंछुटोआपुनेकैदेऊसीदीमाकुयोलेखे॥८॥
खेलतगेमुखकीकहतसवैऔरमनमेंअधिकसयानेंहैकपटकरैगेव
लिजैयातुंमहेजानकिनदेजा॥९॥खेलतगेखेलैफागअनुरागसिंधुवढो
मचीअरगजाकीच।उज्ज्वलरीकुमुदिनलोंसुलीहरिससिराजितविच

लः

अहि

खेलतः २१ अपिसिधनवनिधिबुजविष्पनिडोलतघरघरघरा नवलव
संतवलवविहरतबुंदावनसतनलतनडुमडार खेलतः २२ सोजाअधिक
निरखिमोहनकीमनमैयहैविचारि बुजनारीतैसीक्योंनजईहो कहतसक
लसुरपतिनारि २३ खेलतः जुगलकिसोरचरनरजजाचंसरसधमारहा
रिगार्ये मदनमोहनकीयाछविउपरिसूरदासवल्लिजाय २४ खेलतः रा
ग काकी मोहनके खेलतरंगुरह्योहो प्यारोलालनखेलैफागु खेलमैचल
तकरमै अतितरकमारतीपियकेपाइ वेलिचलीजोवनमदमांती अधरसु
धारसपांनैमाइ २५ इतलीयेंकनकलकुटियांउतहरिओडनिसाई - -
इतहीरंगरंगीलीराधिकाउतहैनंदजूकोलाल २६ मोहनग वागेसरसदो
ऊदिसतेसोहतीकंचनमाल पुंडनिजुरीचहंरिसतेधाईहोंगावतगीतर
साल २७ मोहनग मारडिगरजवजलटिचलीहैवैनीसूरेसवअंग मांनूंइंड
केवदनसुधापरउडिउडिपरतनुवंग २८ मोहनग खेलदगोकोऊजिनिक
रोनागरलालकुंलागेगीछोट मोहनमूरतिसांवरीहोंरारवोंगीअंचरकी

दोटा। पमोहनग एकजुआईआनगांवतेसुंदरीपरमसुजोना। इहवादेमाई
कौनगोप्यकोमारतजौहकेवांन। ६। मोहनगसकलसरवीमिलिबूजनआ
ईउनमेंमोहनराईकौन। ७। वेफिरतधीतपीतांवरमुखसुरलीकरवैन।
८। मोहनगजांजिनेरिडंडनीपरवावजऔरआवजउफतालमदननेरिअ
ररायगिरगरीविचिविचिवैनिरसाल। ९। मोहनगजमुनांकूलमूलवंशीव
टगावतगोपीधमारिलेलेनांवगांववरसानोंदेतपरसपरगारि। १०। मोह
नगफैलैफागप्रेमसौमोहनफगुवादीयोहैमंगायाहरिनारायनप्रजुसो।
११। जावादीस्पांमदासवलजिजाय। १२। तवेलतगेरागकाफीतुमचलौसवैमि
लिजांहिरवेलनहोरियां। आपुनीआपुनीसुरंगधनरीमोतिनमांगनरो।
१३। रियां। १४। घरहरातअधरपरमोतीअंभियांकेसरवोरियां। चौआचंदनअ
गरकुमकुमांजरिनरिदीनीकमोरीयां। १५। रंगहोरियां। १६। अंगसुहंगगुपा
लविराजैतेमलीवनीहैजोरियां। केहरिलंकनितंवविराजतगजगति।
१७। चालचोरियां। १८। रंगहोरियां। १९। पिचकारीमोहनपरिजारतवैहसिधंध

होली २१
टमरोरियां वाजैतालमृदंगअधोरीपटिपदिवोलतवोलियां धरंगहो
यां नैनंआंजिमुखमांडतस्यांमकेसवमिलिकरतकलोलियां सूर
प्रभुसवमुखकीडतविहरतबजकीरवोरियां परंगहोरियां भराव
रंगहोहोहोहोरियां इतवनेंकि सोरललनपियउतवनीनवलकि
रियां १रंगहो ॥ एनवलनीलजलदतनसुंदरदेकंचनतनजोरियां
केअरुनवसनतनराजितउनकेपीतपिछोरियां २रंगहो ॥ कैटनि
गगुलालविविधिरंगअरगजानरतकमोरियां छलवलकरडरमु
लपटावतचंदनवंदनोरियां ३रंगहो ॥ राखीयेकरतडरीयसवन
लिकेसरिकनककटोरियां सनमुखइष्टिवायधीठकेजायेस्यांमस
पेंडोरियां ४रंगहो ॥ वाजततालमृदंगमुखउफमधुरमुखलीधुनिछो
यां नांचतगावतकरतकुतहलपरमतचूरअरजोरियां ५रंगहोरिय
एकनिकरिगेंडकुमुमनिकेऔरफूलनिकीजोरियां जाजनिमारति
तपरसपरपरीरत्नकजोरियां ६रंगहो ॥ याहीरसनिवहो निसवा

वां धिजेम की डेरियां माधुरी हेत के सुख कारन प्रगटी नूतल जेरियां रंग हो रि
सों गाराग का फरवो ले श्री राधा बोले स हो हो होरी खेले श्री राधा गोरी सा
हेली संग सुहाई वनी सवै एक ही दाई खोले सव गजरो फेट निगु लाल अर
नूतन नंद के लाला खोले सव ग सीधो व फलान्ति मगायो प्यारी जू के अंग लग
यो खोले सव ग सवै मिलि धा सो हाई लालन को घेरि कै ल्याई धोले सव
जरी के सरिक मोरी लालन के सी सतें टोरी पखोले सव ग जरी रस दृष्टि निह
रे छुटी अनुराग की धारे खोले सव ग वाजे ३ फताल मृदंगा दीन वां सुरी म
ऊवरि संग ७ खोले सव ग गारी रस जरी गावें तारी दे दे लालन वां वै ७ खोले
सव ग ७ वाजे ७ फताल मृदंगा वै निमुख चंग ७ पंग ७ खोले सव ग सहेली
को नेख बनायो माधुरी के मन को जायो १० खोले सव ग सव हो हो होरी
ले श्री धोरो गोरी राधा का पी खाव जमै होरी रंग वा डो हो सव दिन में ऊ
ला सखेल तमोहन रंग जरे हो नंद राय की पौर हल धर सुवल श्री वा ऊ
श्री दा मां सवल रकन संग जेर रा विव धि ज्ञांतिके नेख व

नी० २ अतिही सुदंग गावत ईगावोरीतारी देदे किलकत अपनै रंग २ दोलक दोल
परवाव जवानी नामां फसं रवड फत्ताल भेदर डम डमी अगनित वाजे विस्मि
चि वै निरसाल ३ कुलाहल सुनत सवै ज सुंदरिस कलसिंगार सवारि
कुंड निमिलि गावत आई हो अतिही परस परगारि ४ डुंडुं बैदिस ते छुटी
पिचकारी घुमयो मै अवीर गुलाल रपट फपट वसन ले धावै तो डटत नरम
निमाल ५ तिहि छिनच पलचंचलचंश वलिहल धरप करे दौरि आं विनि
आं जिमुख मी डिकुं मकुमां छाडे है रंग निवोरि ६ पौछत ननै ननि चोल
नील पटत ननां ही वसन संभार हो हो कहिस बगवाल हसत है बाडो है रंग
अपार ७ तवनंदनंदन फगुवा देन मिसि प्यारी सन मुष आय मृग मदे के
सरकुम कुम अरग जा जा जे है नर लपटाय ८ तव सकुची गोपी सव मिलि
कनकल कुटी ले हाथ तव यों धाई छबीले लाल को रवसित जीनों पटमा
थ ९ जा जे सकल को रवसित जीनों सखी सब संग केली नें घेरि अछुन
नउ वायग ईले पिय को फिरि चितवत मुख फेरि १० प्यारी धाय गहे नुज

लिः

वंदन अति आतुर अकुलाये करत मनोरथ सवही जिय के सरस वसरहे ।
अकुं सजाये ॥ ११ ॥ एक सरखी सौं धोल पटावत मिलि नावत के सरि नीर पीता व
र संयंथ वनावत हीरा धाजू के चीर ॥ १२ ॥ एक कहत वलि वलि जोरी कीरत ज
वन नोहि समांत वंदन निहारत चंद चकोरी अंगन मात है फूसि ॥ १३ ॥ एक क
पोल परसिल पटावत के सरि कुमकुम धोरि ॥ एक जालर चि वेदी वनावत ।
हसत सबै मुख मोरि ॥ १४ ॥ एक कहै जलीवनी है सहचरी श्री राधाजू के जोर ॥ १५ ॥
हसुनि मुसकि हसत पिय प्यारी चितवत नैन निमोरोरि ॥ १५ ॥ या छवि परत नम
न राई लो न उतारि ॥ चिर जीवो जुग जुग यह जोरी कहत यों अहत है अचराप
सारि ॥ १६ ॥ हरि संग करत विहार परस परस विविध विधिर सी कनिक छुव
र न्यो नहि जाई सुरनर मुनि वैय कित जये है रति पति रहे है सिर नाई
कुगु वामन मान्यो दीयो है
तैगावत यह जसदास ॥ १६ ॥ राग काफी

री

ली
३

पमोहनसंगडंडनीउफसहनाईसरसधुनिराजे विचिविचिजुवतीमनमोहन
मऊवरिमुखलीवाजे ॥ १ ॥ स्यांमांसंगमृदंगजांजिआवजअनघातवजावे किं
रीवेनाआदिवाजेसाजेगनगनतनआवे ॥ २ ॥ तवजकुंवरकरलीयेराजतर
तनखचितपिचकाड़ीउनकरकमलकुसमनवलासीगावतगारिसुहा
धतवमनमोहनजुवतीजूथपरविविधिरंगवरषाए सुखसौंजफागुको
लीनोंयोनोंनवधावनमांनोंआए ॥ ५ ॥ तवललिताचंशवलीमतोकरसुव
लसैंनदेलीनों छलवलकरिगिरधरगहिपाएवेकोंपहमतोमनकीनों
६ सरवाजेदआंरिविगिरधरगहिपाएजयोजुवतीनमनजायोआंविआंजि
गूंथिवैनीमृगनैनीजेखवनाए ॥ ७ ॥ फगुशाकपौरहेनेमनमोहनमोतिनऊ
परिमालउतारी वंशीऊटकलईकुकिप्यारीअधरनविलसनहीरी ॥ ८ ॥
दीनेछाजीआपआयकरितवस्यांमसरवामेंआएतवहीआपुनीसमस
रकरवेकोंवलदाऊकोंपकराईएजवहलधरवसपरेजुवतिनकेसर
नैवाएजोईजोईबुद्धिउपजीजियाकेतिहितिहिजांतिनचाए ॥ १० ॥ कीनोंव

चसुवलश्रीदामावलिदाजआनिछुडाएफगुवादेनकस्योमनजायोउ
जपतिदेरसुगाये॥११॥तवउजराजसववसननखनलीएजुवतीजुथदिग
याए॥१२॥देतअसीससकलउजसुंदरीसननैनलखिकोरी॥चिरजीवो
मदनमोहनपियास्यामममोनोगजरस्यामस्यामांजोरी॥१३॥काफीत्रि
जंगीमोहनमवहस्योहो॥हस्योमनसकलघोरवसुरवदैनात्रजंगीगेग्रहे
ग्रहतैवनिमैउजबनिताचलीहैनंददरवारदेवतरूपमदनमोहनको
कीनोंहैमदनविस्तार॥त्रिजंगीगतनतनसुरवकीसारीहअतरोटीछ
विदेतानीलकंचुकीअतिराजतहेदेवतमनहरिलेता॥१४॥त्रजंगीगवि
भ्रिवाहनमरवमोगविराजतसीसफूलकीक्रांतिकरनोटीऔरकरन
फूलमांनोंससिउडगनकीपांति॥१५॥त्रजंगीगमृगमदआडलिलाट
राजितमध्यचंदनकीविंडाकहीनहीजायहिसोभारासीमांनोंराजतई
४॥त्रजंगीगनैनंनिअंजनखंजनसोहेचंचलताथकीमीनावंक
निमैअतिमृगमोहेहैपुतरीकमलआधीन॥१६॥त्रिजंगीभमृत मलय

विबुधविहगसोदेवियतुहै मधुकरसुतजैसोहोय करिमधुपांनपांनसुषदीनोरहोहै
कमलदिगसोयदसि

री० रिभृकुटीराजतमांनजकांसकेवांनछुटतनांहीआपुवसिकरिराषेहैंम
ध दराहकीआंन॥६॥त्रजंगी०नासावेसरिजलसुतराजतउपमाकहीनजाय
मांनोंचंदनिजबंधुजांनिकैलीयोहैनिकटवुलाय॥७॥त्रजंगी०अरुनअ
धरमधुरीसीवांनीसुसकतिवरखतफूलदसनदास्योंकेबीजवोएहैंमध
ली० सुधाकेफूल॥८॥त्रजंगी०चासुचारचुरीहरीहरीपऊचीपुनीआरविराज
सुदारकरपद्मब्रंमुदरीविराजैयेदिगबाजूबंधनरेसुपाय॥९॥त्रजंगी०
मुक्तमालचौकीरवंगाररीडलरीपोतिकंठपचकरीगनगीतमुखतोली
वाकीजाति॥१०॥त्रजंगी०गजगांमिनिजांमिनिअतिप्रदीपतपगनपुर
कुनकारमांनोंमरालमंडलीनृत्यतरसरहोहैस्तआकार॥११॥त्रजंगी०
छुट्टांटिकाकटितटराजितसपतसुरनकुलवाजआतुरकौआई
धाईसवैमांनजमित्रगनराज॥१२॥त्रजंगी०सकलसिंगारकीएवजवनि
ताउपमाकहीकोदिरायकेसमांनोंप्रकटहरिआय॥१३॥त्रिजं
गी०१४॥चऊंनेरिवा मांनोंमुरलीचंगउपंगमदनजै

रिश्रु राय गिर गरी वाजत दोल मृदंग ॥ १५ ॥ त्रिजंगी ॥ चोवाचंदन और अरगज
 सखी जवादि अवीर नव केसरि मंदकीजरि धोरी निरमल जमुनों को नीर ॥ १६ ॥
 त्रिजंगी ॥ छिर के जाय के गेपाल ग्वाल सब वाढो मन आनंद निरत हसत कर
 त कुतल हलराजित श्री वंदनंदा ॥ १७ ॥ त्रिजंगी ॥ राग विहाग ॥ ताल गहि गहे वरसा
 ने की ग्वाल नी होखेलत फाग वसंत संकन मांने काऊकी मात पिता सुत कंत ॥
 वरसा ॥ चंदन गाचं जवली मधिनाय कर जैराधा हो सहज सरूप सुहो वनौ ली
 ला सिंधु अगाधा हो ॥ १८ ॥ वरसा ॥ सकल साज सब लेवली आई वट संकेत हो ॥ प
 वई सखी इक आ पुनी नंद कुंवर के हेत हो ॥ १९ ॥ वरसा ॥ चली सवै चतुरसिरो
 मनिषेल न कोर सफा गुहो ॥ रसिक कुवरि वर कान की तु सो अति अनुरा
 ग हो ॥ २० ॥ वरसा ॥ भवलि मोहन हसियो कस्यो सुन ऊसरवा श्री दां मा हो जेह
 म परि आई सवै जुरी उन मत अति सै जां मा हो ॥ २१ ॥ वरसा ॥ वेग चलो सवै ग्वाल
 ले दिखावो आ पुनें हाथ हो ॥ जै सैं वजरिन आवही छाडि आ पुनों साथ हो ॥ २२ ॥
 वरसा ॥ अनंत गुलाल गुं उडावही अवीर ले दीये हैं निसांन गुरा हो ॥ वज्रत
 ॥ २३ ॥ जै सैं वजरिन आवही छाडि आ पुनें हाथ हो ॥

गरीः

२५

वृजः

कलससौधरेनरेकुमकुंमपैंनरीपिचकारीहोमेघघटाज्योवररवर्षहो७
 दलवलदमेंदेखिहीकैसनमुखआईधोहोमेघघटाज्योवररवरीअदनुत
 गमचाईहो७वरसां०कमलनीललेनैनविलासीकुसुमगैंदुकलेमारीसु
 जागेमनमोहनांहोहो कहैवृजनारीहो७वरसां०चंशवलीवलजुगहेस
 मगहेसुकुमारीहोसरवागयेसवनाजिकैलीएहैंदमांमांछुजाईहो१०वर
 संकरखनसौंधैनरेस्यामनरेसुकुमारीहोनैनिसिसंवारिकैनेखवन
 नारीहो११वरसां०रसवसजईसुंदरीलीलाकहीयनजायहोचत्रजुजप्र
 इनवसिकीएश्रीगोवर्धनरायहो१२वरसां०रागअणोगावतधमा
 आईवृजवासिकुमारिनारिचित्रअंकितडफसवारिगिनटकोरअंगुर
 धारिवजवतरीजर्वगवारि१५गावतगेसुनैनैकैसेसुघररावअर्जकली
 बुलायसंखश्रीगेंचंगउपंगमजवरिवंसुरीमहनाईधुधरूघंटाघप्यति
 करतालसहतारकुंदनीअदंगघारीसाधिलेगहैतानहोनंदधार२गाव
 चोवाअगमदलैमुखमंडितकीएगुलालकेसरिकेसूतीनलोकतरही

पुनकंचनकरसीसुदार। पिचकारीकरनलाईधारा छूटतसुहार्सहचरीसमी
पलारीछिरकतहीहारीहारी। गावतगावतिविचित्रवालमिगविहरितस
मिलजुवतीजयगावतहेसुरसजुतहारीकेगीतगारी। मुरारीदासप्रभुगोपा
लफांगुवादीनोंसंजारहेआसीसजलदिचलीरूपमाधुरीनिहारी। गावतगे
धारागसोरठ। मेरेनंदनपाछेंपत्थोरीकरवचें। सोसिखरीहितसयांनीया
केरंगनराच्यो। एकवक्तकरलेडफगहेरी। पछिदोऊदोहीउठेगाय। कवज
कदेखिनैनललचांवेनैननहाहाषाय। मेरेलीनेडंगरवेगरमेरीआनि
करैपहचांनि। शवारवारकेआंवनेंअैसरवीहोंगईलीयेजियमैंजांनि।
नांमअैरकौलेसरवीएदेरिमोहिसुनावै। होंसमुकेंजोवहकहैसरवीकों
ज्योहरहेवतावै। मोहिदेखिकैंकुकिपरतहैरीगहेलेतऊसोंसहोंडरपोंजि
यअ। पुनेंसरवीसोंसननंदकोवासां। धादिगहोयकहिजातहैआवतकैंधौं
फागतवकछुवोलीहैनहीसबनरनारी। अनुराग। पज्योप्योहोतजनानों
त्योंत्योंपीडैप्रतिवारवारकहतांवनेंसरवीज्योग्रीववहैमुनैन न

०
६

वनीरीवनकछुपान॥६॥होनसमुजोजियआपुनेउतजगनाथसगायाने
रागसोर॥होंकैसैंकैपनघटजांजरीमेरीगैलनछाडैसांवरोंहोंलाजतिउ
रपतिरहोंरीमोहिघरेनकोऊहेरी॥मेरी॥जितदेखोंतितदेखियेरसि
यानंदकुद्वार॥६॥निवातनिकैसैंजीवोमोहिपलकनकरतजुहार॥३॥जमु
नांजलगागरिनरोंरीजवसिरधरूंरीउचाय॥सोअंचरकंचुकीउडेरीमे
रोहियरोतकिललचाय॥३॥मेरी॥लकुटीलेआगैंचलेरीमेरोपंथसवा
रतजाय॥मोहिनिहोरोलायकैंबहफिरचितवैसुसिकाय॥४॥मेरी॥गागरि
मारैकांकरीरीएडीछुवावैपायलात॥पनघटपैंवाढोरहैमोहिदोकतआ
वतजात॥५॥मेरी॥कारुमिसहाहाकरेरीलंगरमोहिनिहारिआदनके
मिसिआदनीपीतांवरमोपरिवार॥६॥मेरी॥मोतनलागुलगैनहीरी
वाकोमनललचाय॥तवहरिमेरीछांहसंवैहीछांहछुवावतजाय॥७॥
अवलगुकछुसकुचतरहेरी॥प्रगटकरतअनुरागअवकैसैंकरिछूटि
रूंजवसीरपतिरीजोऊंफाग॥८॥मेरी॥घरघरतैठजनारिचलीरीविवस

नईन निनारि मांगी फागु जूती दीओ दोऊ जों म मिलि डरसव डारिरी ॥ १५ ॥
मेरी गजो अब जान लालन मिलियो नां हीरी नां चो चो पको नां च सिरोमनि
प्रभू दोऊ हिलि मिलि रहो वे करत मनोरथ सांचरी ॥ १६ ॥ मेरी गेल न राग न ट
जुवती जूथ धिलिखे संग फाग खेलत नंद लाल कुवर होरी हो हो होरी बोल
ना गावत नट नारायण राग मुदित देति वित फाग च जूंदिस जुरी गोप्य पांछं
दो लनां ॥ होरी ॥ च जत आ व ज उ पंगवां सुरी सुवैन चंग मदन ने रिम जू
वरि फफां जि दो लनां ॥ होरी ॥ चलत सुर अने कतां ल सुघर राय श्री गो
पाल वेणु मध्य पांन करत होरी बोलनां ॥ ३ ॥ पहरें तन ना नां जांति जांति सो जां
कछु कही न जात भूखन विविध फट अमोलनां ॥ ४ ॥ गहि कुंम कुम सुरें गच्छि
रक्त पिचकारी जरि जरि परस परदेत कूकुज की खो रिखो रिखो दो लनां
पांकारू को चिबु कचारु परसै कारू की वेसरि खुनी कारू की पकरि हा
र तोरि कंचु की कै वंध छोरनां ॥ ६ ॥ कारू को लेत हार तोरि कारू को गहे नु
जमरोर कारू पकरि छाडि देत कर जंजीरनां ॥ ७ ॥ गोकुल

होरी

२३

सौरंनचङ्क्योरवद्यौसबतनअनुरागउमग्योरसअमोलनाकुंजनव
प्रभुगिरधरपियप्रेमसिंधुप्रगदनयोसुरविमानविद्यकितजयेदेसि
जकीलोलनाहोरीहोहोरीहोरीबोलनागरागधनसरीनिकसेमोहन
लषेलनवृजिमैफागरीरंगहोहोहोधुमझोहैअवीरगुलालमनोउनय
नुरागकीसोभितमदनगुपालकटिबांधेपटसोहनोंकाछनीकाछैलाल
लनिचोयरंगीमनोंमोरमुकटछविदेतअैनमैनमानोंपेषनोंसवहीको
योहरिलेतवंकहसनिजगपेषनोंइतअइद्विजनारिमृगनैनीगजगामिनी
केहैमदनगुपालघनघेस्यौजांनंदामिनीछिरकतपीयनंदनंदतीयपटआ
वचांवनीमानोंघनसंन्योचंदडरहिनिकसिपुनिआंबहीवनैहितियनि
अंगछिरकिछीटछविहेमकीमानोंफुलीरंगरंगललितलतागनपे
कीवद्योहैपरस्पररंगउमंगीउमंगिरंगजरनिमैजवगहिरंगनिजरेमे
नमूरतिसांवरेहरैहरैहरिहसिपरेमुनिमनकैगयेबावरेजईसरस्वत
मतिवोरैआरखेलकहांलौंकहौरंगनीनेसांवलगौरनंददासकैहियव

१ राधा कृष्ण
 हरिनाम
 रसचा
 पसव
 जूकै
 नरिदो
 लै
 मां
 नै
 जे
 जे
 जे

श्री
 द्वि
 च
 ८
 किं
 प्र
 मोह
 ती
 यव

धिकीनीज आबो निज जौं न विराजो जवर सो नौं सकल निवाजो ज अतिक
पा अनुग्रह कीजे ज हम तो अब ने करि लीने ज गुन गनै न परत मुख गाथा
ज वृजिकी नौं सकल सनाथा ज तुम तो सब के सुषदाई ज सुष कीजे कौं न व
डाई ज तुम तो सब की सुषरासी ज एस फल की ये वृज वासी ज तुम तो यह निज
व्रत लीने ज जिन जोई जाचौ सो ई दीने ज यह जग तुम्हरो ज सगावै ज इह मु
ख करि कहा वषां नै ज जव कर गहि टिग वै गरी ज गां वै गरी वृज नारी ज
तुम कौं दूँ दूँ दूँ दूँ दूँ तुम सांच कहौ इक गाथा ज जव गर गति हारे आये
ज वज्र राम कृष्ण गुन गाए ज मुनि वासुदेव करि लेषे ज वसुदेव कहा तुम दे
षे ज यह मुनि मुनि वात तिहारी ज अचिर ज न पजै जिय नारी ज और संका
जिय आवै ज यह जे दको ऊन हि पावै ज पति साधु परमतु म पायो ज यह
त कहं तै जायो ज या के गुन रूप निहारे ज यऊ मिलहि न कूल तिहारे ज ह
म सौं सब लाज निवारो ज जंवे कै कौं निहारो ज कछु कस्यो हमारो कीजे ज
वसि कै सब कौं सुष दीजे ज रहिये कछु घौस हमारे ज हम चलि हैं सकल तिहा

रैजू तुमहमएकैंकस्जिनेंजूनदगांवसोईवरसानोंजजैसैंकछुनंदहिमांनोज
तेसैंदरवजांनहिमांनोजदोजहैपरमसनेहीजूथेएकपांनदैंदेहीजसुनिसु
निजसुमतिमुसिक्यानीजूवोलीकछुमधुरीवांनीजूवसिहैकछुघांसतिहारे
जूकीरतिचलेवसऊहमारेजूतवहसीसकलवृजिनांरीजूजसुमतिकीओ
रनिहारीजूवृजिनयोकुलाहलनारीजूनांचैदैदैकरतालीजूयहरसवरसै
वरसानेंजूविनकुवरिरूपाकोजांनैंजूकीरतिजसुमतिजसुगांयोजूवृजि
वासमाधुरीपायोजूरागविलवलपायामैंडेचसमोंदेवित्रिगुलालअंजी
अस्सीवेलननजांमीइसनीउरदेनालासांवलानीछोहउवेसकडीगली
सत्तेननूंमैंडेमुषपरलांवदारासमालासंमदीअंबियांजुलमकरैंदीयांपां
वेदीनीइकजंजालनैंनूंदेनालमैंनूंकरतसलांमांजवमुउवेषंकहेंदाकी
तानिहाला रागधनसरीअतिछलेंवेलीलाडिलीअलबेन्याकुंजदि
हारीलालप्रेमसिंधुअनुरागकीरिति वसंतमंजरीरसालसंगनेदीनी
सहचरीजुगलप्रेममंदछाकीआहिललितपरागसंदेखेंअंनंनं

गिरहीलपदाय नूषनवज्रविधिराजही वसनलसनकी अद्भुतजोति मां
अतिअनुरागसोंकोटिकलानिधिअवनिउद्योत ॥ अपनेअपनेमेल
षेलतदोजवज्रविधिफाग गोरीऔरसवसांवरीमांनतहैअपनौंवड
४ चंगउपंगमृदंगतालउफ मधुरमधुरमुरलीघनघोर पिचकारिनय
लावहीपोषतचात्रिकनैनचकोर ५ गावतअतिउछाहसौरूपअनूप
वज्रकेलिषेमसुंधासीचीसवै जुगलचंदआनंदकीवेलि ६ फूलजहां
हांदेपियैसरसमधुरमुसक्यानअपार रसिकसवैहितहाथसोंगुहिय
रोअपनेउरहार ७ देपतिसुषनहिकहिसकोंरोमरोमरसनाजोहो ८
श्रीरूपलालहितहियरहो जुगलकेलियहतनमनजोई ९ रागसार
होरीयावगरमेंमांचिरहीहैपनियांनरनकैसैंजांऊ लजलीयेमेरीघूंघ
टपटसोंकिहिविधिनिकसनपांऊं दौरिदौरिरंगजरतपरसपरतिनसं
कहावसाव नागरीकांनूछुबोमोहिजिनिनांवधरैसवगांवथारागप
जरैषतानकीजियेनिजरनरिदिलइत्कदीनिगाहै देषैसबषेलवीच

छुवोमतिवां है क्यारं च नंगु लाल का हं माल की अदां है। लगे गा कलं कमे
रिव नैंगी निवा है ॥ अथ हो लडो ललि प्यंते ॥ राग धन सरी। जमुनां पुलि
न सुहां वनो रंग नीनें जलै। तन मन मोद वटाई यै डोल सुहां वनो रंग नीनें ज
लै। कंचन रवंज जटित वने रंग नीनें जलै। देष तमन ललचाय डोल सुहां व
नो रंग गेमां नो जुग ससि एक वार रंग नीनें जलै। कुमुद निरुली दिग आय डो।
ल सुहां वनो रंग गेय हठ विक विको कहिस कै रंग नीनें जलै। चित वनि मृ
ड मुसिक्याय डोल सुहां वनो रंग गे। च्याह्यो डग चंचल वने रंग नीनें जलै। उ
पमा कछु वहराय डोल सुहां वनो रंग गे। मां नं रूप तमाल मै रंग नीनें जलै। षे ल
तमी न सुहाइ डोल सुहां वनो रंग गे। अजुतरंग वडौ तहां रंग नीनें जलै। सार
द वलि वलि जाय डोल सुहां वनो रंग है नीनें जलै। एराग धन सरी सार द व
लि वलि जाय। सुरंग गुलाल अवीर वंड संग गन रद्यों घुम डाश मनु हर उ
पकार नै र चो है वि तान वना। वड जोट निनां मिनी लागत प्रीत मउर
धाश मां नं सुंदर मेघ सो। छवीली छटाल पटाय सो

डोलः नछिनछविअधिकाय दामोदर हितरसिक जे जीवत शहज सगाय ॥ १२ ॥
 ३० सारंग ॥ फूलत डोल मोहनी मोहन फूलि फूलि वंशी वट छहियां ॥
 डीग हें एक जुजरा जत ॥ एक जुजा दीनें गरव हियां ॥ रितु वसंत के वसन
 रितन रूप छकत चाहत मुख चहियां ॥ सहचरी मुख कुंजन ललिता
 निरखि हरषि राषे हिय महियां ॥ इति होइ डोल सं ॥ १३ ॥ ॥ श्रीरस

अप

श्रीराधावल्लभनमः। तिताल। राग अडाणों। नरिनाजतइह
लिगहिलीनोंचितचोर। उरजिगयेपियवाजलतनदिचरेवे
अपनोंमनजायोकरलईपिषंकारीकरनमरोरनागरियाहै
गवांघिपीतपटछोर। शराग अडाणों। इकतालाजातकिरदल
गहोरीहो। कौरहेयाहजवीचिडवहियांआईनदलकिसोएहै
वचेवजतदिनकहाचाचरमेंचोरीहो। नागरहैलहहैहैहै
येसोथोरीहो। परागविलागरोइकतालारंगहोहोहोरीहैहै
नकी। दामिनिअंगरूपअनिरांमनिस्वामिनितियस्तमहै
मुदिराकानिसिमुखअथमषेलिआरंनहैहोरीहैहैहैहै
दनरनषंनहै। वाजतउफडंदजीसहनाइगो। मुखअननन
गमुखऔसरवरसांनोंतिहिवेरनदस्तअंगसिगननाहै
रिहो। अपअपनैंनवननितैनिक्सीदिदवाचरतइहै

लमनों चौरदारों वावा आकार तिज्जता छिन वारे तन अमोल है देषी प्रियाज
आवत उत मन मोहन अति सुषने सावधान नये गोप सिमटि सब वाजि उ
वाजे घने डुंदि सिगारि धमार नि को सुर मिलि मंडप गयो छा यकौं सिव स
धि छूटि गई अवन मुनि मुनि मन रहे लुजाय कौं उत नंदन दन रसिक सि
मनि इतराधा अमिरां मिनी उउत अवीर गुलाल गगन चटि नई दिव सतै
मिनी वृजनारी पिचकारी धारा देरो कि अंचर पांन कौं मुनि मुनि नर निव
वि सों को करि सकै वषांन कौं रूप लाल ची लाल बाल ल कौं नर त है नियरै
आय कौं गहिली नें घन स्यांम सवन मिलि दांमि नि सी दम काय कौं अंग पर
सि मै रंग वढो दोऊ परिरंजने उर जंई कौं नै नागरिया जव फिरी जिति कौं
वजत चले सह दानै पराज अजौं तिताल रंग हो हो हो होरी मची अग
त छूट कर नि पिचकारी डुंदि सिव मकतर त नषची लाल गुलाल लये
मुख मीउ निमृग नै न नि की नौं हन ची डरत गहत फिर करत मनो दृष्ट दंप
ति अंषियां पी कर ची नागरी दास मिलन ऊक ऊर नि हो हो बोल नि को

जनवचीराराजअडाणैतितालोहारीवेलिगटेदोजकेसरिकीकीचवीच
मोतीवेसुमारपरेहारनिरलकभैरंगनिक्सनिजीअंगनिलपटिरहेकरके

षसैनाथरागप

परजा

रिनारिनवनिर्तितस्यामसुधंगारंगनरे

मउमंग नागरीदासजईअंधियांनकीनिरविनिरविगतिपंग १ राग परज
तिल रंगीलीगलिनविचहोहोहोरी इतनंदनंदनरसिकलाडिलोउतट
खनानकिसोरी उडतगुलालकछूनहिसूकतफकजोराऊकजोरी नाग
रीदासपरसपरदारतजरिनरिकनककमोरी १ राग परज इकताल गले
विचइस्कपयाजंजाल कैंयांमैंगईदिवानीवेषनिनंदनंदनदाष्याल मुहगुला
लपंचणनेमेरेलायारिंदरुमाल नागरीदासजईजसछिणतैंसवसुषदीहट
नाल १ राग परज तिल अरीयहउजमंडलपरमसुहावनौं इहांसदास
हजरसरीति नंदगांववरसानैंकीअववजविधिवाढतडीति उतैकुवरनं
दरायकोइतअरीवरखनानकुमारि लगनलाजउरकेहैंदोऊनांहिसकत
निरवारि गनतरहतदिनफागकेयहआयोसोफाग वौरवौरउफवाज
हीअवदवतनहीअनुराग आजुषेलआरंनहैउमग्योहीयेजलासयेइ
तउततैंआयेदोऊविचसंकेतनिवास गांनरंगगहगडमंच्योहजरस्योऊ
लाहलछाय उडतअवीरगुलालसौंननदिनमनिनहिदरसाय छैलछ

लीछिपसां वरोफिरिचल्योष्टयाजरिजाजितवजुवतिनिमिलिगहिलयो
इतउबीडंजीवाजिरोकिदीयेविचकुंजकौरहीटिगस्यामांमतिनागरि
याइहिविधिरहो नितिवरसांनैजीतिःपरागपरजातितालै रगवगेवसनगु
लालरंगदोजछविमौलंगिलपयायपरे।प्रतिविंदिततनमोजहोजपरछु
दतफंवारेरंगनरेकुंजमहलरसफागमनोहररूपरीफिजीजिउधरे।ना
गरीनागरवदनचंदमैडगवकोरपरफिरिनटरे।परागपरजा।इकताल।डं
ऊनिमैआजुरहसिरसफाग।तालतांनबंधानगांनधुनि।परजगर
ग।वीनरवाबमृदंगमुरजमिलिचल्योऊमकिऊंकारसधिनसहितदंय
गतिलैलैवल्लिछोडतपिचकार।ऊंघांतैआंवनिललटनिकीछिविवरनी
नहिआवै।अल्लेवेलीसहचरीमैचहचरिचाचरिचहलमचावै।नूपुर
सुनतविथकितरहेकोकिलमधुपमरालजउतगुलालगगनआगन
सवहरितऊंजनईलाल।ऊयेअसनसगवगेवसनतनररंगमगेनेह
नवीने।लटपयायलपयांचैतिहिछिउगवरस्यांमरंग

अलकट्टी उरमा लगर वहियां मुसकाते नागरिया हसि वसे महल में होरा
 के मरमांते १ राग पं व द तिताल आज फागु सुष सर सो नौ वर सो नौ सुष
 देत आये श्री चरव नान जू के नंद गो पराज सुंदर सिंगारे सव वीच वल राम संप
 म सो है संग रंग जस्यो कुवर समाज १ की रति जसो दामिली जारिन मै जां कै
 फूं मि मिले बजरा जादे कुल पदां न हो तर सरीति निके बिबिध विनोद तहं
 धन धन वर धै महिंद वावा चरव नान २ गौर गौर वाजे उफ गावै वृज नारि गाति
 गहि महि नीर जई उम ग्यो कुलास होरी को सो हार फिरि मिल्यो सम धां नौ त
 मै आनंद कुलाहल कै वीचरन वास ३ नंद को कुवर चरव नान गोद लीये
 वै ठो लीये नंद चरव नान की कुमारी ५ जं नि कै हाथ दै गुलाल ही धिलाये ज
 व नागरिया वज्र तनि दीने प्रान वारि ४ राग पं व द तिताल रस्यो रंग होल
 सर सायये कण दिस पिपि आर्द्र जवाये कण दिस पिपि आय गां वै सषी सु
 हां वणी साथे संज मुरज सो है साज कुंज सदन रै आंगणै रस्यो मदन कुजा
 ऊवाज फागु ए समै सुहां वणों खेले नवल रंगी लाषेल उडि गुलाल घम

डिली पियरसि कविहारी लाला ॥ राग सोर
॥ कांन्हं निलजगारि जिन दैरे हैं हारी हाहा अवतो सौ कलाज मुख लैरे

पिय नैन नि की नीवोरी कहा कहौ

छिन लगाई है मुख की दोरी ॥ इन नैन कै हाथि विकानी देखन को
उठि दोरी ॥ नागरिया घर वरजितर
उगोरी ॥ राग सोरवा ॥ इक ताला ॥ प्यारीजू केषुलि गये सौ धैं हो जीने वार देवि
सखीय हरीति अनोषी बंधि गयो मन रिज वार लखि रसो वैनां ग्रीवा दिग
दूटि रहै उर हाराना गरिय हृच्छ विहिये वसी विच मन मथ रंग विहार ॥ १ ॥
इक ताला मोहन वारी वसि की जै ॥ हसिली जै हारी मै हो हरि अ

१० बलविहारीप्यारे जो चाहै सोली जै ५ राग सोरठ ॥ इकताल वो लै रंग होरी है
री होरी डो लै रस मंत्र गो पट्टं दता मधिनायक वृज वंदनं दनं दनिक सतज
हां जहां होत के सरिकी कीच करत है कुलाहल वृज वीथि कै वीच भरत है
निसंक जाय तो रिकैं कि द्वार छाडत मन जायो करि फाग मग्न गवार १ सुनि
सुनि उफडं दनी विच मुरलिको साल ॥ कुंडनि मिलि कुंमि कुंमि आईष्ट जवा
ल गाइ उठी गारि गरजि रूप की घटा ॥ उविगुलाल डुं दोर अटि गई अट २
होत विविधि खेल वट्टो सिंधुर सहिलोर गिरि गिरित हां परत गलिन मांऊ
हार डोर नीकैं निहि संक तेल पिजिन के मुष मयंक तिन कौं लाल भूं धिर में
निसंक जरत अंक ३ छटि छटि अंचर गये षूट षूट बार ॥ हारट्टि मगनि पर
त मांन तन ही हार राधे सैन पाय सिमटि धाई सब बाल कहि हो हो हो होरी
होरी पकरे नंद लाल ४ पैंचतशुक किं किनी कटि फिरत संग संग सोरी ल
पटात एकल पटत अंग अंग गजर स्याम उर ऊनि छवि वट्टो रंग रंग ना
गरिया निरवि नैन जये पंग पंग ५ राग सोरठ ॥ इकताल रस फाग अउ

वाजैडफडंजीसहनाईकलगारनिधमारनिधुनिगांनरंगछाईसवरवेल
नकौंउमहेउतकंठतममैनेनांवौहोसाजिकैचलीहैमांनोंअनंगसैनांउ
उतमोहनांरंगीलोइतराधेरंगघोरी।वृजवीथनिपरसपरमांचीहैरंगहो
री।२मांचीहैअनंगधारा।पिचकारीरंगधारावोहोछूटसुहाईनरिभा
जतपकरिलैसिरनावतकमोरी।डंजंओरकैरहीहैककफोरी।पटप्रचु
रउरसरिगेउरहारडोरट्टै।कुकिजूलतहैवैनांवरवारपीठछूटेतियदा
मिनीनघेस्यौघनस्यामरंगनीनोंकोकलैगईहैवंत्रीपटपीतषेचिलीनों
वनमालकौंउतारतवनमालहोतप्यारी।यहछविनागरनागरियाटैरन
जियसौंदारी।पराजसोरठातितांलविचवृजनास्यांरैकुंडराधारूपहैरुडो
यीवकुकांयांजंमकनांचैसीसकैसांरोजूडो।कैसरिरंगनीजीसाडीमैंक
लकिबस्यौछैछूडो।दिषिछक्यापियरसिकविहारीरह्योधीरधरिऊडो।
एवृजफागुनंआजमुहायोआंनंदरूपधरिआयो।ऊह्तासहियेनसमावे

दोहा ॥ वृजवासीरहेरंगजरिमोहनकैअनुराग जुवतीजूथसनमुषचलेमुदि
तमनावतफाग ॥ १ ॥ मुदितकैफागमचावैडफपुंजगुंजरितआवैजीनेरंगसौंज
तिनलीहैमनूंकामकीफोजचलीहैसवकरतकुतहलग्वालामधिनायक
नंदकेलाला ॥ २ ॥ दोहा ॥ अधिनायकनंदलालोउत इतराधेसुकुवारिसंगछिपा
करिकैमनौंउडगनसववजनारि ॥ ३ ॥ उडगनसववजनारीउमडीआवैगाव
तगारी ॥ मुखतैकछुघंघटदारेसोहैसुंदरस्यांमनिहारेचलीअछनिअलछ
कटाछैमच्योनैनअतिआछै ॥ ४ ॥ दोहा ॥ नैनपेलआछैमच्योडुंरिसचतुर
विलाररहेजूइतउतरीजिकैंगजरस्यांमरिजवार ॥ ५ ॥ रिजवारस्यांमअरु
गोरीमहामची ॥ ६ ॥ रहारीपिचकारनिदो ॥ ७ ॥ घनसांवनसोऊर
सायो ॥ नयो ॥ उडिगुलालअंधियारोविचफलकतलालटिपारो ॥ दोहा ॥ लाल
टिपारोफलकही ॥ धंधरिमांजगुलाल ॥ तिहिंसुधधावतजरनमनहरनतसुन
वृजवाल ॥ ५ ॥ मनहरनितरुनिवृजवाला ॥ मनुषेलतदांमिनिमाला ॥ इक
सैचतमुक्तादांमै ॥ इकपौतिहैमुषपांनन ॥ इकलेतजगारहिआंनन ॥ दोहा ॥

आंननलेतउगारइकाघायलवांननमैनं तउतदोजरसपगे षगेनैनं
विचनैनंनारंगकह्योपरतनहिवैनां दृढेहारडोरमनिमाला छुटेछवी
लेवारविसाला। फूटीचुरियांनीवीषुदीसी। वादीमैनकीसैनलुदीसी।
दोहा। लुदीमैनकीसैनसी। थकीषेलिरसफागजीतिलालकौंलैचली
जरीमहाअनुराग। हाअनुरागजरीरंगमांही। दर्दगउरस्यामगलवांही। सो
हैफागषेलिवुनोरीमनमोहनसंगकिसोरी। आयेकांमकेकुंजनिवास।
निसुषदीनोनागरीदासनि। वांदणोंहोलीको। प्रथमवीजनैनवयेमुस
कनिअंकुसजागेरीनेहवेलिरहीफूलिकें। जरहोरीरंगसौं। प्रगटहोनल
गियारियावजफागअमलसरसांनोजूनागरियाउरजेनंदीसुरसुवस
वसोवरसांनोजू। शवरसांनैनंदगांवमैफागषेलहैगरवारीजीतिरहीवृ
जनागरी। हारेजरवाजरवारी। षेलौहोरंगीलीहोरीरंगसौ। रागकाफ़िल
तफागमुहागजरेअनुरागसौंदंपतिनित्यकिसोररसिकवडजागसौं। ताल
मृदंगउपंगपसवडफवाजही। मुरलीधुनिसुनिअवनमैनमनलाजही। जु

हो ल

३६

किमु किमुंडनि कुंडनि सहचरि गां वही लाडल डैती कै प्रेम छ की डल रां व
अपनें अपनें प्रेमेल लीये डऊ औरतैं रुपे सुरसन मुषक छ कह न मरो र
चपला सीचम कात चऊदिस जां मिनी घेरि लीये घन स्याम की ये दिन जां मि
रंग नरी पिचकारी छुटत है हेम की डरि मुरि नरतलै गा वत गारी प्रेम की
धेनरी कमोरी जोरी लां वही कुंम कुंम मेलि फुले ल मुरै ल पटां वही लि
क प्रर पराग जोरी नरि नरि सवै उड वत अवीर गुलाल कहत हो हो सवै
वतं फूंम कदै दै नां चत दं पतिला डिले निरघत हसत मुरव मोरि रूप हित व
गई राग पर ज प्यारी ला डिली व हो रिरंग ब्रछायो आजु अचांन क घेरि स
रोरंग निरंग रंगा यो मन जां वन वां वन सौं जु नरि नरि उर अंतर ला यो
हित अलि रूप अनूप छ वीलो छा कनि छ क्यो अपना यो राग धन सरी
हंदा वन सहज सुहाव नों न वना गरि ए एरी नवल न वना गरि ए न वना गरि
हनि धां न वनां हां हां अवै टेका होरी धेलन कै मतै न वना गरि ए एरी नवल
निवै वे करवां न वना गरि ए एरी नवल ग मां न मना वत प्रथम ही ए न वना

ए। एरीनवगं दोऊ करत परस्पर अंनिन वनागरि ए। एरीनवगं टेदि मेदि मिलि पेल
हीन वनागरि ए। एरीनवगं हसि दीये हैं डल हनी पोनन वनागरि ए। एरीनवल
नवल निकुंज विराज हीन वनाग ए। एरीनवगं रवितनया कै तीर न वनागरि
ए। एरीनवगं भृगु विहंग कुलाहलान वनागरि ए। एरीनवगं नवन वज्रु वतिनि
की जीरि न वनागरि ए। एरीनवगं मंम ओटकी सांवरी न वनागरि ए। एरीनवगं
गोरी कै गोरी गात वनी न वनागरि ए। एरीनवगं उम गिचली चितचों पसों न वना
गरि ए। एरीनवगं अपनी अपनी गहि घात न वनागरि ए। एरीनवगं सव सषी म
न अनुसारि न वनागरि ए। एरीनवगं उन साजिल ईस वसों जन वनागरि ए। एरी
नवगं लाल रतन मनि की कुंजी न वनागरि ए। एरीनवगं केसरि की ओजा ओ
जन वनागरि ए। एरीनवगं कस्तूरी कर प्रसों न वनागरि ए। एरीनवगं साधिकु
मकुमां आदि वनी न वनागरि ए
एरीनवगं घसि गौरा मेद जवादि न वनाग
वनागरि ए। एरीनवगं सव मिले हैं संचि सुरताल न वनाग

नईमतीआवजीनवनागरिएएरीनवः वरकिंनरकठतालनवनागरिएए
रीनवः गावतचेतसुहांवनीनवनागरिएएरीनवः पेलतमेलिमिलिवांहन
वनीरिएएरीनवः वट्टाहैसंवनिसंकेतनवनागरिएएरीनः लैलांवनिलागे
कसीनवनागरिएएरीनवः वैनीकटिसौलपदायनवनागरिएएरीनवः अ
धेकुचकंचुकीकसीनवनागरिएएरीनवः अतिआनंदउरनसमाहिनवना
रिएएरीनः आगपालैसनमुखनईनवनागरिएएरीनवः इनिदीनीहैजुगति
वनायनवनागरिएएरीनवः अरगजापिचकारीचलीनवनागरिएएरीन
वः सवैजरतपरसपरधायनवनागरिएएरीनवः घोवाकेचहलेमचेनव
नागरिएएरीनवः नएअंवरअरुनअवीरनवनागरिएएरीनवः हारि
जीतिनहिसमफिहीनवः एरीनवः अतिमनमगनगंजीरनवः नवनाः फा
गपिलावतफूलसौनवनागरिएएरीनवः देसैननहीसंनकारिनवः एरीन
वः नैनकमलकङ्कलनरेनवः एरीनवः अवमचीहैकटाछिनमारनवः
इकजुकिवैठीपीठिदैनवः एरीनवः इकमांननिकैमुखमोरिनवः एरीनवः

एकमनावतदीनकैनवनागएरीनवःशकपाइनपरंतनिहोरिनवःएरीन-
दिनडलहनिकोइल्लैवहरीएरीःदिनडलहकोदेगारिनवःएरीनवःगाव
तसुषदैसुषलीयोनवःएरीनवःमुखचुंवतनरिअंकवारिनवःएरीनवः
सौधेमेंसौधासवेनवःएरीनकोनपिछोंनैकाहिनवःएरीनवःद्वैसवैपेमर
सरंगरंगीनवःएरीनःएरहेहैरसिकसुषचाहिनवःएरीनवःमेरोकुंजविहारी
कौतुकीनवःएरीनवःयहकौतुकरहेहैलुजायनवःएरीनवःमन्ननएसम
धुरीनवःएरीनवःगरसपीवतसुषदअघायनवःएरीनवःहोरीपेलतरंगर
ह्योनवःएरीनवःसवगोरीलईहैबुलायनवनागरिएरीनवःकोंगोरीके
सांवरीनवःएरीनवःस्यामहैगोरीसवैनवःएरीनवःगोरीकेतनम
नस्यामनवःएरीननिरखिवदनतनमनमयेनवःएरीनवःयोसफलकी
योसवकोमनवनागरिएएरीनवःचातनिरहसिद्विहसिवदीनवनाग
रीनवःसवइहिविधिपेलतफागनवःएरीनवनागरिए
कोनकीरसरीतिनवनागरिएएरीनवःअगटकीयाअ०००

गरीः एनवः सरदीसहेलीसहचरीनवनागरिए एरीनवः श्रीहरिवासीरसरसि
नवनागरिए एरीनवः विपुलविहारनिवासकौनवनागरिए एरीनवः हसि
रीजिदईस्यावासिनवनागरिए एरीनवनागरिए २० राग सारंग हजराजकुं
लीः वरवरखेलहिहोरीहैरीमुनहिउफधुंकार वृजिवौरिपौसीवृखजांनकीपौ
मांचीहैपिचकारिनमार ससिवदनीमृगलोचनीनारीसवतनअतिसुकुवा
तिनमधि श्रीवृखजांनकिसोरीराजतपरमसंस्तलनुदार नवनवचीरसुध
रिनवलतनसोजितपरमसुदार नईनईगतिन एनेदपरस्परगावतमंगल
चर आंविआंजिमुखमांडिलालकोकीनोंसरससिंगार होहोहोहोहो
हिटेरतवाटोहैधेमअपार कीरतितिलककीयोमोहनकैव ऊरतननि
रिधार जैश्रीकमलनैनहितखेलिचलेहरुपहरेंमीनरसजालपार
सारंग॥

अथ कूलमंडलीनिकेपदारागसारंग। वैठे लाल कूलनिके चौवारे। कुर्वी
कवकुलमालती चंपोके तु किन बल निवारि। एजा झुही केवरो कुंजो
राय वैलमहकारे। मंदसमीरकीरपिकरूजितमधुपकरतुंकारे। मंदस
मीरकीरपिकरूजितमधु। एराधारवनरंगनरि काउतनांचत मोर अरव
रो। कुंजनदास गिरधर छविउपरकोटिकमनमथवारे। शारागसारंग
चलो किन देखन कुंजकुटी सुंदर स्याममदनमोहन जहां मनमथ फौज
लुटी। सुरतिसुरमेलिरतन सरवी की मुक्ता लरदू। जरज तेज कंचु किचु
रुकुट नई कटि पटग्रंथि छुटी। चतुरसिरोम निरसिक सुरनंद सुता ली
नी अरधर छुटी परमानंद वालनि गोविंद संजी की जोर जुटी। शारागसारंग
गावैठे लाल निवड कुंजस्थली सकल सिंगार की यो स्मरुं वैठे जेवन
नलली। चंदन लेप की येत मराजीत सो जित कुंदरू ली। पग गुलाब
जरि न कुटी परगुंजत फिरत अली र विविध के ली डत मिलि दंग
ति आनंद नम गिचली गोविंद प्रभु बलिक लिय हजोनी नि

रूलमं

१ राग सारंग ॥ वैठे लाल कालिंशी के कूल सघन कुंज चऊं दिस फूल
ललित लता के मूल ॥ २ कुंद माल श्री कंवनी विच विविधि नांति के
रुचिर प्रवाह वज्र तय मुनां मध्य त रुत माल रहे फूल ॥ ३ नां चत गावत
वजा वत सकल सरवाली ये संग गोविंद प्रभु की छवि निरखति होत
नेन जंग ॥ ४ राग सारंग ॥ फूलन की मंडली मनोहर वैठे श्री गोवर्द्धन ध
जा झुही कुंद के तगी राय वेलिसो सरस संत्रारी ॥ ५ चंपक वकुल गुला
वारो विविधि जांति कि निचित्र सारी वैगी निकट रसिक निराधा फूल
पहरे तन सारी वरन वरन फूलन के नूरवन फूलन पागवनी अति न
गोविंद प्रभु फूलै अति सो नित निरपि फूली हर खजांन डलारी ॥ ६ रा
रंग ॥ चलि सरवी कुंज विगुपाल जहां तेरी सो मदन मोहन पै चलिते जांउत
॥ ७ आछे कुसम मंदमलया नल और कदम की छांह तहां निवास की यो न
दन धित तेरे तन मां हि ॥ ८ ऐसी वात सुनत वृंत सुंदरितो हिर स्यौ क्यों न
पर मां नंद स्वामी के संग मजा गवडे ते पावे ॥ ९ राग सारंग ॥ अति विचित्र

औरः

लनिकीचौरां डी। वैवेतहारसिकपियप्पारी। राइवेलिमालतीमधुरीचंप
वकुलगुलावनिवारि। जाइजुहीकेवरोकुंजोकेतुकिसेरनपरमसुखका
शिंपाउरऔरसेवती। मिलिबौलसरीरुचिरसवारी। नवरसरंगपर
रउपजतवनिहेसंगराधासंकुवारी। चननुजप्रजुकुसमसेजपरिकरतवि
लासदोऊपियप्पारी। शरागसारंग। कुंजमहलमहललनारसजरैवैवेसं
गपियप्पारी। रुचिररवनिक्वदनपरमृगमदतिलकसवारी। एधन
चंचिकुरकुसुमनानाविधग्रथितमृडलकरचपलचंपकवकुलगु
वारि। गोविंदपियप्रभेरसवसकरिलीयेमदनमोहनगिरधारी। रास
डी। फूलनिकेमहलफूलनिकीसज्जाफूलेकुंजविहारी। फूलीराधा
फूलेदंपतिअंगमगनफूलेफूलेगावततांनन्यारीन्यारी। फूलेफूले
लनिलीनेंफूलेआनंदहेदोऊसुखकारी। हरिनारायनस्यामदासकेप्र
भप्रियातिनपरवारोंफूलेचंपकगुलावनिवारी। रागदोडी। वैवेलाल
निकुंजनवनारजनीरुचिरमालिकामुकलितत्रिविधि न १

कूलमः

२

कांमकेलिमनमोहनमदनवन। वृथागोहरकरतिकिसोरिकारनकवन
चपलचलितनकीसुधिविसरिसुनतप्रवन। हितहरिवंसमिलेरसलंप
धिकारवन। इतिः॥ अथ कूलमं लीपपदलिप्यते। फूलतकूलनईअति
निर्मिततरलहिडोलविटपतरुहंदाविपुनविहारी। सकलसषीअतिमुदि
ईवऊरंगपहरेतनसारी। नृकुटीनंगलावंन्यअंगडतिकोटिमदन। विन
अतिसैगोरराधेग्रीवामै। स्यामभुजाछविन्यारी। दामिनिअचलविराजित
नौ। स्यामघटाछविकारी। वरननकहाकीजियेप्रेमको। रुचिदायकजहं
री। श्रीकूलदासहितयहसुषदेष्टतप्रांसंपदाचारी। रागविहारी। कूल
लपियस्यामां दोऊपरमजदारी। कूलेश्रीराधावद्वनफूलतपदभुरव
संजारी। सिरसेहरोफव्यो। कूलनको। वरनवरनरंगधारी। कूलनिकेअ
खनअंगअंग। नूषितमृडभुजचारी। श्रीहंदावनकूल्योनानाविधिदु
मप्रतिछविन्यारी। सरदवसंतसदाहीतहांजहांराधारवनविहारी। निर
निरखिफूलतललितादिकचत्रभुजप्रभुपरिवारी। कूलेसुरमुनिवर

कुसुमितदेहदसाजुविसारी। श्लिखलडोलकेपदा। अथरुलरचनाकेपदलिप्य
ते। रागकेदारो। फूलनिकुंजगुलावकीवनीकवनीअतिसोहै। फूलनिसौवै
प्रियालालतहांछविजोहै। फूलचंमेलीपीतकेनूषननूषितअंगसीसचं
काफुकिरहीपङ्कपमालतीसंग। शवसनअरगजारंगरंगेतनसुषप्रनाप्र
सीमहकनिसरससुगंधकीलितनिलतनिआजासी। पांननरेमुखचंद्रमा
मृडमृडहसनिसुहाई। किरनिसुं प्रकासीविपुनमेंअलिउडगनमेंनाडीधरा
जमायोरायसोसाजसमाजलीये। सबसषीमनअनुसारितीरिऊवततनमन
दीये। पापङ्कपांजलिकरिवारनै। निवृत्तिगुननप्रवीनलालरूपहितंसहच
निकटमुनावतवीना। दारागकेदारो। एफूलफूलेरीटुंदावननवनिकुंजमें
रमेंटेकाजुगलकुंजवलमुखकमलविराजत। गौरवरनसांवरेतनासरसपु
लिनसेवतसज्पासषीउपजतकोटिमदतमन। एफूलतफूलतप्रेम
रजस्वासमिलेपवनमहामाधुरीपीवतनैननरिसहजसनेहीसुषसदन
विहारीदासरसिकनिकीजीवनिसंततिसुषदधनीधन।

फूलमंग

३

फूले फूले फिरत स्यां मां स्यां मरुली कुंजन मां ही फूली कुंजन मां ही फूल्ये
रहार हमेल फूली फूली करत के लिह त घन दं मिनि ज्यों लसत दोऊ की ये
ही फूली ज्यों न जग मगात ता में फूली बदन कांति कुमद कली फूली अल
मन जल साही ॥ कहै जग वां न हित रां मराय प्रभु देषि फूल्यो हंदावन पड
टिहोत जहां जहां चलि जां ही ॥ पाराव के दोरो ॥ फूलनिकी वैनी गुही फूलनि
अंगिया फूलनिकी सारी मां नौं फूली फूलवारी ॥ फूलनिकी डलरी हमेल
फूलनिके फूलनिकी चौकी चारु फूलन के वाजूबंध और गजरारी फूल
के तरौं नां कुंडल और फूलनिके फूलनिकी किंकनी सरस संवारी ॥ फूल
ल में फूली है राधिका प्यारी ॥ फूल फूले नंददास लेत वलिहारी ॥ पाराव के
फूली फूली डोलैं कुंज सदन में मदन मोहन रस मां ती ॥ जिन वसि की ये विह
हार निमंद मंद मुसिकांती ॥ कि सोर कि सोरी वांहां जोरी लटकत चलत
ती लडकाती ॥ हरि नारायन स्यां मदास के प्रभु परसुख वरषत अन्न जाती
॥ के दोरो ॥ देषो कुंज की परछां ही ॥ फूल ऊरो पा फूल चंदो वा फूल की पि

फूले फूल प्यारी तन मन देऊ फूल न सेज विछाई हरि नारायन स्याम दास के प्र
नुकी प्यारी वरनों कहा सुख वासी पराग के दरो। कुंज सुहावनें मन नावन व
निव निवै ठे श्री राधारवन वरन वरन कुसुम प्रफुलित ससि की किर निज गम
गात तै सोही सुषद वहत पवन। अलि गनपि कमल गावत निर्गत सिधे आन
दन वना हरि नारायन स्याम दास के प्रनुकी प्यारी विद्वारि न उपरि रति पति
स्या गै है न वना। राग विहगा डो दोहा। फूले फूल निस्वेत दिव अलि वैवे न बुन
नदं पति हित बंदा विपुन धारे अग नित नैन नगरंग रंगन पुन फूल के रदे फूल
तन फूल अंतर की वाद रिमनों अगरी अंग अंग फूल रवन फूल पौ फूलो।
जुमनु फूल वेस अगिराम सवै करी फूल निस फल मिलि कै गोरी स्याम।
फूले फूले लसत है दोऊ दीये गर कंदाल पि फूल नागरिस धी फूल कुंज नि
मां ह भराग विहगा रोता लचक फूले वज्र फूल न सो उंदावन सो ना दिन ना
मै फूली गाँदिकानि सि अति छवि छाई है। धपन
ति फूल निसं मिनी मंठ पवन सिय राई

सर
ध
रुलनिकेरुलनईहियेंलपिरुलीवनराईहे। नागरिया मिलिडुंरुलनिस
लकरीजुजधरिअंसरुलिरहेसुषदाईहे। रागवित्गरोइकताल। रुलन
केवेषनववसनवनायलीयेरुलनिकीक्पारीसीकुंवरिअलवेलीहै। रुल
निकेअषनवसननांतिरुलनिकेरुलनरीठविजरीहरीयेनवेलीहै। अधर
धुरमकरंदलैनरुलनिकौरुलसौअलिंदस्यांमजुनिसकेलीहै। रुलीहैजु
ईत्तमैरुलपंकर्वनिनकीनिरपैअकेलीकेलीनागरसहेलीहै। तालच
का। रागवित्गरो। रुलमहलमैरुलीजौंहेजगमगी। तामैरुलेकरैंकेलि
मांस्यांमसुषजेलि। रुलनिमरगजीवासरगमगी। रुलसरअरसांनैरुलरंग
येसोहेनागरियामोहेमनरीऊनिडगमगी। रुलनिकीसैंनी
रागप२ज। तिताल। सषीअजुनिरविसुषपुंजरीतहोमैनगोनअतिगुंजरीदंय
हियरुलनिलीयेंवजुलनिसौरुलीनवकुंजरी। रुलनिकीसैंनीपरदैंनीगर
हीतनरुलनिकेसोहतसिंगाररी। रुलनिकीरुहीहलिवरपेंलताहैहोततैसी
लनिकीवहतवयाररी। रुलीहैजुन्हाईफिरीमदनडहाईहोइरहेआरतिगन
धनस्यांमगातररी। रुलनिसफलकरीनगरियाअजुहोअपरमसलोनीप
गनरी।

॥ अथ श्री आचार्य जी के उक्त वा राग जै तं ॥ जै जै जै श्री वद्व
 पदारथ निन के हाथ ॥ एक रूमारग निन प्रगट कीयो नाम
 उधस्यो ॥ सक्त मत्तर घंड निरूपे वेद प्रेम स्नेह को जौ नैनै दश
 मर्धनुज दंड माया वाद कीयो मतर बंडा ॥ परम पुरुष पुरुषो
 जन करत प्रसंसी ॥ आजा के नाम करन गुन रूप अमंत निर्मल
 लिसंतादा सुंदर स्याम कमल दल लोचन कृपा कटाक्ष नक्त
 कामना शरन शरन काम ॥ अहर्नि सज पत तुम्हारे नामा ज
 रन कीया द्यस गुणाल न जे सुष होया ॥ राग जै हू देली नदन
 ज विहारी वद्वन तन बन मोरे ॥ अंग अंग विपनि छिपनि ध
 फल फल प्रति दौरे ॥ करत प्रवेस विरंज कन्ही सैत नित ल
 पद्य ना जे मधुरे स विचार तल लक्षण जट मुत ओरे ॥ राग जै

चार्य श्रीवद्वन्नतजिअनतनजाऊं चरनसरोजमूलघरछांऊं
आनेंदरूपानसमांऊं ५ श्रीवद्वन्नकोजोमनजांऊं जसुमतिसुतको
लाउलडाऊं ६ श्रीवद्वन्नकेसरणरहांऊं मुकतिमहासुखहों विसरां
श्रीवद्वन्नकोदासकहांऊं रसिकसदायहनेमनिवारूं ७ रागजैहूं
वद्वन्नवरश्रीविठलसाथे निजजनपरकरतकृपाधरतहां समर्थे १ दोस
सवैहरिकरतनक्तिजावहियेधरतकाजबवेकरतसदागावतगुनगाथे
काहेकोंदेहदमतसाधनकरिमूरखतनविद्यमांनआनेंदतजिगेहतवं
उपाथे २ रसिकचरणसरणसदारेहतहैवडजागिजनअपनेकरिगो
लपतिजरतसनेहवाथे ३ सरनसरननक्तवचलकृणनिधानकरत
कृपाधरतहाथमांथे ४ रागदेवगंधार ५ आजवधाईमंगलचारगावत
गीतजुवतिजननवसतसाजसिंगार ६ मंगलकनककलसमंगलवं
धत ७ वंदनवारमंगलमोतिनचौकपुरायेपंचसष्टगृहद्वार ८ घर
रमंगलमहामोहेछो श्रीवद्वन्नअवतारहरजीवनप्रनुयज्ञपुर

श्रीलक्ष्मननपकुमार। शारागदेवगंधार। नयोजगतपरजैजैकार। प्रगटन
 ये श्रीवद्वनपुरसोत्तमवदन। अगनि। अवतार। धनि। माधो। मास। एकादसी।
 कृष्णपक्षगुरवार। श्रीमुखवचन। कलेवर। सुंदर। धरे। जगमोहन। मारा। श्री
 जागतात्मक। अंगजे। प्रगटकरत। अवतार। उदनि। देव। जावतगावत। सुरव
 धू। मंगलवार। ३। पुष्टि। प्रकासकरै। गे। नुव। परजनहित। जगउपकार। आनंदउ
 मगलोकत्रय। ऊपरजनगिरधर। वलिहार। धारागदेवगंधार। नूतलमहा
 महेच्छो। आज। श्रीलक्ष्मनगृहप्रगटन। एहैं। श्रीवद्वनमहाराज। आज्ञा। दर्श
 दयाकरि। श्रीहरिपुष्टि। प्रगट। बैकाज। कलि। मैं। जनमउछा। स्यौतत। रविन। रूड

छाडि। लोक। अपवादे। धरधरमंगलवजतवधाईस
 प्रेमकीपाजारसिक

श्रीलक्ष्मणगृहप्रगटन। एहैं। श्रीवद्वनमुखदाई
 १। मगनन। एनगनतवतारु। एतीनलोकपरगाजा। ४१३

वार्थ

गसकलनकनकेपुष्टि नरुप्रगदाईजसुमतिग्रहनिजसुखदेवेकोंसुखमूरति
प्रगदाई॥ अतिसुंदरविधुवदनविलोकितसकललोकोनरहाई कहतसुन
तसवहिनसोंरुलेआनंदउरनसमाई॥ श्रीजागवतअर्थप्रगटकरनकोंजा
गनदईहैदिरवाईनईनकवऊकैहैऐसीअवनिधिपाई॥ सदाविराजोसीस
हमारेयहमूरतिमनजाईचरनरेनसेवककोसेवकरसिकसदावलिजाई॥
रामरामकलीजजिकमलतेमृडनाथचरणेंदेसकालातितअंसीअंसआगर
नागरश्रीवद्वनएकरसनं॥ रजितमायावादसकलदिसदिसकरिभूतलस्वम
तकरतविस्तारन॥ षोडसकलामांनंप्रगटविधुमंडलअवतमधुओवऊताप
हरनं॥ अंगअंगरससिंधुकरनपुटनैनपुटसादरजेरसघूंटरनं॥ कहैसु
नदासवलिजांऊयैभोकिजाहिपरसतगयोज्ञातवरनं॥ राजविदेसमातउ
विषातउविश्रीवद्वननिजनामपाहिजनसुकज्योंपदावै॥ यहरसिकसेतअ
रनहिआवैरंगउपरमानोंनवरंगचदावै॥ धीरवलवीरविनुऔरनांहिही
येकचितआवर्णपायनलुटावै॥ कहेसगुणदासहोंवलिजांऊताकीनाथ

हिनाथ कहिएसी इदावै शाराग विजास। जपतपतीरथ चरतने मधर्म कर्म
श्रीवह्नन प्रजु कोना मा सुमरो मनर सना है अर्निसर दो। उरिद कटे सवरे स
वकां मा ॥ देव से ज सुदा सुत करि लीला सहित सदा सुख धाम रसिक कहै नि
करो नित साधन तजि न जो आगे जं मा शाराग सारंग ॥ आन सुदि एक
धराति। प्रगटे हे हरि क रूपा करि साधन विनु जीव सवन धारो। आजा दर्श
वह्नन को ब्रह्म संबंध कि सवहिन के जीव देह पंच दो स निवारो से वा कर
वाय अ अपनी उन के कर जो जन करि अधरामृत जूठि दे के परम फल विचा
र सिक वरन सरन आसर हत है नि स दिन पास दा स नि के दा स ते ऊजल नि
रो शाराग सारंग ॥ श्री हंदा वन विधु प्रगटे न ए श्री ह्नत मन न दगे ह ह
तिको मल पुटै ल कित तन प्ररित र सा व धिली लानि जन परवर रवे नीर ह
पति पद ने हा ॥ अति नांग द श्रुति विचार विसद करि न पंडित वर को टिम
न सुंदर वर आ ए कि ज दे हा यज्ञ पुरम क विजन कहे व वार वार स्तुति करे
से गो विंद जिय मैं व सो श्री गो कुल पति आ ए हा शाराग

सेमरं वै साखे श्रीवद्वन्नमहरिजनमलिया। श्रीवैलक्ष्मननंदनत्रिभुवनवं
ननरुमारगजिनप्रगटकिया। ॥ १ ॥ प्रगटकीयाजिनिनरुमारगवध्वज
वजीवछिडाईया। अनेदांननिसानमहलाचितजिनहरिकोंदिया। ॥ २ ॥ गोप
लदासअनंतलीलाप्रगटश्रीवद्वन्नमया। ॥ ३ ॥ दाताजुगताऔरनइजासां
चात्रिभुवनराईविरहनिवारनमजलतारनदेखतउपजिचाई। ॥ ४ ॥ देव
देखतहरिकोंचाहउपजीसकलडखनसावईजाकोनांमलीयेऊरैपाति
करजोरेनिगमपुकारही। ॥ ५ ॥ पतितपावनविरदजाकोसोवमाधोकहिय
गोपालदासअनंतलीलाप्रगटश्रीवद्वन्नमया। ॥ ६ ॥ रागविलावल। एहजवा
सियांगोपगुवालियां। एगोकुलकेलोगारेहां। एकनकीडाविहसिमुख
बीडांहरिसेवारसजोगारेहां। देकरसजोगऔरसंजोगमिलियां। हियेअं
दरिरमिरया। तबालचरित्रअनंतकीजावाहिमाधोगुनकह्यो। तेरीजल
मूरतिदेखिसूरतिराधिकाअंदरिगईगोपालदासअनंतलीलाप्रगटश्री
वद्वन्नमया। ॥ ७ ॥ रागविलावल। रनब्रह्मसनातनमाधोकलिकेसोअवता

जिनजै सो देख्यो तिन तै सो पेरव्यो नरु प्रांन आधार श्रीवद्वन नही ये अंतरा
खिये रांम कृष्ण मुकुंद माधो सदा जिम्मा जाखिये गोपी नाथ अनाथ बंधवे
दसंक सण मया गोपाल दास अनंत लीला प्रगट श्रीवद्वन नया धाराग
धनसरी आनंद मय श्रीलक्ष्मिन नंद कुमार अनुव पर प्रगट न ए सरन पु
रु सो तम जित् कीये उधारा एकार न साधन इहो इकै कीये जु अंगीकार
कृष्ण दास प्रभु श्रीहरि कीलीला जानै जान न हारा थाराग धनसरी जा
गन नृत लवद्वन आये करि कसना लक्ष्मिन धर कलि मै दृज पति प्रग
ट कराये। एवितात जो न जो इन के पद महा पदारथ पांउं दास जनन के
सकल मनोरथ सरैंगे मन जाये। गसाधन करि जिन देह डरवा आए फल
रूप वताएर हो सरन परिस वइ करि मन अव आनंद वधाए। तन म
न धन नौछावरि इन परिकरि निन देऊ जडा एरसि कसदा वड जाग तेइ
न श्रीवद्वन गुन गाए धाराग धनसरी श्रीवद्वन अपनो दास दीन जे
निकै जिन विसारो कसना करि वज्र एक मेरी दिस निहारा पहमा

चा

जागन
रुलिम
रनसा
वेहो

अपराधदोसकोईजिनविचारो॥कियोजुअंगीकारसोईचितधारो॥२॥चरन
कमलवांभितुमछांडिजिनविसारो॥कहवाएतेरेअवसुनेकोपुकारे॥३॥रा
गआसावरी॥४॥तिबंधीश्रीवद्वनपदसोंऔरनमनमेंआवैहो॥पुष्टिपछं
नषट्दरसननिकेजोकोऊकछूवतावेहो॥५॥जवतेअंगीकारकस्योहैमेरे
तवतेकछुनसुहावेहो॥पायोमहारसकोनमूढमतिजहांतहांचितनटक
वेहो॥६॥नंदनकोनिकोनिजुसेवकहदकरिवांहगहावेहो॥७॥जिनको
ऊकरोनूलिमनसंसैनिश्रैकरिश्रुतिगावैहो॥रसिकसदाफलरूपजांनिले
उछंगजलरावेहो॥८॥रागआसावरी॥श्रीवद्वनसुवनसुजानश्रीवीठलन
थरहोजैसेसरनसंतगहेमेरेहाथ॥९॥पस्योआरतहोंपुकारौनवसमुडकेपा
थरसिकवीनतीकरेरारोचरनकमलसना॥१०॥आषातीजकेपदलि
प्यते॥रागसारंग॥अक्षेत्रतियाअक्षलीलानवरंगगिरधरपहरेचंदनवां
मजागहरवजांनमंदनीविचविचचित्रदेतनववंदन॥११॥तनसुरवछिई
जारवनिकरिपीतउपरनांविरहनिंकंदनउपरउदारवनमालमल्लिक

सुनगपागजुवतिमनफंदनोनखसिरवरतनअलंकृतनखवनअचि
हृजमारगजनरेजनकलदासपुनुरसिकमुकटमनिलोचनचपललजा
जनअरागसारंगअनुवनेनंदनंदनरीनवचंदनकोतनलेपकिये॥
तामैंचित्रवनेकेसरकेराजतहेसरिसुनगहिये॥पुतनसुखकोकटिवन्यो
पिछोरावादेहेकरकमललियोउरवनमालपीतउपरनांअनंनसरसे
वियो॥करनकलप्रतिविंवकपोलनमृगमदतिलकलिलादियेचत्र
पुनुरिधरनलालसंगटेटीपागरहिनृकटिछियोअरागसारंगदेख
सरवीगोविंदकैनवचंदनसोजितसांवरअंगनानांतिविचित्रकीयेता
मैंकेसरअधिकसुगंधंअंगारकंवमालपियरोऊपरनांवनीझारपचरं
गार्काननकरनकलजुकुटीगतिमोहितकोटिअनंग॥मृगमदतिलक
कमलदललोचनसीसपागअधरंगचत्रजुजपुनुरिधरनसंगछिनुछि
छविकेउततरंगअरागसारंगकोन्हमनोहरमीवेवोलमोहनमर
तिकवदेरवोतोसरसरजचंचलडोलास्फोमसुनगतनच

ली रेपी। तनिचोल। हीरालालकंठमनिमालानंदलीयेवज्जमोल। २ परमानं
स्वामीसुरवसागरवालदसागुनलोलखेलतफिरतसकैवीथनिमैंगवाल
येसंगवोल। ३ रागसारंग। आछोलालउपरनांजीनौ। तनसुरवस्वातिसुदे
अंगपरवज्जवअरगजाजीनौ। ४ अतिसुगंधसितलऔरचंदनसुंदरचरण
कीनीरहीधसिनृजटीपरपागडपेचीकोटिमदनछविछीनी। ५ सथनव
जरकसीसोजितगतिगयंदकीलीनीपरमानंदप्रनुचउरसिरोमनिव्रजव
नितारतिदीनी। ६ रागनटावागोवनोंवांवनचंदनकोचंपकलीकीपागवि
राजतजालतिलकवंदनको। ७ सथनिकीछविकहतनआवैपांतिकांति
दनकोपरमानंदआनंदतहांमुखनिरखतनंदनंदनको। ८ रागसारंग
खिरीदेखिरसिकनंदनंदन। लटपटीपागसुनगआधेसिररहिहैंजुरकीक
छुवंदन। ९ मृगमदतिलकुरुचिरवनमालातनचरचितनवचंदनकोचि
तवनचारुकमलदललोचनजुवतीजनमनफंदनको। १० कवजक
हजवजावततारीसारंगकरमुरलीसुरमंदनचत्रनुजप्रनुसुरवराखि

कलत्रं गिरधरविहरनिकंदनान्नृसिंघजीकेपदसारंगहोनरहरप्रगट
 नखं नफारिकिलकारीजक्ताहितहरिनकस्पवित्तएराजाजेदेवतेजतेडर
 पेश्रीदुब्बाडिश्येगिरिधावर्तपुल्हादजरुडहरिजूकेसरनगएरागसारंग
 प्रनतुमजनकौवनप्रतिपास्यौकहाआहियाहिमेहेयहसुनतसजारवंनफा
 स्यौपलागिरस्यौकहुनखनमेलसोजवतुमउदरविदास्यौकहतनयेव
 हगयोकहाकैजोअवहीमेंमास्यौशकमलाडरपिरहीविधिजाजोअरूपनज
 तविचास्यौमहाविकरालनैनरीसरातेतेजनजातस्यौप्रल्हादहिचुंवत
 औरचाटतसंघतवदननिहास्यौसरदासप्रजुगोवर्धनधरननरहरितवव
 पुधास्यौधारागसारंगअपनोजनप्रल्हादजवास्यौखंनविचतेप्रगटेन
 रहरहिरनकस्पपजरनखनिविदास्यौएवरखतकुसुमसवटनेनेमकन
 सुरनमिलिकैकौतिकनिहास्यौकमलाहरिकैनिक्कटनआनेछियेद
 पकवरूनहिधास्यौआदीनोराजनरुअपनेकौदसकननमममम
 धास्यौसरदासवलिजायदरसकीजरुविरोधदइनिमम

तौ लौं हौं वैकुंठ न जै हूं सुनि प्रल्हाद प्रतंग्गा मेरी तौ लौं तौ सिर सैं छ त्पन
धरि हौं ॥ १ ॥ मन क्रम वचन जां निजिय अपने जहि जहि जां नित हित हि वू हो
निर्गुण सगुण हेरि सव देख्यो तो सो न कृ क हूं न ही पै हो ॥ २ ॥ मो देखत मेरो दा
स डखित नयो यह कलंक अवही नु चुके हौ ॥ ऊदै कठिन पारखान है मेरो अ
व हो दीन दया ल कहै हौ ॥ ३ ॥ गहित नु हरि न कस्य पको फास्यो उदर फारि न
ख रुधिर वहै हो ॥ यह सुनि वात तात अवसुर या कृत को फल तुरत चुके हो
धरा ग सारंग ॥ जाकों तुम अंगीकार कीयो है ॥ तिन के कोटि विघन हरि ट
रे अजै प्रताप दियो है ॥ ४ ॥ वज्रसन मान दियो प्रल्हादे सव हि नि संक जियो नि
क सेखं न फारि कै नर हरि आपुन राखिलीयो ॥ ५ ॥ उर वासा अमरी स संताप्यो
सो फुनिसर न गयो ॥ प्रतंग्गाराषी मदन मोहन उन ही पै पठ्यो ॥ ६ ॥ मृत्यु क न
ये हरि सवै जिवाये दृष्ट अमृत पीयो ॥ परमां नंदन कृत वच्छल केशो उय मां कौ
न वियो ॥ ७ ॥ इति ॥ अथ स्तनो नया ज के पदाराग दोटी करत गुपाल जमुना
जल कीड़ा ॥ सुरनर असुर थ कित न ए देखत नूलि गई तन मन जात्री डा

नः

देदं सरवलापेलि गोविंदपिय आनंदसिंधुमें रही मगन मन जेलि ॥ ३ ॥ अथ
रथ यात्रा के पद लिखते ॥ राग नट ॥ मैया हो रथ चढ़ि जेलों गो घर घर ते बैसंग
खेलन को गोप सरवानिबो ॥ मोही गदाई दे अति सुंदर सगरो साजवनाई क
र सिंगार ताऊ पर मो कूं राधा संग है वैवाही ॥ घर घर प्रति हैं जै हैं खेलन सं
गलै हैं ब्रजवाल मेवा वज्रतम गाथ और दे फल अति वडेर साल ॥ ३ ॥ सुनि
कैं वचन सुनत नंदरां नी ॥ फूली अंगन मात सब विधिसजी हरि रथ वैगरे
दे खिरसिक वलि जात ॥ राग नट ॥ तुम हू लै रथ वै विरामैया ॥ उत ही लै रथ
की और वैठी है राधा इतकी और वल नैया ॥ गोप सरवा सब संग चलेंगे
और गां देंगे गीत मेरे रथ की सोना देरवत सुख पां देंगे मीत ॥ ब्रज जनन
वन नवन प्रतिवाटी देखन को मेरी गाडी ॥ आरती ले कैं उतारि है मो पर कैं
है मारग आडी ॥ ३ ॥ सुनत वचन आनंदसिंधुमें मगन नई जसु मति माई रसि
क मनोरथ पूरण गोविंद प्रभु वै कुं वत जि ब्रज आई ॥ राग नट ॥ रथ चढ़ि
चलत जसोदा अंगन विविधिसिंगार सकल अंग सो नित मोहत कोटि अ

नंगा॥ अवा लली लाजाव जनावत किल किह सत नंदनं दनगरे विराजत हार
 कुसम केच लिखित चोवाचंदन ॥ अपनें अपनें गृह पदरावत सदमिलिह
 जजुवती जनाहर खित अति अरपित सरव सु अरुवार ति हैत न मन धना ॥
 सव रज दै सुरव आवत घर कों करत आरती तत धिनार सिक सदा हरिकी यह
 लीला वसो हमारे ईमन ॥ राग मलार देरवो माई रथ वैठे गिरधारी वांमन
 गराधिका विराजत पहरिक संजी सारी ॥ तैसे ईधन उत चंडिस ते गरजत
 हे ति नारी तैसे ईदा डर मोर करतर वितै सै ये नू महरियारी ॥ शताल परवाव
 जचें निवांसुरी वाजत परम सुहाए ॥ परमानंद दास संग विहरत गोप सरवा
 संग लीये ॥ राग मलार ॥ आज माई रथ वैठे गिरधारी वांमन गवर वजांन
 नंदनी पहरें कसंजी सारी ॥ तैसे ईधन उत नयो चंडिस ते गरजत हे अति
 नारी तैसे ईदा डर करतर तैसै ये नू महरियारी ॥ सीतल मंदवहत मल
 यानल लागत है सुरवकारी ॥ नंदनं दन कीयावानिक परगो विंदजन व
 लिहारी ॥ राग मलार ॥ तुम देरवो माई रथ वैठे नंदलाल ॥ अति

रेपटजीनौंउरसोहैवनमाल। सुंदररथमेंनिजरितमनोहरसुंदरतुरंगचल
तधरणिपररद्वेयोघोषसवगाज। शतालपरवावजवीनिवांसुरीबाजतपरमरसा
ल। गोविंदप्रभुपियपैलैडारतविविधकुसुमवृजवाल। ३। राग सारंग राथच
टिआवनआजुनईअलिनमनोरथपंथमेंलालनसोलडकाईआईप्यारी
हयवागलईएकहीआरडहंचरननकीकुलवनिमेंकुलईवह्ननरसिक।
छरीफेरतहसिहेरनिमतिजुलई। राग सारंग राथपरिसोहतहैदोऊवीरदे
खनछविजुवतीजुरिआईसांवलगौरसरीरचितवतहीमनहरेसवनकेको
ऊधरैनधीर। लषमीदासहितनंदलाडिलोमेटनकांमनपीर। १। राग सारंग गं
ल। राग मल्लरदेखोमाईरथवैवेगोपाल। अतिपवित्रपहरेंपटजीनौंउरसोहतवनमा
ल। सुंदररथमनिखचितमनोहरसुंदरहैसवसाज। चंचलतुरंगचलतधरनीप
रिरह्योघोरवसवगाज। शतालपरवावजवीनिवांसुरी
दप्रभुपरलैलैडारतविविधकुसुमवृजवाल। ३। राग मल्लरदेखोमाईहरिज
केरथकीसोजा। शतसमैमानौंप्रगटनयोरविनिरखिनैनमनलोना। १

मयजटितरथसाजसहितसवाधुजाचमररचिसोना।मदनमोहनपियमध्यविरा
जतमनिषजनमकीसोना।एचंचलतरंगचलतधरनिपरिकहाकहोंयहओना।अं
नंदसिंधुमांनोंमकरकीउतमदनमुचिततनओना।थयहविविधनीछुजिनीथ
निमहियादेविसकलअंनंदगोविंदअनुपियसदावसे।जियहंदावनकेचंद।
अरागमलारा।जैजैजगन्नाथहरिदेवा।थयवैठेअनुअधिकविराजतकरतन
रुसेवा।अंस्यामहादेवइंदिकसनकादिकनुरिआये।अपनीअपनीनेरुसवने
हरषितमंगलगाये।अधुजापताकाछत्रवरमनिखोडसचक्रवनाये।असा
दसुदिहितीयापुष्पनिजुतअसुदितअस्वलगाये।अगारदितदिद्रावतंदरि
परियहिविधिरथहिवलाये।सूरदासगोवर्द्धनधारीनगरउडीसाआये॥३॥

अथ दांनलीला लिख्यते राग विलावत ॥ तुम नंदमहरिकेलालमोहनजान
दे ॥ श्रीगोवर्धनसिखरतेमोहनदीनीटेरि अतितरंगसौ कहत हैं सो ग्वालनिरा
खोघेरि ॥ ग्वालनिघेरीनार है ग्वालर है सवहारि अहो गिरधारी दोरियो सो क
ह्यो नमानै ग्वारि ॥ नो गरिदांन दे ॥ चली जात गोरसमांती मनो सुनी नहिकांन
दोरि आय मन जाव ते सोरो की हे अंचलतांन ॥ नाना ॥ एक जुजा कंकन गहे एक
जुजा सौं चीर दांन लेन गदे नये सो गहवर कुंज कुटीर ॥ नाना ॥ वज्रतदिनां तुम व
धि गई दांन हमारो मोरि ॥ अब हो लै हों आपु नों सो दिनां दिनां को सजारि ॥ ५ मो
रसनिधांन नवनागरी निरखि वचन मृदवो लि ॥ क्यों मुरि गढे होत हो घंघट प
ट मुख लोल ॥ ५ ॥ नाना ॥ हरखि हीये हरि करि खके मुख ते नील निचो लै ॥ रन प्रग
यो देखि कै सो चंद घटा की ओलि ॥ दमो गललित वचन मारुत नये नेतनेत नये वै
न उर आनंद मन अति वढौ ॥ सफल नये मिलि नैन ॥ नाना ॥ इह मारग हम निति
गई कवज सुन्यो नहिकांन कहा आजु नई होत हे सो मांगत गोरसदांन ॥ ६ मो ॥ तुम
नवीन हम ग्वालनी नूरवन नौ सन अंग नयो दांन हम मांग नों सो नयो वन्यो यहरंग
॥ नाना ॥ चंचल नैन निहारिये चंचल बोलै वै न करन हि चंचल की जिये चंचल
अंचल नैन ॥ ७ मो ॥ सुंदरता सव अंग की वसन निराखी गोप निरखि निरखि छवि

लाडली सोमन आकर्षित होया ॥ २ ॥ नाल कुटिली धेंग दे रहे जहां सां करी बौरि मुस
 कि गगरी लाइ कै सो सकतिल रीति जोरि ॥ ३ ॥ मो नैंक हरि गदेर हो कछू और सकु
 चाइ कह कथो मन जं वते सो अंचल पीक लगाय ॥ ४ ॥ नाल कहानयो अंचल लगी
 पीक हमारी आय धा के वट्ठे गवालिनी सो नैंना पीक लगाय ॥ ५ ॥ नाल सखे वच सौं मां
 गिये लालन गोरस दां न जोहन ने दजनाइ कै सो कहत अंन की अंन ॥ ६ ॥ मो ग जै सौं
 हम कछु कहत हैं ऐसी सो कहिले जा ॥ मन मां नैं सो की जिये दां न हमारो दे जा ॥ ७ ॥
 कहा जर हम जात हैं दां न जु मांगत लालन ॥ ई अंवार घर जान दे जर सौं छाडि अट
 पटी वाता ॥ ८ ॥ मो ग नरे जात हो श्रीफल कंचन कवल वसन सौं दां कि दां न जु लग
 त ताहि को सो दे करि जाऊन संका ॥ ९ ॥ नाल न तनी विनती मां गिये सो मां गैत अं
 ली आडि गोरस को रस चारि विये सो लालन अंचल छाडि ॥ १० ॥ मो ग संग सरवीस
 वफिरि गई सुनि हे की रति मां शीति ही ये ही राधिये सो अगट न योरस जाय ॥ ११ ॥
 हरव ग कालि वजरि हम आय है गोरस ले सख गवालिनी की नांति चरवाय है सो
 जीवन हों वलिहारि ॥ १२ ॥ नंद ग सुनिराधे न वना गरी हम न करै विसवास कर को
 अमृत छाडि कै करै कालि की आसा ॥ १३ ॥ हरव ग तेरो गोरस चाधिकें मेरो मन
 ललचाइ हरन ससि कर पाइ ॥ १४ ॥ चकोर न धीरज धराइ ॥ १५ ॥ मो ग मोहन कंच

कुवारि २५ अम विजन गहे लाल जू श्री कर देत दराय अमिन नई चलि कुं
ज मैं सो नैं कप लो दो पाय रदनं जांन तहो ए कौ न है ए ती टी छो देत श्री वृ
ख जांन कुवारि है सो ताहि वीचि कौ लेत २७ वृख गोरे श्री नंद राय जू अ
असुरांनी जसु मतिर्मय तुम याही ते सां वरे सो अैं सो लछिन पाय रदनं द
मन हमारो तारन वसे और अंजन की रेख चोर वी प्रीति हिये वे धी प्रो सो य
ते सां वरे नेख २८ वृख आपु चाल सो चालिये यहै बडे की रीति अैं स
कव जन की जिये सो हसि हे लोक विपरीति ३० गेले बूले फिरत हो और
कछून हि कां मघाट वाट मेरो कीयो सो आंन न सो आंन न मांन तस्यां म
३१ वृख यहि हमारो राज है व्रज मंडल सब वोर यहि हमारी कुमदनी सो व
दन कमल को नौर ३२ नैं अैं से मैं कोऊ आय है
सवै नंद लाल जू प्रगट होत है प्रीति ३३ वृख श्री वृंदावन गिरन दीप सुपं
जे संग इन सौं कौ न डराव है सो प्यारी मेरो अंग ३४ नंद अंसु बाऊ धरिलै
चले प्यारी वरन निहारि निरखत लीला रसिक जू सो जहां दांन की वोर
वृख जांन लडै ती दांन दे ॥ इति दांन लीला संपूर्ण ॥ १ ॥ ॥ श्रीरसु ॥

१ पियाविनि
 १ प्यारात
 १ कृका न
 १ न ख
 १ मेरोतन
 १ हो न
 १ यह
 १ व मा
 १ न सुर
 १
 १ त
 १ दशवनमग

१ ग न
 १ ग रुआ
 १ प्यारोवा
 १ कप
 १ करु
 १ मकीछाह
 १ जा यार
 १ नेनायू
 १ कहाकरुह
 १ पालपिया
 १ लालर
 १ मीता

१ न
 १ डादरदन
 १ नालल
 १ अ सऊन
 १
 १ लंगनला
 १ पी
 १
 १ अ मे न
 १ जान
 १ च कुवर
 १

३०
१५
१६

६	कठिनलगन०		जाकोंवेदर०	१०	नीदजरीअधिया०
७	रेकनैयाने०	८	अणीसिरधु०	१०	राधेतेरेनैन०
७	वंशीवाजेका०	९	रहेदोजब०	१०	होकांन्हजी०
७	सुनिमुरली०	९	वनरोरंगी०	११	प्यारीकेच०
७	लालतेरीमु०	९	मोरेसावरेति०	११	हमारैमाई०
७	जयतिश्रीकुं०	९	आयावृज०	११	जूलतलाड०
७	अवहोसर०	९	मांन्हीनांन्ही०	११	मतेवारोगाढो०
७	सवडषगेह०	९	होघनगाजे०	११	कैसेकैजांऊपा०
८	मुरलियाकों०	१०	नांन्हीनांन्ही०	०	नैनंमंन्ही०
८	इनसोतिसं०	१०	गाढेदोजस०	११	देखिवदरिया०
८	वंसीधुनिम०	१०	दोउजनजी०	१२	गलेविच०
८	सुनिरीसपी०	१०	नवलरंग०	१३	ससरचो

१२१ हमारैईष्ट०	१५	कानूथारीवा०	१७	वंसीमनमोह०
१२२ जनमसुनत०	१६	वशीकादीहा०	१८	वैनवाजैज०
१२३ रमकिरमकि०	१६	वनमालिया०	१८	हेलीहेमोहन०
१२४ जंजमहल०	१६	गहरैगहरै०	१८	मुरलियाकौ०
१२५ तुमघनसेहो०	१६	देईयाआवे०	१८	साडीयारीवे०
१२६ कार्तिकमास०	१६	हेलीमुरली०	१८	मोकोंगयो०
१२७ आजिम्हारै०	१७	कान्हवांसुरी०	१८	जरदडपटा०
१२८ जागोजागो०	१७	मुरलिया०	१८	कल्ललगन०
१२९ जलजागोहो०	१७	गईकरवी०	१८	वनवाजेह०
१३० मेरीस्वामिनी०	१७	सुनिरीआई०	१८	कल्लेसनेम० ७

१० १७

०

१२५ ता. गा०

१० १७

१२५ चलेजातग०

१० १७

१२५ ०

१४ चंपावरनीकीनी

गरीश

२

१९ कदमकीछाह	२२ नैनासोहनेरं	२४ मंगलब्राजमठ
१९ वीररथेवठ	२२ नीजमाहारीचुनरी	२४ ^{लेवनाजारा} मितवारीगठ
१९ कवलकेपाठ	२३ बलेमीलनाठ	२४ होवालिमजीठ
१९ जुकरहीठ	२३ बलवहिकाठ	२४ घेततकांगहैठ
२० ^{कोइनहीसीलम} श्रीगमवडठ	२३ ^{लडनीयहनेनाव} मुधरषीलाठ	२४ कुलोपालनेठ
२० मेहरियतितठ	२३ लटकतचलठ	२४ माईसीमेहरिठ
० निपटबिकटठ	२३ रसीयातेरैकाठ	२४ बजरंगनीहोमुनठ
३० नयोवैरमोठ	२३ वनवारीकेठ	२४ अबहीनैकयोठ
३० मोहनवठ	२३ होरीकादोहाठ	२४ नंदगोपराजठ
२१ आदिनीरजठ	२३ ^{रुजसहन} बसोरंगसरठहोती	२४ नंदमहरकोलाठ
२१ ^{किमारीरमराय} आरतीजुगतठ	२४ घामावाकरठ	२४ नंदजीरवालोठ
२१ थेईतातठ	२४ फागणियारठ	२४ ^{रुजलानेपरीन} सावरियाचीतठ
२२ होजमुनांजलठ	२४ पीयाप्यारुप्यारीठ	२४ बलेमिलनाठ

३१ अलीहंकोकरज

२६ कन्हैयानी०	२७ अरीहंवाहिर०	०	नईरीम्याम०
२६ काकरीकोरू	२७ आजनवनवम०	३१	तरवरछाह०
२९ तजिनवलदेन २९ कुरमटलागो०	२७ अबसुनि०	३१	ब्रजकेलोग०
२९ चोपडचतुर०	३० आजसषी०	३१	ब्रजकेपेमसै०
२९ सावरेकोरूग०	३० नयादेविपी०	३१	जैतश्रीकल०
२९ नैईकोनयह०	३० पुलिगयेसौ०	३१	होरीवगर०
२९ मरदकादोहा०	३० प्यारीनीहारी०	३१	५ बललगरयह०
२९ सषी ॥ सुनिवा	३० नैणानीद०	३१	ईतमतईकस०
२९ आतुउवेन०	३० टीलीनथ०	३१	पनियानजाऊरी०
२९ बोलततथेई	३० बहधरीकोन०	३१	अवतोस्याम०
२९ दोऊमिलि०	३१ हीडोरदेलीरंग०	३१	देविसषीदंय०
२९ आवरीदेवि०	३१ दोऊमीलिऊ०	३१	मोहिकोनपी०
२९ दोहानीलपीत	३१ यदोलालऊ०	३३	हुवाहेईस्क०

३३ देवामनमोह०	३६ सुरंगीसेजारग०	३७ इगनरिनीश्वरीजोरी
३३ मनमोहना०	३६ अजबजदशमी	३७ पठडारोमेलोनेमोहन
३३ प्यारीनीहारि०	३६ मोहनजीमहार	३७ जेजेदेवदीवाकर
३३ ^{हिलेवपीया} नमोस्सके०	३६ रतनालीहोप्यारी	३७ आदितृहीदेवदेवमा
३४ प्यारीजीकामा०	३७ जणीदाखेजीरा	३७ दरसनपायेतुम्हारे
३४ कुंजपधारोजी०	३७ हेवीरतालीतैतो	३७ दरमदिवासीमाने
३४ मंगलनीनी०	३७ हारगीलीवाजी	३७ मोलमुमाईहोतेडी
३४ फुलेफुलेल०	३७ आयोधनघोरन	३७ गुजालमहलपरब
३४ फुलनसोवैनी०	३७ प्यारीकोमनलवि	३७ एकादशीआवन
३४ फुलमहलफु०	३७ कितेदीनछेजुग	३७ एकादशी
३४ प्यारीजीनरे०	३७ प्रीतमप्यारीराज	३७ कनकपचीनामोहन
३४ तुमरंगनीने०	३७ घनआयेरीमनना	३७ पवित्राउचवकोदिन
३४ ^{नवलननजु} अजिरगहमाकी०	३७ हीमिरमांवरोकुल	३७ बलईयाजानेवरसन

४०	मधुक्वनीकटगा	४२	अजरजदशरथ	३	होतोसोनादेविलुना
४०	आछेआछेहोतुम	४२	आवोनकेसरिय	३	वैवेहेहीवोरबीच
४०	विद्यावयोबाकवि	४२	परगईनैननअमी	३	सवीसावरीगारीयक
४०	विद्याकवितायहि	४२	मनकीपीरअनो	३	उतरेऊलेतैसोनासि
४०	प्रथमपंचमीवैत	४२	मनउरकेसुरकना	४	नितिगरजिगरजिग
४१	मंगलनिधवृजरा	४३	रघुकुलमंडनक	४	मुंदरनंदकवारऊल
४१	राधेराधेराधेराधेकुं	४४	अहोउमफूल्योदे	४	फूलतरंगहीडोरैन
४१	वदिनादवातीजती	४४	मुहायनोलागत	४	ऊलतहेदोकुसवी
४१	दिनदेवदिवाकर	४५	वादवधारवाजे	५	वालविनोदीमेरेही
४१	मंकरगिरजापति	४५	वाजतअजवधाई	५	इतिसंपूर्णः
४१	गाईयेगाईयेगाई		इतिसंपूर्णः	५	नंदजमेरेमनअनंद
४२	वनीहेनीकीमोरुध	३	रागमलारलिय	५	ऊबनमोगनोज्ञज
४२	मेरेमरमीतोमोहन	३	मेहेलालकूलिये	१९	म

१ फुलेगोययालबजरा

२ रावरकैकहेगोयया

२ नंदवधार्ददीजेयाल

२ लालकोजनमदीव

२ वजपुरघंघरअतिआ

इति०

१	आयेमाईवरषाके	२	वृंदावनकनकनूनि	४	जूलतस्यामपियासं
१	स्यामसुनीनीरेआ	२	अवहीरंगराधामुर	४	जूलतलालवृंदावन
१	लालमरीसुरंगचुन	२	हिडोरामाईजूलनके	४	माईरीजूलतरंगहि
२	राधेरूपकीघटा	२	खवीलेलालकेसंगि	४	रमकिरमकिजूलनम
१	सोजामाईअवदेष	३	हिडोरनायोपियरम	५	सोसांवनआयोहे
१	दोजजननीजतअद	३	जूलनआईजुनारी	५	जूलततेरेनैनहिडोरै
१	लाडिलोलजायवु	३	राधामोहनजूलत	५	तराविलैरीजोरातरल
१	कुवरिचलहोआगे	३	रंगमचेसिंघद्वारे	५	आजिलालजूलतरं
१	गावतरसिकरायगो	३	तैसाईवृंदावनतैसीही	५	राधिकेसंगसुनगगिर
१	अलापतचोषीतान	३	राधोकेसंगिसुनग	५	लालमुनिनिकेकुंज
२	स्यामहिदेविनांचेमु	३	हिडोरैअवजूलतहे	६	जूलतदोजलालगिर
२	आईजूस्यामदलघटा	४	आईसकलबुजनारी	६	नवललालकेसंगिजु
२	पावसनदनटो	४	रमकिरमकिजूलै	६	

६	फूलतसांवरेसंगगो	९	फूलोसुरंगहिडोरै	१	आलीरीफूलतनंद
६	प्यारीप्यारीफूलतसु	९	सुंदरगोवर्द्धनपरवत		सजैवृंदावनमधुरी
६	बिहारीजीवारीरूसा	९	हिडोरैफूलतलालगो	२	फूलतदोऊसुंदररंग
६	नवलरायगोवर्द्ध	९	फूलहिकवरिगोपराय	२	माईरीफूलतनवल
७	हिडोरैफूलतजो	१०	हरिफूलतब्रजनारी	२	गोकुलरायकीपोरि
७	फूलतदोऊकुंज	१०	फूलनआईब्रजिकीना	२	बलीहैवडडीफूले
७	पियप्यारीरसनरि	१०	तैसोहीवृंदावनतैसीहरि	३	नवलहिडोराहोफू
७	अपनेप्यारेकेसंग	१०	फूलतरंगहिअरेहो	३	माईरी
७	परंगमचोसिंध	१०	स्यामास्यामवरावरिवैवे	३	देपियेवनसोभारा
७	स्यामकंगोपीफुल		॥ श्रीराधावल्लभो जयति ॥	४	फूलतकुवरिगोपरा
८	रुलनकोहिडोरो	१	फूलतवेनवलकिसोर	४	सुभगहिडोरनांमा
८	हिडोलैफूलतनम	१	हिडोरैवेफूलनआई	४	तराविलैरीफूला
८	बबूलोसुषलफू	१	हिडोरनांमाईफूलतगो	५	रमकिजमकिफूले

५

३

२ राषीकपद

३ मलारसं २ स्पंदयोरिवादमाह्व

श्रीगोपीजनवल्लभा २

१ जमनातटस्थोम १

१ १

१ १

जोपैकोऊसांचीषी १

२ धराहा १

२ १

आयोआगनरस

२ रामसु

२ प्यारीकेचिन्हविथ

३

श्रीगोपीजनवधनमः॥

१ श्रीकृष्णजन्मोत्सवके	५ गोदलाललेमंगल	९ लालमाईपाल
१ प्रथमहीजादीमास	६ मंगलगावतीहैव्रज	९ पालनैफूलो
३ वालामैंजोगजिसगा	६ हंतोएकनईवात्तमु	९ नंदकोवालव
४ रांनीजुआपुनमंगल	६ जनमलीयोसुनलग	९ फूलोपालनैमे
४ जसोधरांनीसुवर्णफू	६ यहधनधर्महीतैपायो	९ अपनैवालगो
४ आजनंदरायकेआंन	६ रांनीतिहारोघरसुवस	९ सांवरोसुषपल
४ आंजिआंगननंदकेद	६ नंदजूसैरेमनआंनंद	१० फूलीचा
४ आजिमहामंगलमह	७ वृजिमैंअनृतदादीआ	१० करपदगाहिअं
४ सवगवालगावेगोपी	७ हांघरकोटादियोति	१० जसुमतिमद
५ आजिवधार्दिकोदिन	७ लालपरवारनैकीनी	१० हालरैमेरेबारे
५ तुमजैमनावतीसोदिन	७ दादिनीनाचैरंगनरी	११ तुमवजरांनीके
५ घरिगवालदेतहैहैरी	७ मंगलद्योसच्चवीको	११ माईकमलनै
५ नंदवधार्दिकोदतगदे	९ चौकतैउगिनंदरांनी	१२ ५

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ वंदौ श्रीरंघुनाथं नृपाया गुरुन गते स तास कृपा करि
कहत हों परम प्रीति उपदेश १ रव्याहि परो जनकार हो मकनागत घां हि
व्यतीपातमावस्य हन तुलादां नमस्व मां हि २ सती इव सुतजन्म को नौतन
वधू विवाहि कंकन को रनचदन को हरिजन लेतन ताहि ३ सती जन्म आं
नदेव को चट्टाऊत स्यो वारि फेरियो दांन मूल शांति संकांतिको आं नउ चिष्ट
आं न ४ कलप्यो कवारे हांत को विमुख सावन को जो ज इन सैं जो अनुर
क्त है तो जाय नक्त को षो ज ५ निंजो निंदक नीच धन नईया नूत फेरि स पीर
सीरणी पाइ कै खोवै सुकृत लेस ६ नां विस्वासी गुरु विमुख अधीन पासी
अं न्य कुष्टी इष्टी धेत को लेतन कवज अनं न्य ७
ऊइन को लेत अष्ट बुद्धि हो इन जनमैं कवजन आवै चेत ८ सुनौं
छिन एक हे अपल छिन चालीस इमैं दारिपद धारि है सो पावै पद ईस
जैसे कांजी हूधमैं परत वंद ही आय हरि विमुख निकै अं न्य तै
लाय ९ चात्रिग की सीटि धरै करै अं न्य अनपांन

सकजलवारसमान ११ जोरघुनाथकोदासहै सोचालै इहिमाग सो
धूजननिमैं ताहिकहैवडाग १२ सीतारामप्रणामप्रणामकरि अप
नदीयेवताय अन्यसाधविजकूरमैं सबहीमैंएपाय १३ धरमउपदे

१२ इह नित्यनेमज १५ तदेपिसुतावृखनो १७

१३ फूलतपालनेन १४ वरसानेवृखनानगो

वरसानेवरसरोवर

३

३ १७ दादनिष्टजरांनीजूकी

१९

१७

१३ जनमलीयावृख १६ आजिरावलिमैजे १७ लडतीपालनेफूले

१४ प्रगटीनागरिरु १७ नईवृखनानकैसु १८ श्रीराधावल्लभायनम

१४ श्रीवृषनानराय १७ राधाजूकौजनमसु १ श्रीकृष्णवधाईलिप्यते

१५ जवतेराधिकसु १७ गोकुलतेवाजतवा १ आनंदआनंदकैधरे

१५ आवैनादोकीउ १७ प्रगटनईराधान १ आनंदकैधरेनीर

१५ आजिवरसाने १७ आजिरावल्लभमैजे १ राजेसवराननिमनि

१५ चलोवृखनान १७ मैदेपिसुतावृखनो १ वाजनलागेआलीवाजे

१ आजवधावोमाईरी	९ माईलालयालनैजुल	१४ मंदिरवजेवषनानके
२ मिलिआवोरीमजनी	९ वज्जतरानीकेगोपा	१५ नाचतगावतदादनीके
२ नैनजरिदेव्योनंदका	९ रुलीचायनजलराव	१५ जडवंसीजजमान
३ सुंदरवजकीवाला	९ अथप्रीयाजकीवधाई	१५ होवजवासीनकोमंगा
३ वजनयोमहरकेस्त	१० वलोवषनमगोयके	१५ राानीमंगनहोआयो
४ गोकुलराजकेधाम	१० आजवधाईहेवरमानै	१६ अथराधाजीकीवं
४ वलोमईयावोनंदम	१० श्रीवरमानैआजसो	१६ वरमानैगीरवरमुषद
४ आजवधावोवजरा	११ वरमानैतैदोरीनारी	१७ रंगवरसैहेली
६ आजकहांतैयागो	११ प्रगटीश्रीवषनानं	१७ लडेतीयालनैजुले
६ नवनवजराजके	११ नेयाआजरावलवज	१७ अयनीकवरकीमोरी
६ वरनैचाहतकवू	१२ प्रगटीश्रीवषनानं	१७ दीपमालकीहटडीकोय
६ विमलजसवरननक	१२ हेरिहिरिचैयानलो	१७ दीपदानदैहटडीवेठे
७ जलतयालनैगोविंद	१२ रावलपतिरावलमै	१७ वजमैअदुतदाटीआयो

	अथवावनघादशी	३
जलजात्राकेयदलि	अथदानलीलाकेयद	३
१		३
१	सधेदानकाहेनहीले	३ मषीरीहोंजगइधिवे
१	गारमकहादीयावन	४ करतकितकमलनन
२		४ दोनमागतकवरक
१		४
		४ नेकरहाटाटादहा
		४ माभाज्जानदेरु
		४
२		
२		५
३		५

श्रीगोपीजनबद्धनयनमः

५	माननदैरुद्धाडोमे	८	अथमांजीकेपदलि
५	कापेटोटातेननचा	८	अथमांनलमंतीगार्थे
५	अहोतोमोलाहिले	८	अथनविरियांडपहरी
६	छानोमेरीमटुकी		
६	अजकीघोरमांकारी		
६	कवदानदीनोयाहा		
६	इंहिवागेंतरीअमो		
६	अथवावनजीकीक		
६	पगटेअरीवावनअम		
६	वलिकेछारेटाटेवा		
७	हमरेक्योंआयेवि		
७	रत्नाएकपंडितयो		
७	देविहजिवंमनव		

श्रीगोपीजनवल्लभायनमः

	१	अथदसराकेपद	३	जवककृष्णाहनुमान
	१	आजदसहरायेदीन	३	रामकेपदलिषते
	१	बीजदसमीआजय	३	मानलागोगीरधरगाव
	१	कजरआजिनोहा	३	नाचतब्रखनानकुवर
	१	आजदसराशुनदीन	४	देवोदेरवोरीनागलट
	१	बीजदसमीआरवी	४	अजुनदनदनगोवेद
	१	माहीकहतहेललि	४	चलेजराधिकेसुजान
	२	धूवामेवदतरहेहो	५	अजुनागरीकीसोरना
	२	आजययानेकादी	५	बन्योरासमंडलमेमाधो
	२	आजदसराशुनदीन	५	चंदगेबिंदगोपीतारा
	२	सनमज्जतबीजदस	५	अयनाननंदनीनचत
	३	दधिहोकतरथुना	५	बन्योरासमंडलएयुव

६	तरुनतनैयालीर	८	ततथेईधेईकरत		
६	एरीइहांछंदावन	९	वित्तमाननामनी		
६	आजुवननीकोरा	९	मुनिधुनिमुरली		
६	नागरीनटराघन	९	पाईमुषमुरतसि		
७	रामविलासरंगन	९	वियकोनचवत०		
७	राममंडलमैवन	९	लाडलीवमानेला		
७	अलागलागनर	१०	अथधनतेरसकेय		
७	नांचतराममैगोवा				
८	गोपबधमंडलम				
८	कृष्णतरुनतनया				
८	गोपहंदसंगनतत				
८	राममैरसिकमोह				

॥ श्रीगोपीजनवधनमः ॥

अथ दिवारीकेनूवायवे	३ गोकुलगोधनहज	४ चिरंजीवोला
१ बलिहायेतेसेही	३ फुलेगोपगालध	५ करिहैनरुनव
२ नूतबलिदाजकु	३ अगुरीगहनदेवा	६ श्रीमाधोजूराध
३ आजिन्हातमेर	४ गोधनपूजनतवे	६ महावलकीन
दिवारी	५ गोवर्धनपूजनवे	६ राजेगिरराउ
२ दीपदानदेहदरीवे	५ गोवर्धनपूजोगो	६ नंदादिकदृज
२ दीपदानव्रजराज	५ गोविंदगोकुलकी	६ जननीचायत
२ पूजाकरिदेवगोव	५ वरधनदेव्यावर	६ मेरेसावरमेव
३ धरमेतेवाहरिजवि	५ गोकुलकाकुल	६ नंदकरतपूजा
२ गोवर्धनपूजनअ	५	६ लिवलिचरि
३ लीजालालगोवर्ध	५ राधिलेज	६
	५ बलिहारी	६

विजयनगर ॥ विजयनगर ॥

८	आजिश्मावसदीप	११	स्यामपरिककेदारे	१३	कहोमेरेवारेकां लाल
८	आजिकहंकीराति	११	नीकैबेलिगोपलकी	१४	अपनेअपनेदोलक
९	दीपदानदेस्याममनो	११	तानगिरवरपूजो	१५	देखोमाईवादरकीकु
९	देखोइनदीपककीसु	११	हमरैदेवगोवर्दनपर्व	१५	वारीमेरेकांनुरप्यारे
९	कांनजगावनचलैक	१२	वडेडेनकोआगेदेगि	१५	जैजैलालगोवर्दन
९	गोवर्दनपूजाकेदिन	१२	गोवर्दनपूजाकरिगो	१५	जयतिजयतिश्रीहरि
९	टेरिटेरिचोलतनंदन	१३	पेलनकोंधोरीअकु	१६	नंदलालगोवर्दन
१०	दीपदानदेहटरीवैवेनंद	१३	पेलिवऊपेलिगांगवु	१६	सुरराजआयपायन
१०	सुरजीकांनजगाव	१३	गुदकोशंजाहवासुक्का	१६	इंदकोपतैवृजजन
१०	दीपदानदेहटरीवैवेवडो	१३	गोधनपूजिकैधरेआ		
१०	दीपदानदेकांनजगाव	१३	तारोतारोवृजजनलो		
११	वारवारहरिसिखवन	१३	वदरांनअंवरछायो		
११	गोधनपूजेगोधनगाव	१३	गिरदरनीकोधस्यो		

[illegible]

[illegible]

॥ श्रीगोपीजनवल्लभकृतमः ॥

१ गोचारनकेपद = ३ प्राजिषवोधनीपरममो

१ वेलतवनहिचलेष्टः ३

१ डुमचदिकान्हटरतह

१ टेरतउचीटेरगोपाल

१ अथमगोचारनचले

२ अथमगोचारनकोटि

२ गायचरांवनकोविस ३ वलदेवजीकेपदः

२ मैयारूनचरायहेगा ३ वलदाऊकीवरसगो

२ मैयामैकैसीगायचरा ४ अथमनसिद्धा

२ गोविंदचलतदेखिय ४ रेमनश्रीहरिवसन

२ गोविंदचलेचरावन ४ वस्त्रानरणकपद

॥ १ ॥ ४ ॥

३ ४ माहनदमहार

॥ श्रीराधावदन्त्रजायनमः ॥

१	अथवसंतकेपद ॥	रागहिडोलरंगरली	५	डोलजूलतहेनवल
१	राधेदेषिवनकीवा	३ वादीहोआजिसंतर्ण	५	आनंदरायपेलेफागहा
१	श्रीराधेवनविनोद ॥	श्रीगोपीजनवदन्त्र	५	पेलतफागफूलैवेठे
१	देषोदंडावनकुस	डोलकापद	६	परिवाप्रथमकवरिअ
१	आईरितिवसंत	३ मनमोहनअड्डुडोल	७	आगमसुनिरितिराजुको
१	राजेश्रवंडावनश्री	३ मोहनजूलतवदोअ	८	नंदगावकोपाडेब्रजि
२	राजेश्रवंडावनमधुरी	३ जूलतडोलनंदकिसो	९	फागुवाकेमिसिचल्के
२	देषिसरवीअति	३ मदनगोपालजूलत	१०	श्रीलक्ष्मिनकुलगा
२	कुंजविहारीप्यारी	३ आजिमाईजूलतन	१०	होहोरीपेलेनंदको
३	प्रथमसमाजआ	४ सोनासकलसिरोम	१०	यागोकुलकेचौहटे
३	नवलवसंतनव	४ जूलतजुगेकवरिकि	११	पेलतफागुसंगमिलिदोज
३	आईआईवसंत	४ डोलजूलतविहारि	११	माईमेरोमनमोदोस्यामरे
		५ हरिजुकोडोलदेषि	१२	छाडिदेऊयहवांनी

१३

२० | घेलत मोहन रगज | २१ | निकसे मोहन लाल ये

२० | मोहन के घेलत रंग

२१ | तुम चलो सब जोही | २२ | अति मरम स्यों वरमा

२१ | रंग हो हो हो होरीया २१

१५

२२

१६

२२ | या ब्रज मै होरी रंग कटो २२ | होरी अज वगर मै माधि

रंगीलेरी छवीलेनेनं २३ | हो होरी घेलत ब्रज नाय २४ | न कीजिये न जिस्न रि

१६

१७

१६

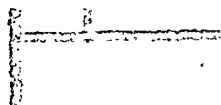
१७

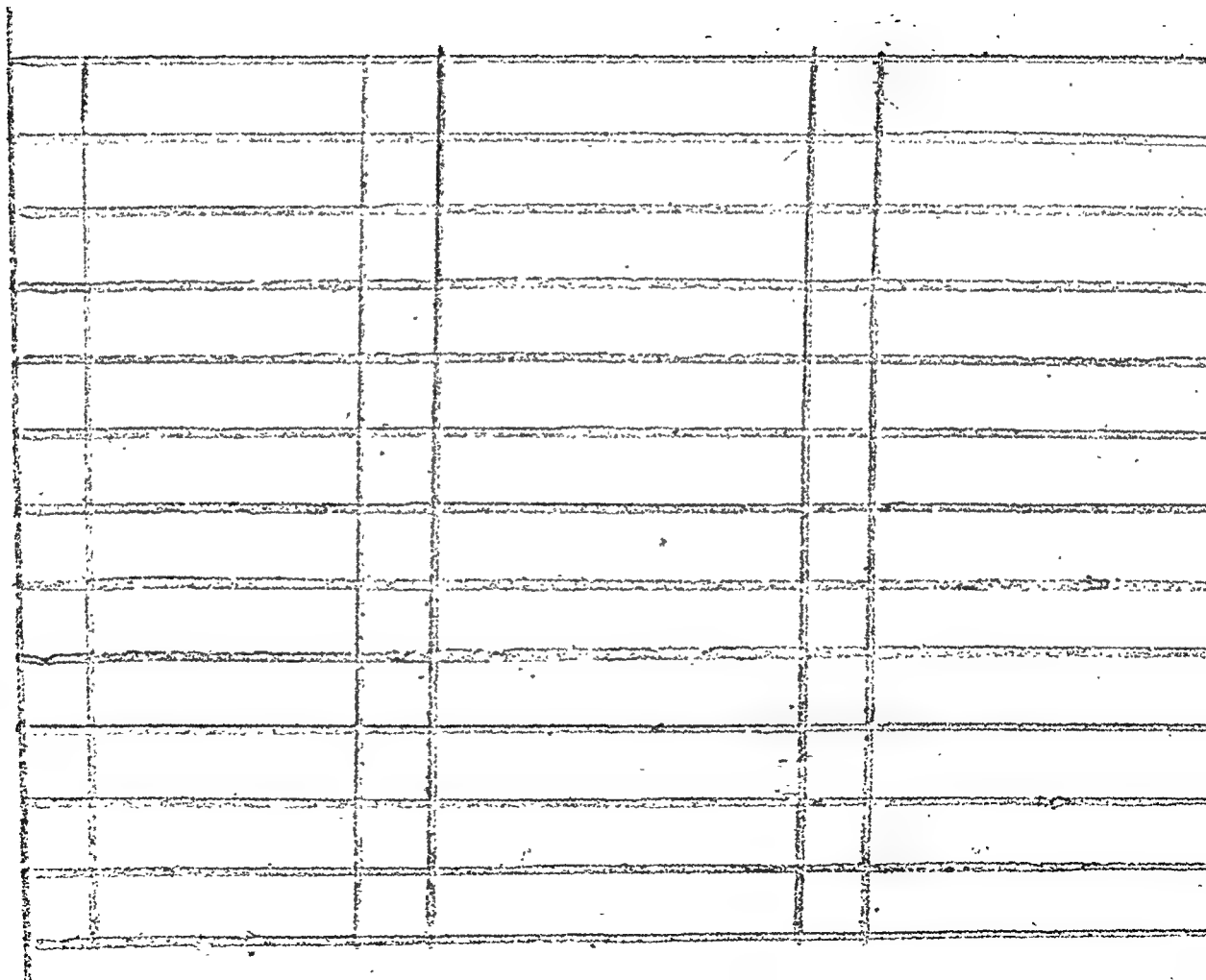
२५

२५ | मिरे नंदन पाछेय स्योरी २५

३१ रंग हो हो होरी बेलै	३४ कां न्हं निलजगारीजि		
३१ रंग हो हो हो हो होरी	३५ प्यारीजी के पुलि गयेमों		
३२ होरी बेलि गदे दोऊ	३५ मोहनवारी वसिकीजे		
३२ चले मिलि नां वतै	३५ बोलै रंग होरी होरी होरी		
३२ आजि होरी बेलत	३५ रसफाग आजि वाजे		
३२ होरी बेलै मोहनी	३५ वृजना स्यो रे कुंडराधा		
३२ गले विचर सकप	३५ लालटि बेलत फाग सुहा		
३२ अरीय हव जिमंड	३६ प्यारी लाडिली वजरिं		
३३ लैरग वगे बसन	३६ श्री हंदावन सहज सुहां		
३३ डऊनि मै आजिर	३७ वृजराज कुंवर बेलै हो		
३३ आजि फागु सुष			
३३ रह्यो रंग होली			
३४ हो पिय नैननि			

1111





॥	फूलमंडलीकेपद	॥	अथफूलडोलकेपद॥	अथफूलरचनाकेपद	
१	वैठेलालफूलनिके	२	फूलतफूलनईअति	३	फूलनिकुंजगुलावकी
१	चलोकिनदेषनकुंज	२	राजतफूलडोलपिय	३	इहफूलफूलेरीचंदावन
१	वैठेलालनैवडकुंज			३	फूलेफूलेफिरतस्यमा
१	वैठेलालकालिडीके			३	फूलनिकीवैनीगुही
१	फूलनिकीमंडलीम			३	फूलीफूलडोलकुंज
१	चलिसषीकुंजगुफल			३	देखोकुंजकीपरछाड
१	अतिविचित्रफूलनि			४	कुंजमुहावनीमनन
२	कुंजमहलमहरिलल				फूलेफूलनिस्वेतवि
२	फूलनिकेमहलफूल			४	
२	वैठेलालनिकुंजम			४	फूलनकेवेषणवसन
				४	फूलमहलमैफूली
				४	

1	1	1	1	1	1
2	2	2	2	2	2
3	3	3	3	3	3
4	4	4	4	4	4
5	5	5	5	5	5
6	6	6	6	6	6
7	7	7	7	7	7
8	8	8	8	8	8
9	9	9	9	9	9
10	10	10	10	10	10
11	11	11	11	11	11
12	12	12	12	12	12
13	13	13	13	13	13
14	14	14	14	14	14
15	15	15	15	15	15
16	16	16	16	16	16
17	17	17	17	17	17
18	18	18	18	18	18
19	19	19	19	19	19
20	20	20	20	20	20
21	21	21	21	21	21
22	22	22	22	22	22
23	23	23	23	23	23
24	24	24	24	24	24
25	25	25	25	25	25
26	26	26	26	26	26
27	27	27	27	27	27
28	28	28	28	28	28
29	29	29	29	29	29
30	30	30	30	30	30
31	31	31	31	31	31
32	32	32	32	32	32
33	33	33	33	33	33
34	34	34	34	34	34
35	35	35	35	35	35
36	36	36	36	36	36
37	37	37	37	37	37
38	38	38	38	38	38
39	39	39	39	39	39
40	40	40	40	40	40
41	41	41	41	41	41
42	42	42	42	42	42
43	43	43	43	43	43
44	44	44	44	44	44
45	45	45	45	45	45
46	46	46	46	46	46
47	47	47	47	47	47
48	48	48	48	48	48
49	49	49	49	49	49
50	50	50	50	50	50
51	51	51	51	51	51
52	52	52	52	52	52
53	53	53	53	53	53
54	54	54	54	54	54
55	55	55	55	55	55
56	56	56	56	56	56
57	57	57	57	57	57
58	58	58	58	58	58
59	59	59	59	59	59
60	60	60	60	60	60
61	61	61	61	61	61
62	62	62	62	62	62
63	63	63	63	63	63
64	64	64	64	64	64
65	65	65	65	65	65
66	66	66	66	66	66
67	67	67	67	67	67
68	68	68	68	68	68
69	69	69	69	69	69
70	70	70	70	70	70
71	71	71	71	71	71
72	72	72	72	72	72
73	73	73	73	73	73
74	74	74	74	74	74
75	75	75	75	75	75
76	76	76	76	76	76
77	77	77	77	77	77
78	78	78	78	78	78
79	79	79	79	79	79
80	80	80	80	80	80
81	81	81	81	81	81
82	82	82	82	82	82
83	83	83	83	83	83
84	84	84	84	84	84
85	85	85	85	85	85
86	86	86	86	86	86
87	87	87	87	87	87
88	88	88	88	88	88
89	89	89	89	89	89
90	90	90	90	90	90
91	91	91	91	91	91
92	92	92	92	92	92
93	93	93	93	93	93
94	94	94	94	94	94
95	95	95	95	95	95
96	96	96	96	96	96
97	97	97	97	97	97
98	98	98	98	98	98
99	99	99	99	99	99
100	100	100	100	100	100

पराधावलनोजयति॥

श्री रामजनमवधारके	२	आजिमहामंगलकै	
१ वटिगहगडवैगहर	३	देषोअनुतअवमति	
१ उदधिअवधेस			
१ अवधिपुरीधामआरा			
१ नयोहैआजिअवधि			
१ रामजनमदसरथध			
१ चलिरीआजिमंगल			
१ अवधिपुरवाजतआ			
श्री गोपीजनवल्लभायन			
२ आजिसपीरघुनंदन			
२ आजिअयोध्याप्रगटे			
२ माईप्रगटनयेहैराम			
२ सुंदररामपालनैजू			

॥ ५

॥ चांदिनीकेपद

॥ अथ चंदन रचना के पद

४ राजतमोनौराधानि

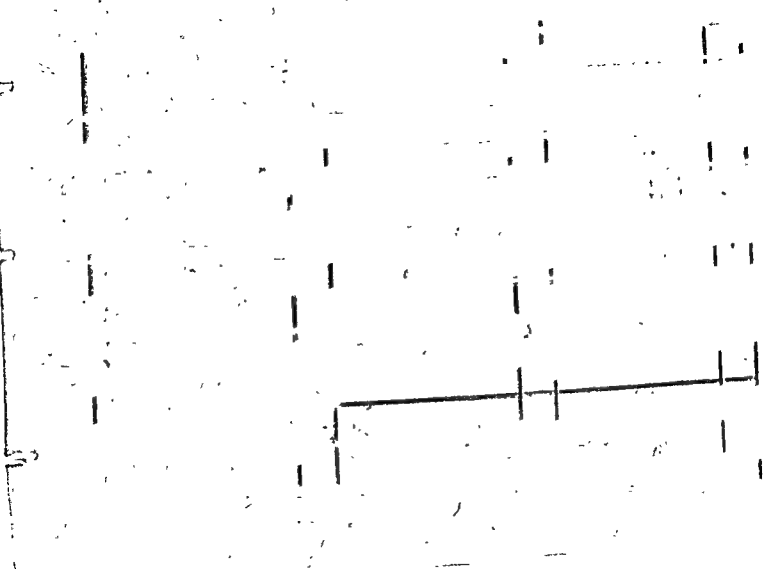
४ चंदनचित्रविचित्रविराजै

४ निकसिकुंजतेंवाटे

४ हरिकेश्रंगकोंचेंदनलपद्य

४ चंदनवंदनकीतनसौजा

४ चंदनचित्रविचित्रग्रंथ



[illegible]

अथ दान के पद। राग गजरी॥ पिछोंडी बांधन देहों ता। सखे मन मुमले
गुसों इरावरु मेरो माना॥ मा रगरो किरहे मन मोहन सव गुन रु,
निधो ना बदन मोरि मुसकाय जामिनी तेन बांन संधाता॥ सेंदरा
के कुम्हारिला दिले सब के जीवन प्रांता। परमानंद स्वामी नागर होतु
मते कोन मुजांता॥ ३॥ मोहन तुम के सेहो दांती। सखे रहोगे हें
नीय नितु म्हेरे जीय की जानी॥ ४॥ हम गुजरी गवारि नारितु म
रग पांती। मटु कील इतारि सी सते सुंदरी अधिक लज्जांती॥ ५॥
राहि चीर कहाएं वत होवाल तचतुर सयांती॥ सरदा सप्रनु मां प
न के मिस प्रेम प्रीति वितवांती॥ ६॥ राग देवगंधरा। सखे दान काहे
नही लेता। ओर अटपटी छांड़ि नंद मुते कहा कयावत वेता। चंदा
वन में वीथि निविथि निफिरत होमवाल समेत। इन बात न के सेम
न मानें ओर न करत अचेता॥ ७॥ राव किरव कि
रग चलन देत। अपने मन की काहे

३॥ अब काहुत मुख जानत न देहो आति वन्यो संकेत मरदा मप्रतु
रंग रहस्य मे देव चलेन खरेत ॥ ४ ॥ ॥ गज देवों धर ॥ गोर मुकदा दि
खांव न आइ इत नोक खाये नंद जू के दोरा बंद लोल हूं मेरी माइ
॥ जे सी कीनी तुम ही कन्हैया मंदिर तेन उविधाई पां ससरबी मिलि
देत उरा हनो इह तेरी कोत बडाई ॥ २ ॥ सुंदर कां न्ह छवी लोना गरइ
हिमि सदेखत आई परमांत दस्वामी को मिलि के रहसि बली मु
सिकांई ॥ ३ ॥ २ ॥ मट्की या मेरी मोहन दीजे जो कहु दधि चारवन को
चाहो तो रंच कपात करि पीजे ॥ १ ॥ उने आए घन अटक नो रही वन
तम नोत न सारी नीजे रंगु बहे गो आवार मोहि के दे कदा कहे हो
जो घर को ऊखीजे ॥ २ ॥ चतुर्भुज प्रभु हो कालि आय हो साची वात प
तीजे गिरि धर लालन यो पातु म्यारो दांनु आनु अति दहन कीजे
३ ॥ ३ ॥ रंच कवा खन देरी दहो अदनु त स्वाद मुन्यो कितु मोये नां दि
ने परतर हो ॥ १ ॥ ज्यो ज्यो कर अंबुज उर परदां पत ज्यो मर मुल हो

[illegible]

कुरकरतकसवरियाई॥१॥ करगहिवां दनाहअपनें ज्यो दहकि
करीमारगमें गादी॥ कवहुं छुवतलरकवहुं तोरतहारकवहुं ग
हतकंचुकी अतिगादी॥२॥ एतेनें नरोखमें जांमिनि जांनदेहुमो
हिनंदहुद्दई॥ परमानंदस्वामी रतिनाथकप्रेमवचनकहितलो
मनाई॥३॥१॥ रागधनश्री॥ गोरसेवेचवेमे जांति॥ कमलनें नविन
कोउनलेदेकाहेकोमथुरांजाति॥५॥ हृददीकेदमकादेहें छुव
तकहाइतरात॥ परमानंदगालिसयानीमोलकरतमुसकात
२॥१॥ माईरीनागरनंदमहरको॥ कारुकीकांनिआंतिनहिंमां
नतलरिकाअपनीअरिको॥५॥ मदुकीफोरिकंचुकीवंदतोरेओ
रकंकनालायोकरको॥ बलदासप्रभुमनहीसकुचनईमोदि
उरअपनेंहीघरको॥२॥२॥ सुधेकिनबोलोहोकहाइतराते॥
जमेंकोनतेकोबडोनाहिनेरायतुराते॥५॥ कोनदेवतुम्हरीदिन
प्रतिकीताकतअंगविराते॥ जेइजेइकर्मकीयेकहिदेहोंअस्वा

धरपीयननित्तिकचुकीकयाता॥३॥धारागदोडी॥
।निकचुक

गंगा

ढोड़ी ॥ छांडो मेरो अवर जिनि गहो ॥ वोहत वचत वावा की मोह अव
अन वोले ही रहो ॥ १ ॥ अले फिरत और केंधो खेगुली सांची सो कहो ॥
जिनि वेलिया तो नही वल विमन विहारी फल वहो ॥ २ ॥ राग आसा
वरी ॥ मट की ले जु उतारि धरी ॥ इन मोहन मेरो अंचल पक स्योत वहो आ
पडरी ॥ १ ॥ मोपेंदांन सां वरो सांगे लनें हा थुछरी ॥ मोहि जु तुमग हिरहे सं
ग को गर्सगरी ॥ २ ॥ पेसा ला गि करत हो वीनती इहं कर जो रिसवरी
पर सां नंद प्रनुद धिवे चन देवरी या जाति टरी ॥ ३ ॥ राग ढोड़ी ॥ सखी
री हो जु गर्सद धिवे चन हज मेन लटी आं पुविकांनीरी ॥ विन ग थमो
लल नंद नंदन सर्व सुल विदे आररी ॥ १ ॥ सां वर वरन कमल दल लो
चन पीतां वर कटि फेंटारी ॥ जिनि वे आं वत सां करी खोरी नई अवान
कने टारी ॥ २ ॥ कोन कनि कोन कुल वधू मधुरे मधुरे हसि बोलेरी ॥ मकु
विरही मोहि नुतरन आवत बल करि घूंघट खोलेरी ॥ ३ ॥ सासु ननद
उपचारि करिय चिहारे काहू मर मन पायोरी ॥ कर गहि वेद दहो रिस ॥

मोहि विंता रोग वयोरी॥४॥ जा दिन ते मोहि सुरति समारी गृह आंगनां धि
॥ धित वत वलत मो वत उ विजागत यद्दधान मे रे आगेरी॥५॥ नी
मनि मुकता वलि सोहे मोहि स्याम कोऊ मिलावेरी॥ कदि माधो विंता
मेरे विन विंता मनिया एरी॥६॥ राग आसावरी॥ करत कित कम
लने न सोऊ गरो॥ दान देधर जाहू मयानी छांडि हेका न अंग गरो॥७॥ ताते
यरो मे न मिलायो आदि जमायो मगरो॥ न कछु वन देराज कुंवर को
हू न लेहे मगरो॥८॥ मोहन लाल गोवर्धन धारी अवलन मांफन वलरो
परमानंद प्रनु वतर मन्त्र टकनि लिगयो वृज उगरो॥९॥ राग आसावरी॥
दान मंठात कुंवर कजाई वारवार चोरी दधि वेव्यारी दधि वेव्या अच
क विरे मे जान पाई॥१०॥ जा मो रति लरी मृगने नीति नदी सवानी वान लर
दिन को छांन न दे हो चं जरा जइ हाई॥११॥ मोहन
धन धारी हरि नागर वात न अरु कजार्ग परमानंद
यो आरु डगर वतार्गी॥१२॥ रा

देगुजरेटी। वोहतदिनां दोरी दधिबेच्यो आज्ञवानकनेटी। १॥ अतिसत
रतकेसें छेदेगी वेडे गोयकी वेटी। कुं मनदास गोवर्धनधारी मुजओदनी
लयेटी। २॥ रागवेडी देती। नेकरहों नें करहो दोटा देहो। जां निहृ किधप
रावतहो कत करिकरिताममलेहू। १॥ कोनहालकयिगोरसकेवलहं
दिस्वार्जगेहं। परमांनंदपुत्रगटकायोचाहतगवालनिगुपतसेनेहू
२॥ रागआसावरी। माधोज्ञानदेहवलीवाटकमलनेनकाहेकोरो।
कतजमुनाघाट। १॥ ओरसरवादेखेंगेकोऊगहतसीमतेमाट। तुमतीका
हूओरपरतनहींनीयरेगोधनवाट। २॥ क्योंविकायगोरोस्ममेरोकर
तनोरहींनां। परमांनंदवंशवलीरवीऊतिदिनप्रतियहीहेडां। ३॥
रागआसावरी। कहिदधिमोलआजहोलेहो। यहजमोतीहारकंठते।
वंशवलीगुपततोहिदेहो। ४॥ पांनियांनिगहिवादीकीनीमांऊवाटवा
न्याहेकगरो। वावाकीसीजाननदेहो। गिरधरलालहवीलोअवगरो। २॥
लोभदिखायेप्रीति। जोकीजेनांदिनेंवातमलीसवफीकी। परमांनंद

प्रनुजानिमहातमजोहरिमजेवतरमोईनीकी॥३॥रागपरवी॥ ॥छा
 डरुलालहमारीवाटाअतिसेमुनरनरेकिनदेवहूसिरऊपरगोरस
 केमांटा॥१॥इनवातनकेसेमनमांनेजायचरावरुगोधनकेवाटापर
 मांनंदप्रनुलेहमुदरीयाप्रातसमेंकीनाजहनाटा॥२॥रागपरवी॥या
 लनिमीठीतेरीछाछिकहाहधमेंघालिमायोसाचिकहोमेरीछाछि
 ॥३॥अरेमांतिचितेवोतेरोजोहचलतिहेआछि॥एसोटुकुऊकुकहने
 तंजु

श्रीगौडी॥ मंतोसोकेतीवारकह्यो॥इहिमारगसुंदरिदोवाबरवट

निरखतनेकनपरतरह्यो॥२॥लोचनमफ

२॥मारवो॥

ललालन होत हे श्रवार ॥ घरतें निकसें आज वडी वार ॥ मे मोहि सुंदर नंद
कुमार ॥ १ ॥ कालिदधिज माय नली नांति सोंतु मको लाय हो वडी वार ॥ कुं
ननदा सप्रभु गिरिधर धरतु मइहां वे विरही योय हे विवार ॥ २ ॥ राग गोडी
फिरि फिरि कहा हे रत हे मारी को प्रीत मया छे आवत है ॥ मान हूं नंद जू
को कुंचर कनारी ॥ गोर सवेचन चलीरी मधुपुरी पाव परत नही आगे ॥
एसी छिगोरी मेली धोको ने मन तर मत ताही लागे ॥ २ ॥ देखि स्वरूप वो हटि
वितला गये तांही के हाथ विकानो ॥ परमानंद प्रीति हे एसी कहा रंक
कहारा नो ॥ ३ ॥ राग कान्हू रो ॥ ॥ कापर दोटाने नन वावत हे को कलि
हारे बुवा की चोरी ॥ हो दधि बेचन जात मधुपुरी आय श्रवान कवन मे घे
री ॥ १ ॥ मे ननि मे सव सरवा बुला एवा तनि वात सम स्या फेरी जाय पुका
रूं गी नंद जू के अंगि जिनि को न छुव रु मटु कीया मेरी ॥ २ ॥ गोकुल वसतु
मदी छन ए हो वोहत कांनिकरत हो तेरी ॥ परमानंद प्रभु रसिक मुकट
मनि वलि वलि जां कंसां मघन तेरी ॥ ३ ॥ राग कान्हू रो ॥ ॥ अहो तो सो नंद

[illegible]

जात अथ वक्रदुहो यदनश्चलाई १ जोये जानन देहो तो वलो री तुलवि
प्रवनश्चेतो सबे क ब तिकरत जो मन नाई गोविंद प्रभु के नैन निसोने ना
मिले तब सकुचि वलीनिक मु रि मु सकाई २ राग कां न्हरे ॥ इहि वागे ले
री अनोखे दां नी ॥ चले जाऊ अये नै र स हो टा ह म सो को न वतु य श्वां नी ॥ १
को न हाल की ये ह रि मे रे फी री की री कहत अट पटी वां नी ॥ ए वा ते सब वे
रि क हूं गी वि वी ज हां ज सो दा रां नी ॥ २ अंत रंग ति हरि को संग ना वे देखू
ग्या ली नी मुख हिरि सां नी ॥ पान बसत ते रे कमल ने न मे जी य की जन पर
मां नंद जां मी ॥ ३ ॥ श्री कृष्णाय नमः ॥ अथ वाचन जी के पदा ॥ राग
देव गंधार ॥ १ गटे श्री राम न अवतार ॥ निरखि आदिनी मुख करत प्र
संसा जग जीवन आधार ॥ २ तन घन स्या म पीत पट राजत सो नित हे
नुज बार ॥ कुंडल मुकट को स्य नम ए न रं गु रे खा सा ॥ २ ॥ देखि बदन
आनंदित सर मुनि करत निगम उवार ॥ गोविंद प्रभु वट्ट वां मन के के
वा देव लिके धार ॥ ३ ॥ राग धनसरी ॥ बलिके धारे वा देवा वन ॥ अवन

सुनतहं आनंदकपज्यो कहों नीतरे आवन ॥ पाचरण धोय वरणाटक
लनिों कहों विप्रमन नांवन ॥ तीन पेड धरती हीं मांग्यो परम कुटी एक छां
वन ॥ १ ॥ याको विप्र कहा तुम मांग्यो देह ही राख वरणां वना परमां नंद
नुवचन नय लछो लाग्यो यीठ मयां वना ॥ २ ॥ राग धना सरी ॥ ॥ हर्म रं क्यो
आए विप्र वामा ॥ सुनत वेद हरे रुचि वाटी के पंजु न ये न्हां आवन ॥ ३ ॥
रण धोय वरणाटक लनिों न ले आए मन नांवन ॥ तीन पेड धरती हीं मां
ग्यो परम कुटी एक छावन ॥ ४ ॥ याको विप्र कहा तुम मांग्यो दोह वरणां
दे जंगों वना ॥ सरदा स प्रनुपें इत्तनों मांग्यो वरन पीव देया वन ॥ ५ ॥ रा
ग धना सरी ॥ राजा एक पंडित यो रिति हारी ॥ चाहे वद पद सुख
अरहे वामन च पुधारी ॥ ६ ॥ अ पद पद सुनावे बुल्ले लल्ले के नि कुग
री ॥ नगरि न मे मन नारी मोहे प्रविगत अदय न हरी ॥ ७ ॥ बुनि सुनि के
राज विधाए आहुत न न विमारी ॥ देनि सुन सुन क
नो डंडो क्तु हारी ॥ ८ ॥ बलि जे देव न हं न दे

[illegible]

रयेनुमहांडिकहोमहो॥५॥तुमतोवलिममर्थदेवेक्योंहीराजा॥६॥
जकोंसंतोरखधर्मधनकोंकहाकाजा॥७॥सुक्रकहेराजाएसीक्यों
करिहें॥देवनकोकाजआयमर्वसतेरोहरिहें॥८॥सुनहुसुक्रअच
तवचनकोहूँनहीनारें॥सुनजसुक्रनयोमत्यधर्मरात॥९॥वंध्यावा
लिअतियचिन्नजललेकेअंश॥दिजवरकेपदपरवारिअतिअनंद
पई॥एजवरजान्मिटानजलकरमेंढास्यो॥तववांमननिजस्वरू
पविस्वरूपधास्यो॥१०॥जयजयशृङ्गगतनयोसुरपतिमनहरये
बलरुद्रआदिसवयोहमनमेवररेवे॥११॥सखसुलेराजाकोंसुतल
राजदीनों॥निजजनजीयवानिघाउपालकेसुरवदीनों॥१२॥नक्तहेतव
रिस्वरूपलीलाप्रगटाईअतिअनंदप्रेममगनगोविंदयहगाई॥
१३॥अथसांजीकेपद॥रागगोडी॥हरवानांकलडेतीगार्थेकीरत
कुलमंडनवालहो॥सोनेकीसीदेहहेप्यारीवंधेकीसीमालहो॥१४॥
हंसगवनीमगलोचनीहोसोभितसहजसिंगारहो॥चमकतचंचल

चीकनेहोमिसटकारेवारहो॥२॥धंधरवारेबारननपरमोहतसुंदर
सारहो॥चंदकेफंदपरेअहीनंदनजरकेकंचनजारहो॥३॥अतलसके
तेहगान्प्रतिगाढोदरियाईअंगीयांपीतहो॥उरजमुनटकंचनकवच
नसजिआएरतिरणजीतहो॥४॥कमकटिकेहरिदेखिइरेहरिजेह
तेहस्त्रियायहो॥गजगचनीकवनीअपनीरवनीरतिलेतवलायहो॥५॥
करदूबोललकेजलकेपलकेनलगेंछविदेखिहो॥अंसुरीनमुद
रीपरुंधीगजरावाजूवंदविसेषहो॥६॥चंपकलविकीचमकेदु
लरीपीययोतिहो॥वितकोलेतवुरायअलकछविचदनचंदकी
जोतिहो॥७॥अरुनअधरदमकतदमनावलिचोपवयलताचारु
हो॥कमलकोसमेवैवीपंकतिसोभितनंकुगकुमारहो॥८॥वेसर
कोमोतीलटकेमटकेरवटकेपीयपाणको॥सुवनवनीरुचिमनीक
नकंकूतनकतरुकलीकनहो॥९॥पीयत्ररवमोरचनरतिरममो
चनचंवलोचनचारुहो॥कुंवरीकिमोरचकोरवेदुवापटतचंदचटमा

रहे॥१०॥प्रलिकुलगंजनरतिरसरंजननेननम्रंजनदीनहो॥क्रीडत
 मुधासरोवरमहियांमनोमनसीजकेमीनहो॥११॥समरसहार्कनव
 रसनाईकसायकघायकनेनहो॥कीरकुरंगसुरंगकवलकांनेनहो
 तानतवेनहो॥१२॥कारीऊपकारीअतिशारीकुनीवेनेकविको
 नहो॥मोहेमुविमोहेमोहामनहावभावकेनोनहो॥१३॥ ॥ १४ ॥

॥मुनविरीयाडयहरीयांकेरुलकीविंदीदीनीनालहो॥ईदव
 धूमांनोकमलचंदकेअईमिलीधीयवानहो॥१५॥सीसरुलीये
 मोहेमोहेवनीतनककनिककीआडेहो॥विदुक्चारुमुसिक्याईह
 मतजवयरतकयोलगिगाडेहो॥१५॥ईहविधछवीअगाधासविराधा
 सरवीयनमांऊहो॥विटयावजतअगोयिनकीसंगरेवलतमांजीहो
 मांऊहो॥१६॥गोधूलकविरियांदीरीयाकूलनजमुनाकूलनिस्यामां

हो॥कूलनतोरतननहीमरोर

लेलावतललितायटकीअटकीकटिदीणहो॥रमकिऊमकिपल
वनवांईचाटीवीनतीफूलप्रवीनहो॥ए॥कूदिकुंदकरनीकोमल
निवारीनिखालवैलहो॥ललितलवंगलतावनितापररहेदेहूमि
काकेलहो॥२०॥जाहीजूहीकेतुकीनिवारोचंवैलीअरुवैलहो॥
फूलनकीकरिगेंहकवालावनमेंखेलतखेलहो॥२१॥बोलसरीके
फूलनकीगकफूलीवनावनिहो॥स्यांमाअतिरामासुखधामाखे
लतखेलअनेकहो॥२२॥तिहछिनकुंजविहारीजूदेखतकुंजन
कीओटहो॥रहेहेंचित्रकेसेतुचितेरेलगेहेंडगतकीचोटहो॥२३॥
कीयोसखीकोरूपलाखनरिलेगुलावदलगेदहो॥त्रीयारूपध
रदरसनपायोमनमेंमानतमोदहो॥२४॥निरखिनिरखिदृषां
नतंदनीबोलीवचनरसालहो॥सबसिंगारमोहेंमोहेंतूकोहेंरीन
ववालहो॥२५॥तूकोफिरतअकेलीहेलीइहवनतमुनांकूलहो
नंदगांमघरसाजीकोहूंवीननआईफूलहो॥२६॥उतकंवितत्र

खतानतनदनीकंवजुजाउरमेलीहो॥आजअवारनईपांकीकंनई
गहमारेखेलिहो॥असरवीसबबोलिवोलिगारंननधुतिपुनीहोत
हो।बडीवारधरजेहतेखीजतदेवावात्रखतानदो॥अचंडतागायं
डाबलीचंचलनेनीचलीयेधामदो।वदोतफूलवीतदेनपुनम
तकेकामहो॥अथ।कमलफिरावनिगीतनगावनिआवनंघरन
जवालहो।फूलतकीकरगेडुकलकरीयांछन्नतकीउरमानहो
अमाईभाईउरलाइलईकीरतजपुरमप्रवीनहो।अपारवदईन
ईसबनीतरआमुआरतोकीतहो।आमदचंदनकेसरपंखा
मांजलीपीनीतहो।कामधेनकेपेठरसेरवीकांकी।कलहतिन
हो॥अधुपदीपधस्तिप्राप्तमृतमृतमृतमृतमृतमृतमृतमृतमृत
तगीतपुनीतकिमोरीश्रीविष्णुसुकुमारजिहो।अहोअहोअहो
संगरेलनचलीअपुतेअपुतेदेहो।अहोअहोअहोअहोअहो
खीसुखनहो।अमांजानहो।

मां पतिमुघरमुजां न हो रसिकरूपधरकेलकरीमुखसागरप्रांण-
नीप्रांणहो॥३५॥ सरदतिसामुखईहविधिराधामाधोजनितविहा-
रहो सोनापरवलजां ईस्यां मयतश्रवलोकनमुखसारहो॥३६॥

अथ दसाहजकैप दशाहजसंग ॥ आज्ञादसहस्रयहदिनुनीकोपा
यतोपूजोदेभोगयाला ॥ वृजरांती वृजराजकुवरकोंकररुसिंगार
परमरमाला ॥ १ ॥ वदनमुनदफुफुसामदेगावतमंगलचला ॥ २ ॥
लातिलककरतओरजोउरसतआरतीबारतिदेजीजीवरुला
ला ॥ ३ ॥ शतवृजराजअस्वसिंगारेतापरचदेगिरिधरलाल ॥ ४ ॥
कप्रनुपीयचलेदेकुदावतजहांवेवीहरनांतकीवाला ॥ ५ ॥
बिजेदसमीआजपरममुदाईगोधतअगूआदीयोपगईगोप
सकलवेवेदेअयांइकुसरमतावरुमुनदिननाई ॥ ६ ॥ वृजरांती
वृजराजकुवरसहितकीरतिललितान्येतिपगई ॥ ७ ॥ आज्ञादम
रंबडोपरबहेनुमसवजेवनआयोकांई ॥ ८ ॥ करतसिंगारगिरि
धरनचंदकोचंडावलीसरमसुखदाई ॥ ९ ॥ सथतपीतसेतवागेरु
ल्योलालपपापरजोथहराई ॥ १० ॥ काजरआंजितोहमटुकदेति
नुतोरतओरलेतवलाईरसि

हरनांत

सदनजहांकुवरमननार्द्र॥४॥२॥ आजदसहरासुतदितुनिकोविते
करोपीधप्यारीयेआतु॥५॥ तनीवातसुततनंदनदनविहसिउवेद
लकीनोसाज॥१॥ रसिकप्रनुपीयरतिपतिजीसोनूपुरकिंकिनीर
ततुरवाज॥२॥ ३॥ वितेदसमीओरवितयमरुरतश्रीविबुलगिरि
धरयेआवतकरसिंगारविचित्रतांतिकोतिरखितिरखितेंतति
मुखपावत॥१॥ मथनलालओरसेतबोलनांकलहीजरकसी
हेमतनावतविविधितांतिसंगनूरवनसोनितसिरकेकपिछगुं
जायहरावत॥२॥ साजिकनककीथारदाथलेकुंकुमतिलकलि
लाटबनावत॥ अछतदेज्योअंकुरसिरपरधरतनिरषिनिरखि
मनमोदबटावत॥३॥ बोहतजोगवीराआगेंधरिदृजितांमिनीमि
लिसंगलगवत॥ नीराजतवारिश्रीमुखपरगोविंदहरखिउरधा
रत॥४॥४॥ रागसारंग॥ मारिकदतहेललिताजोउरसेवितेकरन
कूंआओगेकवे॥ सजिसिंगारुनवनागरिआपुनसोधोसेतसजि

॥ सुनिमृडवचनमंदतमोदतयिष्यं ललतदसिदसिच
रागसारंग ॥ चोवासेचदलिरहेदेखाल कदं
नाएकतेएकचुबरवारवतारी तुमते
केसततांवनकरमांजकरलीतोदसिए
लमिमोदीयेगतांवनधोंधीकंप्रनुप्रवी
नजगतिस्वस्तीआइसमुजावन
नरिछिजवेवेवरसोदीखांत
कुलाताथलीयेगोदगिरध
कनकथारमंगलसमाज
॥ आगेदेरलगोदेधकोदेतनंदको
रिछजवात
तिनंददसक

॥ रा. आज पयाने को दिन नी को कुसल लान और की रत दोई पूज वेम
नोरथ जी को ॥ १ ॥ अतुल तबल अतुल तसेना में हनुमान को टी को
जांबुवांन मुयी वनी लनल अंग दवालि वली को ॥ २ ॥ विजे दसमी
ओर सिंधु दहने वां यों घर जो गिन को दिसा सल मारत पुनिय छे
रावन मरत सही को ॥ ३ ॥ सी गीरिषि मुनिरिष्टि करत दे जोग कर
न को टी को अगृस्वामी कारज सब सरि है उतरे नार सही को ॥ ४ ॥
॥ राग आसा वरी ॥ आज दसहरा सुन दिन नी के गिरि धर लाल
जवा रे पहरत वन्यो है नाल कुम कुम को टी को ॥ १ ॥ देह अमी मस
कल गोयी जन चिर जीयो कुवर नां वनो जी को प्रेम दास प्रभु को
सुख निरखत त्रिबुवन को सुख लागत ॥ २ ॥ ॥ राग कांनरो सुन
मरुरत विजे दसमी को नी को प्रथम समागम पीय हूला स हूती
वितय करत प्यारी सौ वेगिय धारो पीय के पास ॥ १ ॥ मंजन करि
आनूषन धारो कनक अंग पट चीर सुवास ॥ धीरज धरि वृषनां

मारी पुरन करी प्रीत सकी आस । शत वना गर संगान वलना
 संगम वरन तहें दास । श्रीवल्लभ पद रज कपा पात्र कुंनि
 तवल हृदय कास ॥ ३ ॥ राग माहादिषी लोकंतर युनाथ आये
 प्यो ससि मुर अती चारव कत नयो पुर सो पुर आकास छाये ।
 तवन मांन्यो कह्यो आपने मंदर हो देह के गर्जनि मानवायो
 नीव हो कंत अब कती न नयो छटि वोग दें करवी सङ्कार
 ॥ २ ॥ सिंधु गंजी रद लछा डि दे मुगध वल ते न करी या कछांटे
 ॥ बचे कोण्ड बते मा फला गयो । धकाल सीता वक्षो दुक फाटी ॥ ३ ॥
 मुनी तुगे न्यो पछिन में आनी या चरज पर आनी खेले । न
 वर देवा जहनु मानये मुवज बजान की नाथ सेले ॥ ४ ॥ ज
 ककुयो हनु मान उदधि जांन की सुधी लेन को देष न दस
 पने नाथ को मुख देन को ॥ ५ ॥ लाचली
 नीउत रुहीया सो गिरि दस जो जन

धरतीधमिगईपतालतारपरेजाग्योसिसङ्कोमीसजाइकमव
पीबलाग्यो॥३॥अरुनबदनसेतसदनबडोपीतगातहेउतराते
दछनमानोंमेरझोजातहे॥४॥रामचंदपदप्रतायजगमगेजसुत
को॥नंददाससुरनरमुनिकोतिकचूलेताको॥५॥२॥श्रीकृष्णाय
नमः॥अथरासकेकीर्तन॥रागजैरवमानलाग्योगिरधरगावे
ततथेईततथेईततताथेईतेरांगमिलिमुर्लीवतावे॥६॥नाच
ततवटभमांतडुलारी॥अवयरगतिउपजावे॥नूपुररुनितकूनि
तकटिमेखलजुवतीसबदमतमोदवटावे॥७॥सुरतदेतमानोंम
तमधुपगनएकतालीसबकेजीयतावे॥गिरधरपीयप्यारीकी
पदरजकृष्णदासत्योछावरपावे॥८॥नाचतिब्रखतांतकुवारीद
ससुतायुलतिमधिहंसहंसनीमयूरमंडलीवनीगावतगोपाल
लालमिलवतकपतालचाललजितअतिमतमदनकामिनीअ
नी॥पदिकलालकंवमालतफुनितिलकफलकतालश्रवत

कूलवरदुकूलनामिकामनी॥२॥नीलकंबुकीसुदेसचंपक
लीगलितकेसमुकलितवरदामवामकटिसुकाछनी॥३॥म
करतमतिबलयरावमुखरनुपुरसुजावजावकनुतिचरन
खचंडिकावनी॥अंगनिवासनुवविलासदासरसवरसुधंग
अलगलागलेतसुधराधिकायुनी॥४॥कामसिधकितोबंधरी
ऊरहेचरतगदेसाधुसाधुकहततरहतराधिकाधनीनिरतगहि
वाह्मुलउरतपरसनद्रुकूलव्यासवचनज्ञानकूलरसिकत
वनी॥५॥रागरामकली॥देखोदेखोरीतागरनटनिर्नेतकालि
दितटगोपिनकेमधिराजेमुकटलटककाछनीकिंकिनीक
टिपीतांबरकीचटककुंडलकिरतरविरथकीअटक॥एततथे
इततथेइसबदसकलघटउरयतिरपपरेपुगकीपटक॥स

तनियातिकटअधरमुरलीधरी॥ सुनतमुरअवततजितवनत्रज
सुंदरीआनिआकासघुवनवरखाकरी॥१॥ धेनओरवछरव
गमृगवधसुनिसवेरदेधरभ्यातनहीचरतत्रनुमुखपरी॥ मूलप्री
तिकूलजलअतिलथकेतासमेसिलादिवदिवतरजनीसुग
तिमतिहरी॥२॥ सकलद्रुमवेलाप्रफुल्लितमुदितनवरवरगुं
जमध्यानमधुकरतसुनतासमघरी॥ नाथवारजबदनमदन
मोहनकूवरमोहेकोटिकमदनहरतअघत्रिदरी॥३॥ रावि
वलाचलोडुलाधिकेसुजानतेरेदितसुखनिधानरासरओका
हृत्तटकलिनंदिनी॥ निर्गतनुवतिसमूहारांगअतिकोन्
हलवाजतरसमुलमुरलिकाअनंदनी॥ वंसीवदनिकटतहा
परमरमजनुमितदांसकलमुखदमलयवदेवायुमंदनी॥
जातीइखदविकासकानतअतिसहेसुवासराकानिससर
दमासविमलचांदिनी॥३॥ कूहनदासप्रनुतिहारलोचनन

डी॥

रागदे

नूपुरकृते कनककुंजकचवीचिपसीनामनाहरमोतिनपू-
ते शिखिमलनातमालावलंवितसीसमल्लिकाफुली कुचिन

केसवीचअरुजानेमनोअलिमालकली॥४॥सरदविमलनिस
चंदविराजतक्रीडतयमुनाकुलेपरमानंदस्वामीकोतहलदे
खतसुरनखले॥५॥रासचंदगोविंदगोपीतारागतवन्योरासमें
वनवारी॥सुरवप्रकासरंजितचंद्रावनतवलजुवतीतनसुकवा
री॥६॥कवलनैनकवनीयमनोहरमनुहरनीगोकुलनारीहस्त
कमलवरगलितकुसमदलनिर्तमानप्रीतमय्यारी॥७॥रसमेंर
सिकनीनामिनअतिरसालवनविहारी॥कलदासप्रचुरसिक
मुकटमतिरसिकरायगिरवरधारी॥८॥रागआसावरी॥ब्रयनो
तनंदनीताचतरासरंगजरी॥उरपतिरमलागडाटउघटतसंगी
सहृततथेईथेईथेईबोलतजगतवंदनी॥९॥नाचतसुगतता
लमृदंगलेतजुवतीअतिसुगंधकोककलानिपुनसरसकाम
कंदनीरीकवारदेतप्रातप्रचुमुकुंदअतिसुजातमोहेकलगा
नत्रियेप्रेमकंदनी॥१०॥राससरंग॥वन्योरासमंडलएयुवतीजूथ

शिवनीश्री
रीकरिजवे

॥ अंग अंग चित्रकी ए मोर चंदमाथे दीने का छती का छेपी
चतुर बिहारी प्यारी परवारे नतम नधन यह छवि

हमिली नवरंग वररूपम

रीगमपधनीअलापकरतरसउपजतताततवंग॥१॥निर्गतअति
जतलेतअततकिटधेमकधिलागथो॥जतमृदंगगोविंदप्रनूकेअं
गअंगपरवारोकोटिअतंग॥२॥रागनट॥आजुवनतीकोरासवना
यो॥पुलनपवितिसुजगजमुनातटमोहनवेनुवजायो॥१॥कलकि
किनीकंकनपगनपुरधुनिसुनिरवगमृगसवपायो॥युवतिनमं
डलमधिस्यामद्यनसांगराजमायो॥२॥तालमृदंगउपंगमुरज
डफमिलरससिध्वदायो॥विविधिविसद्व्रषुनाततंदिनीअंगमु
अंगदिरवायो॥३॥अनयुतिपुनलटकटेलेलोवनत्रकुटीअतंग
लजायो॥ततथेईततथेईधरतनूतनगतिपतिव्रजराजरीकायो॥४॥
मकलउदाररसिकचूडामनिसुरववारधुवरपायो॥परिरंजनचंव
नआलिंगनउचतजुवतिजनपायो॥५॥वरषतकुसममुदितन
ननायकइंदुविमानवजायो॥दितहरिवंसरसिकराधामतिज
मुवितातजगछायो॥६॥रागनटनागरीनटनरायनगायो॥तातमां

वि
॥ अन्नयनिपू

सकलत्रियतमे सद्गुणावलीश्रंग

रागमालवा ॥ रासविलास रंगनरितावतनवलकिसेरनवल

नधरसुरतकेलकंचुकीछोर॥३॥ रागमालवरागसंमंडलमेवनतांच
तपीयकेसंगप्रितमप्यारीगावतसरससजातमिलावतचपलक
टिलनुवअनियारी॥१॥ मालवरागअलापतनांमनिलेतउरपन
गरनारी॥ प्यारीकेरसवेनुवजावतमुघररायगिरवरधारी॥२॥ कूल
दसप्रनुसौतगसीवासबनुवतीनमेंमुकवारी॥ जोरीअनुतप्रग
दतनतलकेलकलारसमनुहारी॥३॥ अलागलागतउरपतिर
पगतिनटवतव्रजललनारासे॥ उघटतशहततथेइथेइततथेइ
गतेंतीइखदहासे॥१॥ चपलछंदजनावतगावतवाधतमदननोह
पासेचलतउरजपटकंकनकुंडलअमजलकनसोनितआसे॥२॥
नूपुरसुनितकुनितकटिमेखलकटितटिकाछनीलवासेअवधर
तानमानबंधानसोमोदतविस्वचरन्योसे॥३॥ मोहनलालगोवरध
नधारीरिखवतछेलमुघरलासेअपनेकंचुकीपीयअमजलमि
लिमालादेतकूलदासे॥४॥ रासनाचतरासमेंगोपालसंगमुदित

षोडशरी। ततमालस्यामलालकनकवेलप्यारी॥ चलनितं
 वनूपुरकटिलोलवंकयीवारगतांतमानसहितवेतगातसीवा
 २॥ अमजलकननरितसुनगरेनरंगसोदे चतुचुतप्रभुगिरिवरध
 रज्जवतिततमोदे। उरसागोयवधुसंडलमधिनयकगोपाललाल
 रुचिराअरुतवीवाधरमुरिकाधरे। अजुतनटवरविचित्रनेखरेख
 गतिमुदेसकनककपिसकाछसिरवीसरवंडसेखरे॥ ५॥ कूकू
 कंकनकटिधूंगधूंगगतकिटधिकटधुमकिटततथेइउघटतरा
 संरंगनरे। जेजेगिराजधरनजेकोटिमदनमनहरनहरिजीवन
 लिवलिज्जपुरपुलंदरे॥ २॥ रागदोडी॥ रुसतरनतनयातीररास
 डलरच्योअधरकरमधुरसुरबेनुवाजे। जुवतिनज्जसंग
 नेकगतिनिरखिअनिमानतजिकामलाजे॥ ५॥ स्या
 सेवपदनखनसुनचंद्रकासकलनूवतिमरनाजे॥ ल
 सनूवधनकलोचनचपलवितवनीमदनतसुवा

को।

रकरमंजीरकटिकिंकनीकुतितरबचनगंजीरजानोमेधगाजे द्य
सकृतननाथदरिदासवर्यधरितरबसिखसरूपश्रुतविराजे
३॥ श्रीराम गोपवृंदसंगनृततरंग सरिगमपधनी अलापकरत
रसउपजतिओयरतांततरंग ॥ १ ॥ लालकाछनीकटिपीतटिपा
रोछबिबनजविचित्रसोदेअंग गोविंदप्रभुत्रैलोकविमोदतवा
रिफेदिदारेकोटिअतंग ॥ २ ॥ रासमेरसिकसोदतवनेनामिनीमु
नगयांवनपुलितसरसौरतनलनमतमधुपकरनिकरसरद
कीजामिनी ॥ ३ ॥ त्रिविधरोचकप्रबननायदिनमतदवनतहावादे
रवनसंगसतकांमिनी लालवीनामृदंगसरसनाचतमुगंधगाए
कतेएकसंगीतकीस्वामिनी ॥ ४ ॥ रागरागितजमीवियनवरप्रत
अमीअधरबिंबनरमीमुरलीअतिरामनी लागकटउरप्रसप्त
मुरसोमुलपलेतमुंदरमुघरगधिकामिनी ॥ ५ ॥ रासततथेईथे
ईकरतगतिवनौतनधरपलवडगमेगेधरतगजगामिनी धाय

नवरंगधरी उर सराज तरवरी उने कल दंस हरि बंस घन दां सि
नी धारा सा निर्जमान नां मिनी गुपाल संग तरुन तनया पुलन वि
मल विकसत जाती सुवास ॥ १ ॥ लेत सुलफ उर पतिर पद सत
वर ईख दहसा वदन जोती तू छी कत मो दित उडयति अका
साथ नील पाट का छ कंचुकी उतंग मव किला सा गो वर धन धरत
लाल रिक्त वत अशु कल दासा ॥ २ ॥ राग के दारे ॥ सुन धुव मुरली व
न वाजे हरि रासरच्यो कुंज कुंज डुम बेली प्रफुलित मंडल कंच
न मन तरवच्यो ॥ ३ ॥ निर्जित जुगल कि सोर वृवति जन मन मिल
राग के दारे मच्यो हर दास के स्वामी स्यामा कुंज विदारी नी के
आज गुपाल नच्यो ॥ ४ ॥ दसना नंदनी नाचत लालन गिर धर
न संग डाट उर पतिर पद सरंग राच्यो ॥ ५ ॥ जुवती जय संग मिलेग
वत के दारे राग अवधर वर सुधर तात गान राग राच्यो ॥ ६ ॥ रासा
पा

गङ्गासरंगराख्यो वनितासंतय्यपयीयननिरविश्रयो सधन
चंदवलिहारीकुलदासमुजसरंगराख्यो॥२॥ पूरतमधुरतमधुरवे
नरसालचारुधुतवेसुततश्रवतनविमोहीवृजवाल॥३॥ सुनिश
केसुरनरपवनपसुरवगमुधिनदीतिदिकालनिरवकोतिक
चंदनल्योतजीपछमवाल॥२॥ राजरितगोवरधनतठरओरास
गोपालदासकुंभनप्रनुदसोमनमोवरधनधरलाल॥३॥ राज
विहागरी॥ पियकोनचवतसिषवतप्यारी॥ चंदावनमैरासर
चोहेसरदेरेनउजियारी॥१॥ तालमदंगउयंगवजावतअतिप्र
वीनललितारी॥ रूपनरीगुनदाथछरीलीयेंदरपतिला
बिहारी॥२॥ बेनवीननूपुरधुनिवाजतरवामृगबुद्धिविसारी
यासस्वामीनीकीकविनिरषतरीकदेतकरनारी॥३॥ विहागरी॥
लाडलीनमानेलालआपपावधारियेजेसेप्यारीमानतजेसे
जतनविचारोवातितोवनायकदीजेतीमतिमेरीनेकरुनमं

लाल एसी नियातेरी ॥ १ ॥ अपनी चोंप केँ काजे सरवी जेख की नो
मन वसत सजवी ना करली नो ॥ २ ॥ उतने आवत देखि चकत
विहारे को नगाव वसत हो मूय उजियारी ॥ ३ ॥ गंमतो हे नंद गंमतो
निमेरी प्यारी नाव तो देन बल सरवी तो दिवो लन आ ई कर सो
कर जो रप्यारी निकट वेग ॥ ४ ॥ सस सुरन मिल सुल पवजा ॥ ५ ॥
ऊमोति हार चा रुतर पदिरावे ॥ हमारे सावरो नद एसे वरजा
॥ ६ ॥ जो इजो इचा हो सो इमाग वलिनी जे यदे दाने मागे साव
सो मानन की जे ॥ ७ ॥ मुख सौं मुष जो रप्यारी दर्पन दिया वे ॥ नि
षि छवीली छवि प्रति बिंबल जावे ॥ ८ ॥ छदम उषरि आयो द
॥ धारि मिलि राधा प्यारी आको नरिलीनी ॥ ९ ॥ अ
धन तेर कैय ॥ १० ॥ राग देगंधरा ॥ आज माई धन धोवंत तंदरांनी
तिक बदि तेर सदिन उजिम गावत मंगल वांणी ॥ ११ ॥ नव सत
जि सिंगार अनूप मआप करत मन मानी

ला

